हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 96, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 4 अक्टूबर, 2023 दिन बुधवार गाजीपुर/वाराणसी

केंद्रीय मंत्री बोले- जांच एजेंसी अपना काम कर रही

कांग्रेस का आरोप- जाति सर्वे से घबराई सरकार

देश का ध्यान भटकाने के लिए न्यूजक्लिक के ठिकानों पर छापेमारी की गई : कांग्रेस

नई दिल्ली। ऑनलाइन पोर्ट्ल न्यूजक्लिक से जुड़े लोगों के ठिकानों पर जांच एजेंसियों की छापेमारी को लेकर केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा है कि जांच एजेंसियां स्वतंत्र हैं और वह कानून के मुताबिक अपना काम कर रही हैं। अनुराग ठाकुर ने कहा कि 'मुझे छापेमारी पर सफाई देने की जरूरत नहीं है.. अगर कोई कुछ गलत करेगा तो जांच एजेंसियां अपना काम करेंगी। ऐसा कहीं भी नहीं लिखा है कि आप अवैध तरीके से पैसे लेंगे और कुछ आपत्तिजनक करेंगे तो जांच एजेंसियां आपकी जांच नहीं कर सकतीं!'

दिल्ली पुलिस ने 30 ठिकानों पर की छापेमारी- बता दें कि दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने मंगलवार की सुबह न्यूजक्लिक से जुड़े 30 ठिकानों पर छापेमारी की। साथ ही इससे जुड़े कई पत्रकारों से पूछताछ भी हुई है। दिल्ली पुलिस ने बताया कि 17 अगस्त को दर्ज हुए एक मामले में यूएपीए और आईपीसी की अन्य धाराओं में यह कार्रवाई हुई है और अभी भी छापेमारी चल रही है। पत्रकारों ने जब अनुराग ठाकुर से इसे लेकर सवाल किया तो अनुराग ठाकुर ने साफ कहा कि कानून अपना काम कर रहा है।

जातीय सर्वे से ध्यान हटाने की कोशिश- वहीं न्यूजक्लिक से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी को लेकर कांग्रेस ने सरकार पर निशाना साधा है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि बिहार के जातीय सर्वे में जो चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं, उनसे देश का ध्यान भटकाने के लिए न्यूजक्लिक के ठिकानों पर छापेमारी की गई है। कांग्रेस के प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने सुबह एक सोशल मीडिया पोस्ट साझा किया, जिसमें उन्होंने लिखा कि 'कल जब से बिहार के जाति जनगणना के चौंका देने वाले आंकड़े सामने आए हैं, तब से पूरे देश में जाति जनगणना की मांग जोर पकड़ रही है। मोदी साहब की नींद उड़ी हुई है। जब पाठ्यक्रम के बाहर का कोई सवाल खड़ा हो जाता है तो मोदी जी पाठ्यक्रम के एक देखे-भाले हथियार का इस्तेमाल करते हैं और वो है- मुद्दे से लोगों का ध्यान भटकाने का हथियार। आज सुबह से न्यूजक्लिक के पत्रकारों के खिलाफ हो रही कार्यवाही इसी पाठ्यक्रम का हिस्सा है।' बता दें कि सोमवार को बिहार सरकार ने जातीय जनगणना के आंकड़े जारी किए हैं। इनके मुताबिक राज्य में अन्य पिछड़ा वर्ग की कुल आबादी 63 प्रतिशत है। इसे लेकर विपक्षी पार्टियां खासा उत्साह दिखा रही हैं और 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए इसमें अपने लिए संभावनाएं तलाश रही हैं।

प्वाइंट फेलर के कारण हार्बर और ट्रांस हार्बर उपनगरीय नेटवर्क प्रभावित, ट्रेन सेवाओं में देरी

मुंबई। महाराष्ट्र के मुंबई में ट्रैक चेंजिंग की विफलता के बाद मंगलवार सुबह करीब दो घंटे तक हार्बर और ट्रांस हार्बर उपनगरीय नेटवर्क प्रभावित रहा। सेंट्रल रेलवे के एक अधिकारी ने इस बात की जानकारी देते हुए बताया कि रायगढ़ जिले के पड़ोस में स्थित पनवेल रेलवे स्टेशन पर करीब सुबह के 5.35 से लेकर 7.25 तक प्वाइंट फेलर रहा, जिससे पनवेल से निकलने वाली और वहां समाप्त होने वाली सेवाएं करीब आधे घंटे देर से शुरू हुई। सेंट्रल रेलवे की हार्बर लाइन मुंबई में छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) को पनवेल के साथ-साथ नवी मुंबई उपनगरों से जोड़ती है।

सांप और नेवले के साथ आने जैसा, भाजपा का विपक्षी गठबंधन पर हमला

नर्मदापुरम। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विपक्षी गठबंधन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों का साथ आना नेवले और सांप के साथ आने जैसा है। भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने कहा कि इंडिया गठबंधन बनने से पहले यह लोग छिपकर हिंदू धर्म विरोधी राजनीति करते थे। धर्मनिरपेक्षता का बुर्का पहनकर हिंदू और भारत विरोधी राजनीति करते थे। अब यह खुलकर सनातन धर्म के खिलाफ बोल रहे हैं। भाजपा युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सोमवार को नर्मदापुरम में पत्रकारों से कहा कि यह गठबंधन सांप और नेवले के साथ आने जैसा है। उन्होंने कहा कि डीएमके का कहना है कि इंडिया गठबंधन सनातन धर्म को खत्म करने के लिए बनाया गया था। दूसरी ओर, एक अन्य सहयोग जाति के आधार पर हिंदू समुदाय को तोड़ने की कोशिश कर रहा है। गौरतलब है, मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे और डीएमके सरकार में मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने दो सितंबर को बेहद आपत्तिजनक बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि सनातन धर्म मलेरिया और डेंगू की तरह है और इसलिए इसे खत्म किया जाना चाहिए, न कि केवल इसका विरोध किया जाना चाहिए। उदयनिधि स्टालिन सनातन धर्म को मिटाने के लिए आयोजित एक सम्मेलन में बोल रहे थे।

केंद्र की योजनाओं के भुगतान को लेकर टीएमसी का प्रदर्शन; भाजपा ने किया पलटवार, लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली। केंद्र की योजनाओं के धन के भुगतान को लेकर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का राष्ट्रीय राजधानी में प्रदर्शन जारी है। इस बीच, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पलटवार किया है और ममता बनर्जी सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता शुवेंदु अधिकारी ने मंगलवार को केंद्र से राज्य को मिल रहे धन में कथित हेराफेरी की सीबीआई जांच की मांग की। उन्होंने सत्तारूढ़ टीएमसी पर एक बड़े घोटाले के पीछे होने का आरोप लगाया। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ मिलकर तृणमूल कांग्रेस से जुड़े हजारों ग्राम प्रधान महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार अधिनियम (मनरेगा) के तहत काम के संबंध में राज्य में हजारों करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार में शामिल हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी की ओर इशारा करते हुए 'बुआ-भतीजे' पर निशाना साध और कहा कि यह एक बड़ा घोटाला है। यह आजादी के बाद का सबसे बड़ा घोटाला साबित होगा। लोकसभा सदस्य अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व में तृणमूल कांग्रेस के नेता दिल्ली में प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका आरोप है कि मनरेगा सहित केंद्र सरकार से जुड़ी कुछ योजनाओं के तहत राज्य को मिलने वाला पैसा रोका जा रहा है। तृणमूल नेताओं और कार्यकताओं ने मनरेगा सहित केंद्र सरकार की कुछ योजनाओं के तहत राज्य को पैसा जारी करने से रोकने के लिए केंद्र के खिलाफ यहां प्रदर्शन किया।

सुवेंदु कहा कि तृणमूल कांग्रेस एक राष्ट्रीय पार्टी हुआ करती थी लेकिन अब वह एक क्षेत्रीय पार्टी है जो पश्चिम बंगाल में तेजी से अपना आधार खो रही है। उन्होंने कहा कि हर मुद्दे पर राजनीति करना और केंद्र में सत्ता का सपना देखना तृणमूल कांग्रेस की आदत बन गई है और यही कारण है कि वह 'घमंडिया' पार्टियों के धड़े में शामिल हो गई है। उन्होंने दावा किया कि ये लोग यहां एक पांच सितारा होटल में रह रहे हैं और नाटक कर रहे हैं। अधिकारी ने कहा कि मनरेगा योजना के तहत एक करोड़ से अधिक जॉब कार्ड विभिन्न कारणों से हटा दिए गए और दावा किया कि सत्तारूढ़ पार्टी के भ्रष्ट पदाधिकारियों और सरकारी अधिकारियों ने हजारों करोड़ रुपये हड़प लिए। अधिकारी ने कहा, जिस तरह से कल उन्होंने (टीएमसी) ने राजघाट समिति या दिल्ली पुलिस से अनुमति लिए बिना गांधी जयंती पर राजघाट पर व्यवहार करने की कोशिश की..दो-तीन घंटे तक उन लोगों को परेशान किया जो गांधी को श्रद्धांजलि देने के लिए देशभर से आ रहे थे..यह गुंडों की पार्टी है।

यह आई.एन.डी.आई.ए का हिस्सा है और इसके तीन एजेंडे हैं- वंशवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण। वे विकास के काम नहीं कर सके। भाजपा नेता ने कहा, लोकसभा चुनाव से पहले पश्चिम बंगाल में अपने खिसकते जन समर्थन को फिर से हासिल करने के लिए यह एक राजनीतिक अभियान है। यह पार्टी का एक झूठा, मनढंत राजनीतिक अभियान है।

दिल्ली-एनसीआर में भूकंप के तेज झटके, कुछ सेकंड तक कांपती रही धरती; 6.2 मापी गई तीव्रता

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए गए हैं। मंगलवार दोपहर को 2.51 पर आए भूकंप के झटकों के बाद दहशत में लोग दफ्तर और घरों से बाहर निकल गए। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मॉलोजी के मुताबिक, भूकंप की तीव्रता 6.2 मापी गई। जिसका केंद्र नेपाल के दिपायल से 38 किलोमीटर दूर जमीन से पांच किलोमीटर गहराई में था। झटके यूपी-दिल्ली समेत कई राज्यों में महसूस किए गए। इससे पहले दोपहर 2 बजकर 25 मिनट पर भी भूकंप के झटके महसूस हुए थे। इसका केंद्र भी नेपाल था। उस वक्त इसकी तीव्रता 4.6 मापी गई थी। इसके झटके उत्तराखंड और यूपी के कुछ हिस्सों में महसूस किए गए थे। अचानक ही धरती कांपने से लोग दहशत में आ गए। श्रावस्ती में 2:51 पर भूकंप के झटके महसूस हुए हैं। दो बार तेज झटके महसूस हुए। भूकंप की तीव्रता 4.6 रही। उत्तर भारत के कई राज्यों में भूकंप के झटके महसूस किए गए। दिल्ली के अलावा गाजियाबाद, नोएडा और फरीदाबाद में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। नोएडा में आए भूकंप के तेज झटकों के बाद कई सोसायटी में लोग बाहर निकल आए। भूकंप आने के बाद सोसाइटी के बाहर निकले लोगों में दहशत का माहौल नजर आया। नोएडा के सेक्टर 73 की सोसायटी में लोग बाहर निकल आए। दिल्ली एनसीआर में भूकंप के झटके इतने तेज थे कि सोसायटी में रह रहे लोग अपने बच्चों को लेकर बाहर परिसर में आ गए। पृथ्वी के अंदर 7 प्लेट्स हैं, जो लगातार घूमती रहती हैं। जहां ये प्लेट्स ज्यादा टकराती हैं, वह जोन फॉल्ट लाइन कहलाता है। बार-बार टकराने से प्लेट्स के कोने मुड़ते हैं। जब ज्यादा दबाव बनता है तो प्लेट्स टूटने लगती हैं। नीचे की ऊर्जा बाहर आने का रास्ता खोजती हैं और डिस्टर्बेंस के बाद भूकंप आता है। भूकंप का केंद्र उस स्थान को कहते हैं जिसके ठीक नीचे प्लेटों में हलचल से भूगर्भीय ऊर्जा निकलती है। इस स्थान पर भूकंप का कंपन ज्यादा होता है। कंपन की आवृत्ति ज्यों-ज्यों दूर होती जाती हैं, इसका प्रभाव कम होता जाता है।

देवरिया हत्याकांडः सत्य प्रकाश दुबे के बेटे से मिलने पहुंचे सीएम योगी, सवाल पूछते ही फफक कर रोने लगा मासूम

गोरखपुर। बीआरडी मेडिकल कालेज के ट्रामा सेंटर के सर्जरी वार्ड में भर्ती अनमोल दुबे (10) से मुलाकात कर मुख्यमंत्री ने उसे हौसला दिया। सोमवार सुबह पिता सत्यप्रकाश दुबे सहित पूरे परिवार की हत्या देखने वाले इस मासूम को रुद्रपुर पुलिस ने यहां मरणासन्न हालत में भर्ती कराया था। गहरा मानसिक आघात लगने से वह डरा हुआ है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नाम पूछा तो उसने अनमोल बताया और रोने लगा। मुख्यमंत्री ने कहा, घबराओ मत इलाज हो रहा है। मुख्यमंत्री ने उपचार में लगे चिकित्सकों से बच्चे के स्वास्थ्य में सुधार के बारे में जानकारी ली। सोमवार की शाम आठ बजे आइसीयू के बेड नंबर आठ पर शिफ्ट हुआ अनमोल अभी यहीं भर्ती है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज बीआरडी मेडिकल कॉलेज पहुंचे थे, जहां उन्होंने संचारी रोग नियंत्रण व दस्तक अभियान का शुभारंभ किया। सीएम योगी ने देवरिया में हुई घटना में घायल बच्चे के अलावा डेंगू, मलेरिया से पीड़ित लोगों का हाल चाल भी लिया।

मंत्री संजीव बालियान का समर्थनः राजभर बोले- यूपी बड़ा प्रदेश, चार भागों में हो बंटवारा

बलिया। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) प्रमुख ओमप्रकाश राजभर ने भाजपा सांसद संजीव बालियान के उस बयान का समर्थन किया है जिसमें पश्चिमी यूपी को अलग प्रदेश बनाने की मांग की है। बलिया स्थित पार्टी कार्यालय में मीडिया से बातचीत में कहा कि पहले भी पूर्वांचल, बुंदेलखंड और हरित प्रदेश की मांग उठती रही है। उत्तर प्रदेश बड़ा प्रदेश है। हम इसके चार भागों में बंटवारे के पक्षधर हैं।

बिहार में हुई जातीय जनगणना पर सुभासपा प्रमुख ने कहा हमें इसमें दो चीजें देखने को मिली हैं। इसमें 36 फीसदी आंकड़ा अति पिछड़ी का है। सामाजिक न्याय की दुहाई देने वाले लालू प्रसाद यादव और नितीश कुमार ने 36 फीसदी के साथ भेदभाव किया। इन लोगों ने 36 फीसदी को सामाजिक न्याय के दायरे में लाकर आज तक मुख्यमंत्री की कुर्सी तक नहीं पहुंचाया। आठ बार नीतीश कुमार, दो बार लालू यादव और उनकी पत्नी भी मुख्यमंत्री रही हैं। ये सामाजिक न्याय नहीं होता है। मैं बिहार के 26 जिले में घूमा हूं। वहां बड़ी संख्या में राजभर हैं। 15 से 12 हजार की संख्या में एकत्र होते हैं।

जातिगत जनगणना में इनका आंकड़ा प्रतिशत में भी नहीं आया है। इससे स्पष्ट है कि जो जातियां राजनीति में हैं उनकी तो गिनती अच्छे से हो गई। सुभासपा प्रमुख ने कहा कि जो राजनीति में नहीं हैं उनकी गणना किसी से पूछ कर लिख दी गई है। बिहार में राजभरों के साथ अन्याय हुआ है। जनगणना में त्रुटि हुई है। ओमप्रकाश राजभर ने मुसलमानों के भाजपा के साथ आने पर कहा कि सपा, बसपा, कांग्रेस ने बीजेपी के खिलाफ मुसलमानों में नफरत भरी है। भाजपा ने आयुष्मान कार्ड, निःशुल्क राशन, किसान सम्मानि निधि सभी योजनाओं का लाभ दिया है। ये लाभ किसी की जाति और धर्म पूछ कर नहीं दिया गया है।

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में बड़ा पेंशन घोटाला!

कुलपति व रजिस्टार झाड़ रहे पल्ला, कार्य परिषद की बैठक में शासन की मंशा के विपरित लिया गया निर्णय

प्रखर वाराणसी। वाराणसी के महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में एक बड़ा मामला सामने आया है। सरकार की मंशा और नियमों को ताक पर रखकर दर्जनों कर्मियों को अवैध तरीके से पेंशन का लाभ दिया गया है। इसके लिए शासन स्तर से कोई आदेश नहीं है। साथ ही उच्च शिक्षा विभाग से भी कोई आदेश नहीं दिया गया है। लेकिन विद्यापीठ शासन के द्वारा इन लोगों को अवैध तरीके से पेंशन देने का मामला सामने आया है। गौरतलब है कि 1998 से कुल 45 लोग अलग - अलग विभागों में अनियमित तौर पर कार्यरत है, तथा कुछ लोग अब सेवानिवृत भी हो गए हैं। इस सभी 45 लोगों को 2017 में समायोजित करने का शासन द्वारा निर्देश दिया गया। जिसमें कहा गया कि इन लोगों को समायोजित करते हुए विद्यापीठ स्वयं के कोष से उनके वेतन का भुगतान करेगा। लेकिन इन्हें 2017 के पूर्व का ना ही वेतन का लाभ मिलेगा ना ही कोई एरियर दिया जाए। इस आदेश के बाद यह लोग लगातार पूर्व के वेतन व एरियर की मांग करते रहे लेकिन उक्त समय के कुलपति व रजिस्टार उनकी मांग पर कोई आदेश नहीं दिए। सूत्र बताते हैं कि यह लोग अपने मामले को लेकर उच्च न्यायालय में भी गए थे, जहां पर सिंगल बेंच के अलावा डबल बेंच ने भी इनके मामले को रद्द कर दिया था।

लेकिन मौजूदा कुलपति के नेतृत्व में विद्यापीठ कार्य परिषद की बैठक में इनको पेंशन का लाभ देने का निर्णय लिया गया और इसे स्वीकृति भी दे दी गई, जो की शासन की मंशा के विपरीत है। लेकर ऊपर के अधिकारियों से मिली भगत कर इन्हें पेंशन का लाभ दे दिया गया। सवाल ये है कि शासन के पत्र में बैकडेटिंग का लाभ दिये जाने एवं पेंशन हेतु एन०पी०एस० की कटौती को जी०पी०एफ० में स्थानान्तरित करने की स्वीकृति प्रदान करने संबंधी कहीं जिक्र ही नहीं है, तो फिर यह निर्णय किस आधार पर लिया गया है। इसके अलावा यह भी जानकारी निकल कर सामने

आ रही है कि 2017 में तत्कालीन कुलपति डॉ. पी. नाग के कार्यकाल में भी कर्मचारियों ने यही मांग उठाई थी लेकिन डॉ० पी.नाग ने उक्त वर्णित पत्र को दिखाते हुए कहा कि यदि इसमें बैक डेट से सेवा जोड़ने एवम पेंशन प्रदान करने हेतु निर्देश कहीं है । उनकी मांग को कुलपति द्वारा सिरे से नकार दिया गया था। प्रोफेसर नाग के बाद कुलपति बने प्रोफेसर टी एन सिंह ने भी कर्मचारियों की यह मांग अस्वीकृत कर दी थी। संबंधित फाइल पर डॉ. पी.नाग एवम प्रो0 टी. एन० सिंह दोनों पूर्व कुलपतियों की असहमति भी दर्ज है। लेकिन वर्तमान कुलपति द्वारा किस आधार पर यह निर्णय लिया गया यह भी बड़े सवाल खड़े कर रहा है? बताते चले कि कुलपति ही कार्य परिषद के अध्यक्ष होते हैं। उन्हीं के हस्ताक्षर के बाद ही कोई भी पत्र आगे शासन में भेजा जाता है। उक्त मामले में वर्तमान कुलपति का कहना है कि यह जो 45 लोग के पेंशन का आदेश 2017 के आदेश पर नहीं हुआ होगा, किसी और आदेश पर हुआ होगा। ज्यादा जानकारी रजिस्ट्रार के पास होगी। 2017 के समायोजन का मामला मेरे समय का है और मेरे संज्ञान में है। यह शायद कोई शासन द्वारा पुराना समायोजन का आदेश होगा, उसके तहत हुआ होगा। उक्त मामले में जब विद्यापीठ की रजिस्टर से बात की गई तो उन्होंने कहा कि यह लोग 1998 से कार्यरत हैं, 2006 में इनका समायोजन हुआ था, लेकिन किन्हीं कारणों से इनका समायोजन रद्द हो गया और वो 2017 में जाकर बहाल हुआ। इनमें से कुछ लोगों का 2006 से जीपीएफ भी कटा। कार्य परिषद की बैठक में यह निर्णय लिया गया कि यह लोग 1998 से कार्यरत है और 2006 से इनका जीपीएफ भी कट रहा है लेकिन इनका समायोजन 2017 में बहाल हुआ इसके मद्देनजर कार्य परिषद में निर्णय लिया गया कि इन्हें बैक डेटिंग का लाभ देते हुए, पेंशन की संतुष्टि की जाए। इन्हें बैक डेटिंग के लिए सिर्फ पेंशन का लाभ दिया जाए, इसके अलावा ना वेतन और ना ही कोई एरियर दिया जाने का निर्णय हुआ। शासन के आदेश में समायोजन से अलावा ऐसा कोई निर्णय नहीं था। इसमें सिर्फ समायोजन करने का आदेश था। आगे रजिस्टार ने कहा कि यह मामला मेरे आने से पहले का है इसलिए विस्तृत जानकारी मुझे नहीं है। फाइल देखने के बाद ही पता चलेगा कि पूरा मामला क्या है? टेलिफोनिक वार्ता में कुलपति व रजिस्टार की बातों में काफी भिन्नता थी। इससे साफ जाहिर होता है कि कुछ ना कुछ गड़बड़ झाला है। फोन पर दोनों लोग गोल मटोल बातें करते रहे। अब देखना यह है कि उक्त मामले में उच्च अधिकारियों द्वारा क्या कार्रवाई की जाती है?

मायावती की मांग, केंद्र व यूपी की सरकार भी कराए जातीय जनगणना

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि बिहार सरकार द्वारा कराए गए जातीय जनगणना के आंकड़े सार्वजनिक होने की खबरें सुर्खियों में है तथा उस पर गहन चचाएं जारी हैं। कुछ पार्टियां इससे असहज जरूर हैं किन्तु बसपा के लिए ओबीसी के संवैधानिक हक के लम्बे संघर्ष की यह पहली सीढ़ी है। उन्होंने कहा कि बसपा को प्रसन्नता है कि देश की राजनीति उपेक्षित 'बहुजन समाज' के पक्ष में इस कारण नई करवट ले रही है जिसका नतीजा है कि एससी-एसटी आरक्षण को निष्क्रिय व निष्प्रभावी बनाने तथा घोर ओबीसी व मण्डल विरोधी जातिवादी एवं सांप्रदायिक दल भी अपने भविष्य के प्रति चिंतित नजर आने लगे हैं तो यूपी सरकार को अब अपनी नीयत व नीति में जन भावना व जन अपेक्षा के अनुसार सुधार करके जातीय जनगणना एवं सर्वे अविलम्ब शुरू करा देना चाहिए। इसका सही समाधान तभी होगा जब केन्द्र सरकार राष्ट्रीय स्तर पर जातीय जनगणना कराकर उन्हें उनका वाजिब हक देना सुनिश्चित करेगी।

संपादकीय

जनप्रतिनिधि की कसौटी, जमीनी स्तर पर लागू होती नहीं दिखतीं चुनाव आयोग की घोषणाएं

लोकतंत्र को वास्तव में जमीन पर उतारने के संदर्भ में लंबे वक्त से यह बहस चलती रही है कि राजनीति को अपराधीकरण से मुक्त करने के लिए क्या किया जा रहा है। ऐसा कोई राजनीतिक दल नहीं है, जो लोकतांत्रिक ढांचे में आपराधिक छवि के लोगों के जगह बनाने का समर्थन करता हो। लेकिन विचित्र यह है कि अमूमन सभी पार्टियां चुनाव के वक्त सिर्फ इस बात का ध्यान रखती हैं कि किसी सीट पर उन्हें ही जीत मिले, भले ही उसके लिए उन्हें किसी दागी या आपराधिक पृष्ठभूमि के व्यक्ति को टिकट देना पड़े। यह बेवजह नहीं है कि आज भी देश की विधायिका में एक खासी तादाद वैसे लोगों की है, जो किसी अपराध के आरोपी रहे हैं, लेकिन अब वे जनप्रतिनिधि के रूप में लोकसभा या फिर किसी विधानसभा में मौजूद हैं। सवाल है कि पिछले कई दशक से राजनीतिक हलकों से लेकर अदालतों तक में आपराधिक पृष्ठभूमि वालों के चुनाव लड़ने पर उठने वाली आपत्तियों के बावजूद आज भी संसद या विधानसभाओं के लिए ऐसे लोगों की उम्मीदवारी पर रोक क्यों नहीं लगाई जा सकी है! इस मसले पर चुनाव आयोग की ओर से अक्सर कई स्तर पर हिदायतें दी जाती रही हैं। नामांकन के वक्त निर्धारित प्रपत्र में उम्मीदवारों की ओर से अपने अतीत का ब्योरा दर्ज कराया जाता है, जिसमें अपने आपराधिक रिकार्ड या खुद पर आरोप होने के बारे में भी बताया जाता है। इसके अलावा, चुनाव आयोग उम्मीदवारों से अपने ऊपर आपराधिक मामले सार्वजनिक रूप से जाहिर करने के लिए कहता है, जिसमें इससे संबंधित विज्ञापन देना भी शामिल है। इसी क्रम में राजस्थान विधानसभा के लिए होने वाले चुनावों की व्यवस्था के मद्देनजर रविवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि उम्मीदवारों को अखबारों में विज्ञापन देकर अपने आपराधिक रिकार्ड की स्पष्ट जानकारी देनी होगी। साथ ही राजनीतिक दलों को भी यह कारण बताना होगा कि पार्टी ने उस व्यक्ति को उम्मीदवार के तौर पर क्यों चुना है। यानी अगर मतदाताओं के सामने उम्मीदवारों के अतीत और चाल-चरित्र आदि के बारे में पूरी जानकारी होगी, तो वे अपने मत की कीमत समझते हुए आपराधिक छवि के लोगों को वोट नहीं देंगे। निश्चित रूप से चुनाव आयोग की मंशा राजनीति और लोकतंत्र को अपराध की छाया से मुक्त करने की है। लेकिन देश भर में पिछले कई चुनावों के मौके पर ऐसी ही घोषणाओं के बावजूद अब तक इस तस्वीर में क्या फर्क आ सका है? हालत यह है कि एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्म्स की हाल की एक रपट के मुताबिक, चालीस फीसद मौजूदा सांसदों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें पच्चीस फीसद गंभीर अपराध से जुड़े हैं। आखिर क्या वजह है कि चुनाव आयोग की बार-बार की घोषणाएं जमीनी स्तर पर लागू होती नहीं दिखती हैं। सवाल यह भी है कि अगर आयोग की ओर से उम्मीदवारों को विज्ञापन देकर अपने अपराधों के बारे में बताने का निर्देश दिया जा रहा है तो क्या यह प्रकारांतर से राजनीति के अपराधीकरण को स्वीकृति देना है? ऐसे नियम क्यों नहीं बनाए जाते, जिसके तहत आपराधिक पृष्ठभूमि के लोगों के चुनाव लड़ने पर रोक हो और मतदाताओं के सामने आपराधिक छवि के उम्मीदवारों का विकल्प खत्म हो जाए? केवल अच्छी मंशा से किसी नियम की घोषणा करने से राजनीति में अपराधीकरण का जोर कम नहीं होगा। बल्कि लोकतंत्र को आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों से बचाने के लिए ईमानदार और स्पष्ट इच्छाशक्ति के साथ नियमों को लागू करने की जरूरत है।

सो रहा है तंत्र !

नरसंहार हो रहे ।
सो रहा है तंत्र ।।
कसने की लगाम पर ।
दिया गया है मंत्र ।।
ये कैसा है अत्याचार ।
लील रहे वो जान ।।
अबला और मासूमों पर ।
टूट पड़े शैतान ।।
मानवता है शर्मसार ।
ये कैसे कर डाला ?
भनक उनको ना लगी ।
जो बनते रखवाला ।।
बंद न होतीं घटनाएं ।
होता ना सुधार ।।
ना बतलाता कोई ।
हो कैसे उपचार ?

–कृष्णेन्द्र राय

मोबाइल और सोशल मीडिया के प्रयोग से हो रहा युवाओं का विनाश

इंटरनेट व सोशल मीडिया के उपयोगकताओं की बढ़ती संख्या के साथ-साथ उसकी लत क के शिकार लोगों की संख्या भी बढ़ती जा रही है। जिनमें बच्चों व किशोरी की संख्या बड़ी चढ़ी है। कोविद काल की विकट स्थिति को पार करने मे निर्णायक भूमिका निभाई थी, लेकिन इसकी लत से जुड़ा चिंताजनक पहलू भी अब सामने आ रहा है, आज इंटरनेट और सोशल मीडिया की लत शहरों से निकलकर कस्बों और गांव तक पहुंच चुकी है। पिछले 5 वर्षों में डिजिटल माध्यम पर हुए एक शोध अध्ययन के अनुसार हर वर्ष 20 से 25% डिजिटल उपयोगकर्ता बढ़े हैं। वर्ष 2015 में ग्रामीण क्षेत्रों में केवल 9% जनसंख्या इंटरनेट का उपयोग कर रही थी, जो वर्ष 2018 में 25% तक पहुंच गए। आज इनकी संख्या 56% बताई जा रही है।

एक आकलन के अनुसार वर्ष 2026 तक देश में इंटरनेट के उपयोगकताओं की संख्या एक अरब पार हो जाएगी। निम्हांस के अनुसार बच्चों को मोबाइल औसतन 10 वर्ष की आयु में मिलता है इसमें से 12 वर्ष की आयु तक 50% बच्चे सोशल मीडिया का उपयोग करने लग जाते हैं। हर सप्ताह देश भर में मानो चिकित्सकों के पास सोशल मीडिया की लत से परेशान औसत 10 ऐसे मामले आते हैं जो 12 वर्ष से कम आयु के हैं। इस तरह शहरों में जहां स्मार्टफोन केंद्र के रूप में डी एडिक्शन सेंटर खुल रहे हैं, वही गांवों में भी इसकी आवश्यकता अनुभव हो रही है। समस्या की विकरलता को देखते हुए विशेषज्ञों का तो यहां तक मानना है कि प्रत्येक जिले में इंटरनेट नशा मुक्ति केंद्र खुलने की आवश्यकता है, जहां मात्र इंटरनेट बल्कि सभी डिजिटल प्लेटफॉर्म को लेकर परामर्श निगरानी और उपचार की सुविधा उपलब्ध हो सके साथ ही हर जिले के सटीक आंकड़े प्राप्त हो सकें। विशेषज्ञों के अनुसार इन घटनाओं में ऑनलाइन गेम, सोशल मीडिया व इंटरनेट पर घंटों उलझे रहने से बच्चों व किशोर में हिंसक व्यवहार पनप रहा है, अध्ययन के अनुसार

सोशल मीडिया पर सक्रिय 10 में से तीन बच्चे अवसाद, तनाव, चिंता के साथ चिड़चिड़ापन के शिकार हैं।

किसी का मन पढ़ाई में नहीं लगता तो कुछ बिना फोन के भजन तक नहीं कर पाते। देश में 73% बच्चे मोबाइल का उपयोग करते हैं इनमें से 30% मनो रोग से पीड़ित हैं। साथ ही लड़कियां साइबर बुलिंग का शिकार होकर अवसाद ग्रस्त हो रही हैं दिल्ली एम्स में हर शनिवार संचालित क्लीनिक में साइबर बुलिंग के मामले आ रहे हैं। इनमें अधिकांश कॉलेज में पढ़ने वाली छात्राएं हैं। मोबाइल का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव यह है कि यदि कोई स्क्रीन के सामने लंबे समय तक चिपका रहता है तो यह एक बड़ा लक्षण है साथ में पढ़ाई या किसी काम में मन न लगना कार्य क्षमता का घटना, चिड़चिड़ापन, नींद ना आना, संयम व धैर्य खोना, बात-बात पर गुस्सा आना आदि। इस लत में चिंताजनक लक्षण है जिनके पाए जाने पर सचेत होने की आवश्यकता है, अध्ययन के अनुसार 6 में से एक सोशल मीडिया का उपयोग करता किसी न किसी रोग से ग्रस्त होता है। इनमें अवसाद, चिंता के अतिरिक्त उच्च रक्तचाप, एनीमिया, मोटापा, मधुमेह जैसे रोग हो सकते हैं। लत लग जाने के बाद विशेषज्ञ कहते हैं कि बच्चों को किशोर को अवसाद से बाहर निकालने के लिए प्रारंभिक दौर में दवावों की बहुत कम आवश्यकता पड़ती है, अधिकांश मामले उचित परामर्श काउंसलिंग के आधार पर ठीक हो जाते हैं।

इस तरह यहां अभिभावकों की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है मनोरोग विशेषज्ञ कहते हैं कि जो बच्चे दिन में चार से 6 घंटे तक ऑनलाइन रह रहे हैं उनमें समय रहते लक्षण पहचाना आवश्यक है, लेकिन अभिभावकों को उन पर अधिक प्रयोग करने की आवश्यकता नहीं है। इस दुष्प्रचार को सामाजिक बदलाव से ही रोका जा सकता है परिवार में साथ रहने वह बच्चों को समय देने पर ही एक दूसरे को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं वह प्रभावी रूप में सहायता कर सकते हैं। अभिभावकों को जागरूक होने के साथ-साथ इंटरनेट की समझ भी विकसित करनी होगी, उन्हें पता तो चले कि हमारा बच्चा किस तरह की सोशल मीडिया पर बदलाव कर रहा है। इस तरह स्मार्टफोन के बढ़ते उपयोग और इससे जुड़ी समस्याओं को लेकर व्यापक स्तर पर जागरूकता समय की मांग है। अपने परिवार के बच्चों, किशोरों एवं युवाओं की ऑनलाइन आदतों पर ध्यान देने की आवश्यकता है। इससे भी महत्वपूर्ण है स्वयं का सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत करने का जिससे परामर्श का अपेक्षित प्रभाव पड़ सके।

आलोक प्रताप सिंह

भारत-अमेरिका रिश्तों में बेहतरीन केमिस्ट्री

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर जिस तेजी के साथ माहौल बदल रहा है, गरीब देश विकासशील और विकासशील देश विकसित देश की श्रेणी की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं, सफलताओं के नए-नए आयामों को अंजाम दे रहे हैं, अविश्वसनीय सफलताएं अर्जित कर रहे हैं, वैश्विक मंचों पर दमदार रोबदार स्थान प्राप्त कर रहे हैं, ग्लोबल साउथ जैसे मंचों पर जिस तरह काम कर रहे हैं, उससे अब कहा जा सकता है कि इन देशों की योग्यता को कम आकलन करना मुनासिब नहीं होगा, इसका उदाहरण अफ्रीकी संघ का जी20 में शामिल होना, भारत का चंद्रयान-3, सूर्ययान इत्यादि में सफलताएं और जी-20 में दिल्ली घोषणा पत्र के रूप में उपलब्धि इनमें सबसे ताजा उदाहरण हैं जो यहसिद्ध करता है कि आज हर देश को एक दूसरे का साथ लेना समय की जरूरत बन गया है। रणनीतिक साझेदारी,फ्री ट्रेड एग्रीमेंट और कूटनीति आयात निर्यात नीति से विकास की उड़ान में मजबूत पंख लग जाते हैं, जिससे आपसी तालमेल में हर देश का विकास होता है,जिसका परिणाम मजबूत अर्थव्यवस्था बन जाती है और आम नागरिकों का जीवन स्तर खुशहाली में परिवर्तन होने लगता है जिससे वह देश विकसित राष्ट्र बनाकर दुनियां के सामने खड़ा होकरअन्य राष्ट्रों के लिए एक उदाहरण और प्रेरणा बनकर उभरता है। भारत भी इसी प्रकार की नीति पर चल पड़ा है जिससे अनेक देशों के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर बात चल रही है, जिसमें सबसे बढ़ी रणनीतिक साझेदारी अमेरिका से बनकर उभरी है, उसपर भी सोने पर सुहागा भारतिया पीएम की ऑफिशियल अमेरिका यात्रा और अमेरिकी राष्ट्रपति की जी20 में भारत यात्रा और अब भारतीय विदेशमंत्री की 22 सितंबर 2023 से 10 दिन की अमेरिका यात्रा जहां 26 सितंबर 2023 को यूएनएससी के 78 वें सत्र को संबोधित किया,और 27 सितंबर 2023 को वॉशिंगटन डीसी में अमेरिका विदेशमंत्री सहित प्रमुख लोगों से बातचीत की है जिससे भारतअमेरिका रिश्तों की एक बेहतरीन केमिस्ट्री उभर करसामने आ रही है इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, बदलते वैश्विक परिपेक्ष में भारत अमेरिका एक दूसरे की जरूरत है, दोनों का साथ एक और एकग्यारह की बात होना तय है। साथियों बात अगर हम अमेरिकी दौरे पर भारतीय विदेश मंत्री द्वारा एक कार्यक्रम में संबोधन की करें तो,उन्होंने कहा दोनों देशों के

बीच अच्छी केमिस्ट्री है।हर तरह से यह रिश्ता अपेक्षाओं से बढ़कर रहा है। इसे परिभाषित करना अब मुश्किल हो गया है। अब भारत अमेरिका के रिश्ते चंद्रयान की तरह नई ऊंचाइयों तक जाएंगे।उन्होंने ये बात वॉशिंगटन के इंडिया हाउस में सेलिब्रेटिंग कलर्स ऑफ फ्रेंजशिप कार्यक्रम में भारतीय समुदाय के लोगों को संबोधित करते हुए कही। नए भारत का प्रतिनिधित्व कर रहा हूं, वो भारत जिसने चंद्रयान मिशन सक्सेसफुल किया, जी-20 समिट के दौरान 20 देशों को एक टेबल पर लाया और उसे भीसक्सेसफुल बनाया। आज जो भारत आप सब देख रहे हो इसे बनने में 12 साल की मेहनत लगी है।जियो पॉलिटिकल सिचुएशन के वजह से भारत और अमेरिका एक दूसरे को सबसे अच्छे और भरोसेमंद साथी के तरह देखते हैं। विदेश मंत्री ने भारतीय समयानुसार 12 सितंबरको देररातअमेरिका के विदेश मंत्री के साथ मीटिंग के वक्त खालिस्तानी आतंकी निज्जर की हत्या का मुद्दा उठाया था। रॉयटर्स के मुताबिक, एक अमेरिकी अधिकारी ने इस बात की पुष्टि की।अधिकारी ने बताया, विदेश मंत्री ने भारत सरकार से मामले की जांच में सहयोग करने के लिए कहा है। भारतीय विदेश मंत्री का कहना है कि दोनों देशों के रिश्तों को परिभाषित करना मुश्किल है। उन्होंने कहा-लगातार बदलते वैश्विक माहौल में भरोसेमंद पार्टनर मिलना आसान नहीं है। लेकिन अमेरिका और भारत के रिश्ते इनसे परे हैं।

साथियों बात अगर हम विदेश मंत्री द्वारा अपने अमेरिकी दौरों के जिक्र करने की करें तो, उन्होंने कलर्स ऑफ इंडिया इवेंट में बताया कि वह किन-किन प्रमुख मौकों पर अमेरिका में मौजूद रहे हैं, लोगों को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 1985 की अमेरिका यात्रा याद है, उस वक्त मैं यहीं था।लोगों को पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह की 2005 की यात्रा भी याद है, जब परमाणु समझौता हुआ था। उस वक्त भी मैं यहीं था। उन्होंने बताया कि लोगों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा भी याद है, लेकिन मैं इस यात्रा को लेकर कहना चाहता हूं कि ये बेहद अलग थी। अगर आप मुझसे पूछेंगे कि इस यात्रा से क्या बदला है, तो मैं आपको बताना चाहता हूं कि पहले भारत-अमेरिका को एक-दूसरे से निपटना पड़ता था, मगर अब वे एक-दूसरे के साथ काम कर रहे हैं। साथियों बात अगर हम विदेश मंत्री द्वारा भारत अमेरिका रिश्तों के जिक्र की करें तो, उन्होंने कहा कि सच में आज मेरे लिए इस पर कोई सीमा लगाना या इसे परिभाषित करना, यहां तक कि इसे लेकर अपेक्षाओंको व्यक्त करना भीकठिन लगता है।आज हर तरह से ये रिश्ता उम्मीदों से कहीं बढ़कर है। यही वजह है कि आज हम इसे परिभाषित करने का प्रयास भी नहीं करते हैं।

गाँधी जयंती पर स्वच्छता जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। महात्मा गांधी की जयंती एवं स्वच्छता दिवस पर केंद्रीय संचार ब्यूरो,सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, वाराणसी द्वारा आदर्श बाल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, ककरमत्ता, वाराणसी में गोष्टी, स्वच्छता रैली प्रश्नोतरी प्रतियोगिता और नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया कार्यक्रम के शुभारम्भ में राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी और पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गयी कार्यक्रम पर प्रकाश डालते हुए क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी, डॉ. लालजी ने कहा राष्ट्र पिता महात्मा गाँधी और पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री की जयंती है सत्य, अहिंसा और प्रेम के पुजारी गाँधी जी और सादगी के प्रतीक शास्त्री के बताए रास्ते पर चल कर ही हम एक सशक्त और समबृद्धशाली भारत का निर्माण कर सकते है गाँधी जी ने एक स्वच्छ एवं विकसित देश की कल्पना की थी ' प्रधानमंत्री जी द्वारा नौ वर्ष पूर्व शुरू किया गया स्वच्छ भारत मिशन गाँधी जी के सपने को साकार कर रहा है आज का दिन स्वच्छता दिवस के रूप में मनाया जा रहा है प्रधानाचार्य कैलाश सिंह ने कहा की आज स्वच्छता की जो शपथ आप लोगों ने लिया है उसका पालन करिये,स्वच्छता और स्वास्थ्य का गहरा संबध है गंदगी से बीमारियां फैलती हैं कार्यक्रम के दौरान दिशा क्रिएशन वाराणसी द्वारा नुक्कड़ नाटक व गीत के माध्यम से स्वच्छता के बारे मेंजागरूक किया कार्यक्रम में क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी डॉ लालजी द्वारा प्रश्नोत्तरी कर दस विजेता मीनाक्षी, रितिका, इस्बा परवीन, तन्न कुमारी, रंजना पटेल, युवराज, सोनी, काजल सत्यनारायण और जूही रावत को पुरस्कृत किया गया कार्यक्रम में प्रियंका सोनकर, आशा यादव, राजरानी मौर्या, सौरभ गुप्ता, शैलेन्द्र कुमार, अरुण वर्मा और ओमप्रकाश राजभर सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

लहुरियादह, डेंगू, सड़क व पुलिस उत्पीड़न को लेकर सपा ने भरी हुंकार

प्रखर मिजार्पुर। भैसोड़ बलाय पहाड़ के लहुरियादह गॉव में पाइप लाइन से पीने का पानी जा रहे पाइप लाइन को जेसीबी से तोड़ने का विरोध व डेगूं के रोज मिल रहे मरीजो के इलाज की समुचित व्यवस्था दवा व फागिग की व्यवस्था एवं सबरी से लेकर पुतली घर तक क्षतिग्रस्त सड़क को बनवाने की मॉग, जमालपुर थाना पुलिस ने फर्जी मामले में फंसाने का विरोध को लेकर समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी के नेतृत्व में जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक को सम्बोधित चार सूत्रीय मॉग पत्र सौपकर कार्यवाही की मॉग की है। जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी ने दोनो अधिकारियों से मिलकर लहुरियादह गॉव की पाइप लाइन को ठीक कराने की बात कही है। कहा कि डेगू के कारण जनपद में सैकड़ो लोग अस्पताल के इलाहाबाद व वाराणसी में इलाज करा रहे है। डेंगू के आ रहे मरीजो की इलाज के लिए समुचित व्यवस्था अस्तपाल में कराई जाय। उन्होने कहा कि जमालपुर की पुलिस रामफल को फर्जी मामले में फंसाना चाहती है। श्री चौधरी ने लगे हाथ भाजपा सरकार पर हमलावर होते हुए कहा कि इस सरकार में लोगो को न्याय नहीं मिल रहा है। ऐसी सरकार को उखाड़ फेकने के लिए जनता तैयार बैठी है। आने वाले 2024 के लोकसभा चुनाव में हटाकर ही दम लेगी।

कृषि विज्ञान केंद्र, अंकुशपुर में 21 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ

प्रखर गाजीपुर। आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रोद्योगिक विश्वविद्यालय कुमारगंज अयोध्या द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र, अंकुशपुर, गाजीपुर में मशरूम उत्पादन तकनिकी एवं प्रबन्ध विषय पर २१ दिवसीय व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में १५ कृषक पुरुष एवं महिलाओ ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. जे पी सिंह ने कहा कि मशरूम उत्पादन एक लाभकारी व्यवसाय है जिसे किसान भाई एवं बहन एक अच्छी आमदनी का जरिया बना सकते है और साथ ही साथ मशरुम के फायदे के बारे में भी विस्तार से चर्चा किया। प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए डॉ. सिंह ने कहा कि आप लोग प्रशिक्षण लेकर मशरूम उत्पादन का व्यवसाय कर सकते हैं जिसकी आज के समय में बहुत मांग हैं तथा खाद्य सुरक्षा,पोषण सुरक्षा और आर्थिक सुरक्षा के बारे में विस्तार से चर्चा किया, इसके साथ यह भी बताया कि आप लोग मशरूम का बीज (स्पान) बनाकर भी इस व्यवसाय को आगे बढ़ा सकते हैं। कृषि अभियंत्रण वैज्ञानिक एवं प्रशिक्षण के मुख्य प्रशिक्षक डॉ. शशांक शेखर ने कहा कि मशरुम की खेती वर्तमान में युवाओं और महिलाओं के लिए अतिरिक्त आय के स्त्रोत के रूप में अपनाई जा रही है। मशरूम उत्पादन विषय पर प्रशिक्षण लेकर किसान एवं बेरोजगार युवा स्वरोजगार अपना कर अधिक से अधिक आमदनी प्राप्त कर सकते है। इसके अलावा डॉ. शेखर ने दैनिक जीवन में मशरूम खाना क्यों जरूरी है, और इसे खाने से क्या फायदे है इस पर भी विस्तार से चर्चा किया। डॉ. नरेंद्र प्रताप ने बताया की मशरूम की मांग दिन प्रति दिन बढ़ रही है लेकिन जनपद में उतना मशरूम उत्पादन नहीं है जितना मांग गाजीपुर एवं इसके आस पास के जनपदों में है इसीलिए यह एक बहुत ही सही समय है मशरुम उत्पादन व्यापार शुरू करने का। अगर स्थानीय किसान मशरूम की खेती को अपनाते हैं, तो इससे वह आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकते हैं। केंद्र के उद्यान वैज्ञानिक डॉ शशांक सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों को मशरूम की विभिन्न प्रजातियों जैसे बटन मशरूम, ढींगरी मशरूम, मिल्की मशरूम, शिटाके मशरूम तथा रिशी मशरूम के पौष्टिक गुणों पर विस्तार से जानकारी दी और मशरूम की खेती में कौन-कौन सी समस्याएँ आ सकती है इस पर भी विस्तार से चर्चा किया।

बेघर हो रहे पीड़ितों को न्यायालय की शरण में जाने की मिली नसीहत

प्रखर रामनगर/वाराणसी। रामनगर में सड़क चौड़ीकरण को लेकर जिला प्रशासन द्वारा लगभग चार सौ मकानों को बिना मुआवजा दिये तोड़े जाने के खिलाफ क्षेत्रीय व्यापारियों और पीड़ितों द्वारा चलाए जा रहे "मुआवजे की मांग मुहिम" का हिस्सा पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर भी बने। बरसात की रिमझिम फुहारों के बीच रामनगर के शास्त्री चौक पहुंचे पूर्व आईजी अमिताभ ठाकुर का धनंजय साहनी, पवन सौढी, गोविन्द यादव, एडवोकेट शक्ति सिंह और दीपक मौर्या ने माल्यार्पण कर स्वागत और अभिनंदन किया। फिर पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर भारत रत्न पूर्व प्रधानमन्त्री लाल बहादुर शास्त्री के पैतृक निवास स्थान पहुंचकर उन्हे श्रद्धा सुमन अर्पित करने के पश्चात पद्म विभूषित प्रख्यात समाज सेविका डा. निर्मला देश पाण्डेय के मरणोपरांत बलिया से रामनगर वाराणसी तक नशा उन्मूलन पदयात्रा कर पूर्वांचल को "नशा नाश की निशानी और अपराध की जननी है।" का संदेश देने वाले वरिष्ठ समाजसेवी कृपा शंकर यादव के साथ पीड़ितों से मिलने पहुंचे। पीड़ितों की बातों को सुन ढांढस बंधाते हुए पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर ने कहा कि जिला प्रशासन का प्रमुख अंग नगर पालिका परिषद रामनगर "जिसे वर्तमान समय में समाप्त कर दिया गया है" द्वारा पूर्व समय में इन पीड़ितों के मकानों का असिसमेंट सहित मकान नम्बर उपलब्ध कराए जाने के साथ साथ जल कर, बिजली बिल सहित अन्य प्रकार का कर लिया जाता रहा है। यहां तक कि उत्तर प्रदेश खाद्य रसद विभाग द्वारा इन पीड़ितों को राशन कार्ड सहित कुछ पीड़ितों को प्रधानमन्त्री आवास योजना का भी लाभ इन्हीं भू भागों पर प्राप्त हुआ है।

बीएचयू में एकदिवसीय दर्द निवारण कार्यशाला का हुआ सफल आयोजन

प्रखर वाराणसी। बीएचयू के पेन डिवीजन डिपार्टमेंट ऑफ एनेस्थीसिया एवं इंडियन सोसाइटी ऑफ एनेस्थीसिया वाराणसी ब्रांच के सहयोग से आज बीएचयू में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें देश के विभिन्न चिकित्सा संस्थानों से आए वरिष्ठ चिकित्सकों ने भाग लिया संजय गांधी चिकित्सा विज्ञान संस्थान लखनऊ से आए डॉक्टर संदीप एवं डॉक्टर शिशिर ने कंधे के दर्द का उपचार अल्ट्रासाउंड के माध्यम से इंजेक्शन विधि द्वारा करने के बारे में विस्तार से बताया डॉक्टर सुशील ने कमर के जटिल दर्द का निवारण इंजेक्शन द्वारा करने पर प्रकाश डाला, वही AIIMS पटना से आए डॉक्टर अजीत एवं डॉक्टर रजनीश ने घुटने का दर्द कैंसर का दर्द में इंजेक्शन के आधुनिक तकनीक से इलाज के बारे में विस्तार से बताया,अक्क्टर रायपुर से आए वरिष्ठ चिकित्सक डॉक्टर रामपाल सिंह ने इंजेक्शन द्वारा पीठ एवं पेट के दर्द, कैंसर का दर्द के निवारण के बारे में बताया डॉक्टर पंकज नेहरू शताब्दी चिकित्सालय सिंगरौली के वरिष्ठ चिकित्सक ने अल्ट्रासाउंड के माध्यम से इंजेक्शन के आधुनिक विधि के बारे में बताया देश के विभिन्न संस्थाओं से आए कनिष्ठ चिकित्सकों ने बहुत ही सरल तरीके से इसे सीखा समझा एवं फैंटम (डमी) पर प्रैक्टिस भी किया शुरूआती दौर में फैंटम (डमी) पर प्रैक्टिस काफी उपयोगी है परंतु काफी महंगा होने के कारण देश में बहुत ही कम उपलब्ध है देश से आए चिकित्सकों का साथ डॉक्टर अमृता, डॉक्टर रीना, डॉक्टर सरिता, डॉक्टर सुमित्रा ने सहयोग किया । कार्यशाला का आयोजन पेन डिवीजन के प्रोफेसर डॉक्टर शशि प्रकाश हेड आफ पेन विभाग इंचार्ज प्रोफेसर डॉक्टर अनिल पासवान एवं हेड ऑफ डिपार्टमेंट डॉक्टर आर बी सिंह एवं डॉ निमिषा ने किया, जिसमें कार्यशाला में आए चिकित्सकों का स्वागत डॉक्टर आर बी सिंह एवं धन्यवाद डॉक्टर शशि प्रकाश ने किया। इंडियन सोसाइटी ऑफ एनेस्थीसिया वाराणसी सिटी ब्रांच के अध्यक्ष वरिष्ठ गहन चिकित्सा एवं पेन विशेषज्ञ डॉक्टर मनमोहन श्याम एवं आईएमए के पूर्व अध्यक्ष डॉ अनिल ओहरी का सहयोग इस कार्य में बड़ा ही सराहनीय रहा एनेस्थीसिया डिपार्टमेंट के सारे लोगों का सहयोग काफी महत्वपूर्ण रहा खासकर शशिकांत पांडे, अनिल, सुभाष, एवं योगेंद्र जी का एवं नर्सिंग इंचार्ज एवं पोस्ट ऑपरेटिव रिकवरी रूम के स्टाफ का सहयोग बहुत ही सराहनीय रहा। सिटी ब्रांच अध्यक्ष डॉ मनमोहन श्याम ने बताया कि आगामी 16 अक्टूबर को विश्व एनेस्थीसिया दिवस के अवसर पर जन जागरूकता हेतु शहर में व्यापक अभियान चलाए जाएंगे ताकि एनेस्थीसिया विभाग की इस चमत्कारी चिकित्सा पद्धति का लाभ सभी जनमानस को प्राप्त हो और दर्द से पीड़ित मानव समाज को इसका लाभ मिल सके।

छात्राओं के साथ मारपीट एवं छेड़खानी करने वाले तीन गिरफ्तार

प्रखर केराकत जौनपुर। एक सप्ताह पूर्व नगर के मनियरा गांव में पब्लिक इंटर कालेज से पढ़कर घर लौट रही छात्राओं के साथ मनबढ़ों व मनचले किस्म के युवकों द्वारा खुलेआम छेड़खानी व मारपीट की घटना को अंजाम दिया गया था। उक्त मामले में पुलिस ने घटना के तीन आरोपियों को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया। 26 सितंबर को पब्लिक इण्टर कालेज में नित्य की भांति पठन-पाठन के लिए छात्र व छात्राएं आये थे।

लेकिन ओपीएस के तहत चाकडाउन हड़ताल के कारण छुट्टी हो गयी। जिससे छात्र छात्राएं वापस अपने घर लौटने लगे। इसी दौरान सिहौली चौराहे से मैजिक वाहन से चार पांच छात्राएं अपने घर के लिए निकली। ज्यों ही मैजिक आगे बढ़ी, सैनिक गिरजाशंकर स्कूल के पास चार पांच की संख्या में मनबढ़ों ने मैजिक रोक लिया और उसमें बैठी एक छात्रा का मोबाइल नम्बर मांगने लगा और अपना नम्बर लिखकर दे दिया। जब छात्रा ने उसका नम्बर फेंक दिया तो मनबढों ने छात्रा को मारने पीटने लगे और छेड़खानी भी की थी। छात्रा के साथ मारपीट पर मौके पर भारी भीड़ जुट गयी। भीड़ देख मनबढ़ों ने जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए थे।

घटना के बाद पीड़िता के तहरीर पर पुलिस ने दो नामजद और चार पांच अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। उसे मामले में पुलिस ने मंगलवार की दोपहर मुखबीर की सूचना पर सिधौली चौराहे से नितिन यादव पुत्र नरेंद्र यादव, सभाजीत चौहान पुत्र श्याम नारायन चौहान और अंश यादव उर्फ आकाश यादव को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष रामजन्म यादव ने बताया कि दो मुख्य आरोपियों व एक आरोपी जो कि प्रकाश में आया था उन सभी को गिरफ्तार का जेल भेज दिया है, कहा कि बेटियों की सुरक्षा के साथ खिलावाड़ करने वाले किसी असामाजिक तत्व को बख्शा नही जाएगा।

भाकपा माले कार्यकर्ताओं ने धरना और सभा के माध्यम से दिया पत्रक

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। लखीमपुर खीरी तिकोनिया में भाजपा सरकार की सुनियोजित नरसंहार में मारे गए किसानों को आज तक न्याय नहीं मिला। बुलडोजर राज और बिगड़ती कानून व्यवस्था व सेवराई तहसील में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ आज भाकपा माले कार्यकताओं ने धरना एवं सभा के माध्यम से मांग पत्र दिया। सभा को सम्बोधित करते हुए भाकपा माले केन्द्रीय कमेटी सदस्य कामरेड ईश्वरी प्रसाद कुशवाहा ने कहा कि दिल्ली के एतिहासिक किसान आन्दोलन के दौरान भाजपा सरकार ने लखीमपुर खीरी के तिकोनिया में सुनियोजित तरीके से किसानों को गाड़ीयों से रौद कर नरसंहार किया किया जिसमें आज नरसंहार के असली दोषी भाजपा सरकार में केन्द्रीय मंत्री अजय टेनी के उपर कोई कार्रवाई नहीं हुई और ना ही उन किसानों को न्याय मिल पाया। तिकोनिया के किसानों को न्याय की मांग को लेकर आज देश भर में किसान आन्दोलन हो रहे है। भाजपा सरकार एक देश एक चुनाव, एक टैक्स की बात करती है, गाजीपुर के किसानों से पोस्ते की खेती को छिन कर दुसरे प्रान्तों में भेज दिया। जबकि यहां के किसान मांग कर रहे है कि जिले को एक खेती पोस्ते के लिए प्रोत्साहित किया जाए। करोड़ों रुपए खर्च कर संसद की विशेष सत्र के माध्यम से महिला आरक्षण बिल महिलाओं के लिए झून झुना साबित हुआ। मोदी सरकार की जन विरोधी नीतियों से तंग आकर देश की आम जनता इन्डिया गठबंधन के खड़ा होती दिख रही है जिससे भाजपा और आरएसएस अंदर से बौखला गई है। सभा को संबोधित करते हुए भाकपा माले जिला सचिव कामरेड शशीकांत कुशवाहा ने कहा कि सेवराई तहसील में भ्रष्टाचार चरम पर है, कोई भी अधिकारी एक भी काम बिना पैसा लिए नहीं करते है। और

पुर तहसील का काम दलालों के भरोसे चल रहा है। जिसमें दबंग ताकते हावी है। सुप्रीम कोर्ट के रोक के बावजूद ग्राम पंचायत सेवराई के राजस्व गांव करवनिया डेरा में बिन्द बस्ती के लोग आज भी खुले कुआं की कचड़ा जैसा पानी पीने को मजबूर है। जिसको लेकर अधिकारियों को लिखित सूचना देने के बावजूद राजनीतिक द्ववेश के कारण क्षेत्रीय विधायक के दबाव में अधिकारी सुनने को तैयार नहीं है। ग्राम पंचायत बरेजी में सन- 2012 में गरीबों को मिले पट्टे की भूमि पर आज तक कब्जा नहीं दिलाया गया है। जब भी पट्टा नापने की मांग होती है तो उसमें कमीशन नहीं देने पर नापी पर रोक लगा दी जाती है। गांव गांव बाप दादा के जमाने से बसे दलित मुसहर बिन्द राजभर एवं अन्य समाज के कमजोर लोगों को घरौनी का कागज नहीं दिया गया है।

ट्रेनों में सोए यात्रियों का मोबाइल चुराने वाला शातिर 26 मोबाइल के साथ गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। औड़िहार रेलवे जंक्शन पर तैनात जीआरपी चौकी तथा आरपीएफ के जवानों की संयुक्त टीम ने रेल में सफर कर रहे यात्रियों के सामानों की चोरियां करने वाले अंतर्जनपदीय शातिर चोर को गिरफ्तार किया गया है। जिसके पास से यात्रियों के चुराए गए ढेर सारे मोबाइल बरामद हुए हैं। गिरफ्तार शातिर चोर के ऊपर पहले से ही कई थानों में मुकदमे दर्ज हैं। जानकारी के अनुसार आरपीएफ प्रभारी सुमन कुमार तथा जीआरपी चौकी प्रभारी विश्व दीपक अपने जवानों के साथ स्टेशन पर संयुक्त रूप से चेकिंग कर रहे थे इसी बीच चौरी चौरा एक्सप्रेस आकर रूकी। सूचना के आधार पर संयुक्त टीम ने चेकिंग करते हुए एक संदिग्ध चोर को घर दबोचा। उसकी जामा

तलाशी ली गई तो उसके पास से 26 मोबाइल फोन बरामद हुए। जिसकी बाजारु कीमत ढाई लाख रुपए आकी जा रही है। जिसे उसने कई ट्रेनों में यात्रियों से चुराया था। पूछताछ में उसने अपना नाम दिनेश बारी निवासी रामगढ़ बलुआ जनपद चंदौली बताया। वह यात्रियों के सो जाने पर रात में उनके मोबाइल चोरी कर लेता था तथा वर्तमान में वह वह मोबाइल बेचने के लिए नेपाल ले जा रहा था, इसके दौरान ही पकड़ा गया। जांच के दौरान पता चला कि उस पर चंदौली के दानापुर थाने में एक पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन के जीआरपी थाने में तीन तथा वाराणसी जीआरपी में दो मुकदमे पूर्व में दर्ज हैं। टीम में जीआरपी के सी अखिलेश मिश्रा आरपीएफ के सहायक सी वीरेंद्र कुमार चौबे भी शामिल रहे।

समाजवादी छात्र सभा के प्रदेश अध्यक्ष इंजीनियर विनीत कुशवाहा का जौनपुर में जोरदार स्वागत

प्रखर जौनपुर। समाजवादी छात्र सभा के प्रदेश अध्यक्ष इंजीनियर विनीत कुशवाहा जौनपुर में समाजवादी छात्र सभा के संगठन विस्तार हेतु जनपद आगमन पर समाजवादी पार्टी कार्यालय पर निवर्तमान जिलाअध्यक्ष डां अवधनाथ पाल के नेतृत्व में नौजवान साथियों के साथ जोरदार स्वागत किया गया वहीं सर्वप्रथम समाजवादी पार्टी कार्यालय राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि 2024 का लोकसभा चुनाव देश के लिए बड़ा परिवर्तनकारी होगा। जिसमें नौजवानों की बड़ी भूमिका होगी केन्द्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी तो देश राष्ट्रपिता महात्मा गांधी पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री बाबा साहब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर और डॉ0 राममनोहर लोहिया और नेताजी के सिद्धांतो और उनके बताए रास्ते पर चलेगा, लेकिन अगर पीछे रह गए तो भाजपा संविधान बदलकर न जाने किस रास्ते पर ले जाएगी। कहा कि पिछड़े और दलितों ने

ताकत देकर केन्द्र में एनडीए की सरकार बनायी थी। भाजपा सरकारों ने इन्हीं वर्गों का शोषण किया। पिछड़े और दलित छोड़ देंगे तो एनडीए कहीं नहीं बचेगी। उन्होंने कहा कि पिछड़ी, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग की महिलाओं के कोटा के बिना महिला आरक्षण कानून अधूरा है। अध्यक्षता करते हुए डां अवधनाथ पाल ने कहा कि आज हर समाज और दल के लोग जाति जनगणना की मांग कर रहे हैं। सभी चाहते हैं कि जातीय जनगणना हो, जिस जाति की जो आबादी हो उसके हिसाब से हक मिले। आज पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक खास कर मुस्लिम भाई, नौकरी, रोजगार या संस्थानों में हर जगह पीछे हैं। बैठक मे मुख्य रूप से राजन यादव, राकेश मौर्या, राजदेव यादव, हिरालाल विश्कर्मा, राहुल त्रिपाठी, श्रवण जयसवाल, इर्शाद मंशूरी, अनवारुल गुड्डू, लाल मोहम्मद रानी साजिद अलीम, भानु प्रताप मौर्या, रजनीश मिश्रा, दिलीप प्रजापति, नितिन सैफई, अनुपमा पटेल, अजमत अली, कमाल, कमालुद्दीन अंसारी,ऋषि यादव, रमन यादव, रामबचन यादव, जितेंद्र मौर्या, धर्मेंद्र सोनकर,सोनी यादव, अन्नपूर्णा , तारा त्रिपाठी डां जग बहादुर यादव, आदि संचालन राजेन्द्र टाइगर ने किया ।

जिले में 20 खिलाड़ियों को खेल किट, ड्रेस व पोषण के लिए दिए जायेंगे 10 हजार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। अपर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति उपस्थिति में बैठक मंगलवार को आहूत की गयी। बैठक में जनपद के 20 उद्दीमान खिलाड़ियों को इक्यूमेन्ट, ड्रेस, खेल किट, पोषण आहार के सहायता हेतु 10 हजार से पुरस्कृत किया जाना है। उक्त बैठक में सर्वसहमति से निर्णय लिया गया कि वह खिलाड़ी इसके लिए पात्र होगा जो खिलाड़ी किसी मान्यता प्राप्त खेल संघ से राष्ट्रीय प्रतियोगिता में एवं राष्ट्रीय स्कूलीय प्रतियोगिता में विगत 2 वर्ष में प्रतिभाग किया हो। यह धनराशि एक खेल में केवल 3 खिलाड़ियों को ही देय होगी, खिलाड़ी जनपद का मुल निवासी हो तथा उ0प्र0 टीम से प्रतिनिधित्व किया हो, इसमें वही खिलाड़ी आवेदन करेगा जिनको एकलब्य क्रीड़ा कोष या अन्य किसी स्रोत्र से सहायता न मिली हो। पात्र खिलाड़ियों के चयन हेतु निशान्त उपाध्याय डिप्टी कलेक्टर, दिव्यांगजन कल्याण अधिकारी की अध्यक्षता में कमेटी का गठन किया गया।

बेघर हो रहे पीड़ितों को न्यायालय की शरण में जाने की मिली नसीहत

प्रखर रामनगर/वाराणसी। रामनगर में सड़क चौड़ीकरण को लेकर जिला प्रशासन द्वारा लगभग चार सौ मकानों को बिना मुआवजा दिये तोड़े जाने के खिलाफ क्षेत्रीय व्यापारियों और पीड़ितों द्वारा चलाए जा रहे "मुआवजे की मांग मुहिम" का हिस्सा पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर भी बने। बरसात की रिमझिम फुहारों के बीच रामनगर के शास्त्री चौक पहुंचे पूर्व आईजी अमिताभ ठाकुर का धनंजय साहनी, पवन सौढी, गोविन्द यादव, एडवोकेट शक्ति सिंह और दीपक मौर्या ने माल्यार्पण कर स्वागत और अभिनंदन किया। फिर पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर भारत रत्न पूर्व प्रधानमन्त्री लाल बहादुर शास्त्री के पैतृक निवास स्थान पहुंचकर उन्हे श्रद्धा सुमन अर्पित करने के पश्चात पद्म विभूषित प्रख्यात समाज सेविका डा. निर्मला देश पाण्डेय के मरणोपरांत बलिया से रामनगर वाराणसी तक नशा उन्मूलन पदयात्रा कर पूर्वांचल को "नशा नाश की निशानी और अपराध की जननी है।" का संदेश देने वाले वरिष्ठ समाजसेवी कृपा शंकर यादव के साथ पीड़ितों से मिलने पहुंचे। पीड़ितों की बातों को सुन ढांढस बंधाते हुए पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर ने कहा कि जिला प्रशासन का प्रमुख अंग नगर पालिका परिषद रामनगर "जिसे वर्तमान समय में समाप्त कर दिया गया है" द्वारा पूर्व समय में इन पीड़ितों के मकानों का असिसमेंट सहित मकान नम्बर उपलब्ध कराए जाने के साथ साथ जल कर, बिजली बिल सहित अन्य प्रकार का कर लिया जाता रहा है। यहां तक कि उत्तर प्रदेश खाद्य रसद विभाग द्वारा इन पीड़ितों को राशन कार्ड सहित कुछ पीड़ितों को प्रधानमन्त्री आवास योजना का भी लाभ इन्हीं भू भागों पर प्राप्त हुआ है। समय समय पर हर तरह का कर देने के साथ साथ उत्तर प्रदेश सरकार और भारत सरकार से मिलने वाली मूलभूत योजनाओं से सुविधाओं का लाभ यहां के लोग उठाते रहे हैं। सैंकड़ों वर्षो से जीवन यापन कर रहे इन पीड़ितों के पास महज खसरा खतौनी न होना ही इन्हे मुआवजा न मिलने का आधार नही हो सकता है। सरकार की मंशा के अनुरूप जिला प्रशासन मुआवजा न देकर मानवता का हनन करने के साथ साथ अपना तानाशाही फरमान यहां के बेघर हो रहे पीड़ितों पर थोप रही है।

पैनेसिया हॉस्पिटल द्वारा विश्व हृदय दिवस पर निकाली गई जन-जागरूकता रैली व संगोष्ठी का हुआ आयोजन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। कबीर नगर, दुगार्कुण्ड स्थित पैनेसिया हॉस्पिटल एवं डायबिटीज केअर संस्थान द्वारा विश्व हृदय दिवस पर जन- जागरूकता रैली व संगोष्ठी का आयोजन किया गया इस अवसर पर पैनेसिया सभागार में आयोजित हृदय रोग विषयक संगोष्ठी का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ पल्लवी मिश्रा व विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ मधुमेह रोग विशेषज्ञ डॉ. आशुतोष मिश्रा व डॉ शारण्या ओझा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया` अध्यक्षता डॉ तुषारिका राय ने किया अतिथियों का स्वागत संस्थान के निदेशक प्रणव मिश्रा ने बुके व अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया इस अवसर पर वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ व संस्था की निदेशक डॉ पल्लवी मिश्रा ने कहा कि हार्ट की बिमारी से बचाव के लिए समय-समय पर अपने स्वास्थ्य की जाँच कराये, पौष्टिक युक्त भोजन का इस्तेमाल के

साथ नियमित व्यायाम व अपने दिनचर्या में शामिल करें साथ ही धूमपान व शराब से बचें इसके बाद वरिष्ठ मधुमेह रोग विशेषज्ञ डॉ आशुतोष मिश्रा ने कहा कि मधुमेह से उच्च रक्त ग्लूकोज आपकी रक्त वाहिकाओं और आपके हृदय और रक्त वाहिकाओं को नियंत्रित करने वाली नसों को नुकसान पहुंचा सकता हैं यह हृदय रोग का कारण बन सकता हैं इसके बाद परिसर से हृदय रोग के उपाय व बचाव की रोकथाम के लिए जन-जागरूकता रैली निकाली गई जो कबीरनगर से आरंभ होकर दुगार्कुंड, गुरुधाम, भेलूपुर, रविन्द्रपुरी, लंका, संकटमोचन होते हुए हॉस्पिटल पर आकर समाप्त हुई। रैली में सैकड़ों लोग बैनर, पर्चे, पोस्टर, लेकर लोगों को जागरूक किया इस अवसर पर संस्थान कि मुख्य कार्यकारी अधिकारी शारण्या ओझा ने कहा कि आज पैनेसिया हॉस्पिटल पूर्वी उत्तर प्रदेश का एकमात्र विश्वसनीय चिकित्सालय हैं जहाँ एक ही छत के नीचे सारी सुविधाएं उपलब्ध हैं उनमें मरीजों के लिए 50 बेड , सी.टी. स्कैन, डायलिसिस ,आयुष्मान कार्ड धारकों की विशेष व्यवस्था के साथ डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया आदि का इलाज सबसे न्यूनतम दर पर उपलब्ध हैं कार्यक्रम का संचालन प्रणव मिश्रा व अंत मे धन्यवाद ज्ञापन पी. के. सिन्हा ने किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से डॉ तुषारिका राय, डॉ वंदना सिंह, डॉ निधि सिंह, डॉ आनंद कुमार मौर्या, राकेश चौहान, कीर्ति गुप्ता, प्रमोदा वर्मा, अभय कुमार ठाकुर, शाम्भवी मिश्रा, नितिन यादव, सृष्टि, शामिया, शीबा खान सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

गांधी जयंती पर कुष्ठ आश्रम, हीरामनपुर, सारनाथ में सेवा कार्य

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। रोटरी क्लब वाराणसी गंगा द्वारा गांधी जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर को काशी कुष्ठ सेवा संघ, हीरामनपुर, सारनाथ वृक्षारोपण, निःशुल्क मैडिकल कैंप, वृद्धा आश्रम में महिलाओं को साड़ी, पुरुषों को तौलिया, टूथपेस्ट तेल, साबुन, चावल एवं फल आदि का वितरण किया गया` उक्त अवसर पर 104 लाभार्थी को डॉ वी के तिवारी, डॉक्टर ज्योति यादव एवं उनकी टीम के द्वारा स्वास्थ्य शिविर में उनका पूरा उपचार किया गया, एवं दवा दी गई कार्यक्रम संयोजक रो.श्याम केसरी एवं रो.शरद केसरी जी रहे। मुख्य अतिथि रोटेरियन दिनेश गर्ग ने कहा कि गांधी जी द्वारा कुष्ठ रोगियों की सेवा को वरीयता दी गई थी उन्होंने सदैव कुष्ठ रोगियों की सेवा की है आज रोटरी गंगा के सदस्यों ने कुछ रोगियों एवं वृद्धा आश्रम को साड़ी आदि का वितरण करके बहुत बड़ा पुनीत कार्य किया है मैं उनके सभी सदस्यों को बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं प्रारंभ में अध्यक्ष अशोक अरोड़ा जी द्वारा एवं दिनेश गर्ग एवं रोटरी सदस्यों द्वारा बापू के चित्र पर माल्यार्पण एवं लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर मदार्पण किया गया एवं उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की गई कार्यक्रम का सफल संचालन दीपक अग्रवाल द्वारा किया गया और धन्यवाद धर्मेंद्र गोयल द्वारा किया गया।

संक्षिप्त खबरें

श्री श्री 1008 श्री मौनी बाबा जी महराज का मनाया गया प्राकट्योत्सव तिथि और किया भंडारा का आयोजन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। परम-पूज्यनीय सन्तशिरोमणी श्री श्री 1008 श्री मौनी बाबा जी महराज का लक्सा स्थित प्राकट्योत्सव तिथि अश्वनी कृष्ण पक्ष तृतीया 2 अक्तूबर सोमवार को श्रध्दा पूर्वक मनाया गया सीताराम यादव ने बताया की सर्वप्रथम श्री बाबा जी की मूर्ति का रुद्राभिषेक किया गया उसके पश्चात श्री दत्तात्रेय प्रसाद अन्नधन आश्रम में स्थापित श्री महागणपति , माता महात्रिपुर सुन्दरी, श्री वेणु गोपाल ,ललिता राजराजेश्वरी , माता कामेश्वरी , श्री महाविष्णु , अगणित शालिग्राम ,अखण्ड नंदा दीप एवं बाबा जी मूर्ति का विशेष श्रृंगार, आरती- पूजन के पश्चात प्रातः11 बजे 108 वैदिक ब्राह्मणों को फलहारी प्रसाद एवं वस्त्र वितरण उसके पश्चात 12 बजे से 3 बजे 1001 साधु- सन्त महात्मा, विधार्थी ब्राह्मण एवं चार बजे से रात्रि 11 बजे तक भंडारा भक्तगण प्रसाद ग्रहण का आयोजन चलता रहा। मुख्य अतिथि के रूप में अध्यक्ष डा0 पी0 डी0 पाटिल (पुणे) ट्रस्टी डा0 भाग्यश्री पाटिल, सचिव एवं ट्रस्टी मोहन लाल, सुधीर टण्डन , अशोक , सुरेश अत्री, अनिल ,व्यवस्थापक धीरेन्द शर्मा व शिवहरी , लोकेश, अनुज, अनूप , सोमनाथ अन्य देश- प्रदेश से आये हुए विशिष्ट एवं अतिविशिष्ट भक्तजन शामिल हुए।

लघु उद्योग भारती संगठन के उद्यमियों एवं एमएसएमई विभाग के अधिकारियो ने सैमसंग स्कूल के बच्चो संग मिलकर महापुरुषों की मनायी जयंती

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। एमएसएमई सैमसंग टेक्निकल स्कूल औद्योगिक अस्थान चांदपुर वाराणसी के प्रांगण में महात्मा गांधी एवं लालबहादुर शास्त्री की जयंती समारोह आयोजन किया गया जिसमे लघु उद्योग भारती संगठन के उद्यमियों एवं एमएसएमई विभाग के अधिकारियो ने सैमसंग स्कूल के बच्चो के संग मिलकर महापुरषों की जयंती मनायी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजेश कुमार सिंह अध्यक्ष लघु उद्योग भारती काशी प्रांत ने महात्मा गांधी एवं लालबहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण किया तथा लघु उद्योग भारती काशी प्रांत द्वारा सैमसंग के श्रेष्ठ छात्रों को संगठन द्वारा प्रोत्साहन प्रमाण पत्र दिया गया इस प्रमाण पत्र से संगठन से जुड़े उद्यमियों के कारखानों में बच्चो को नौकरी तथा ट्रेनिंग प्राप्त करने में सहयोग मिलेगा मुख्य अतिथि ने अपना व्यवसाय करने के लिए सभी छात्रों को प्रोत्साहित किया गया तथा सरकारी योजनाओं का लाभ भी संगठन द्वारा दिलाए जाने का विश्वास दिलाया। कार्यक्रम का सफल संचालन हिमांशु शेखर कस्टोडियन एमएसएमई सैमसंग स्कूल वाराणसी ने किया` कार्यक्रम में राजेश चौधरी, वीरेंद्र राना, रितेश बरनवाल (सहायक निदेशक एमएसएमई वाराणसी) ज्योति शंकर मिश्रा , विजय कुमार ,कुमारी प्रियंका, प्रतियुष श्रीवास्तव, सर्वेश श्रीवास्तव,अरुण सिंह, राजीव कुमार एवं प्रशिक्षु छात्र उपस्थित थे।

सहकारिता विभाग ने बनाए लक्ष्य के सापेक्ष 49090 बी पैक्स सदस्य

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। लक्ष्य से अधिक लोगों ने सहकारिता के प्रति आस्था और विश्वास प्रकट करते हुए सदस्यता ग्रहण किया है। तथा सरकार के द्वारा सहकारिता के माध्यम से लोगों को मजबूत करने का विशेष अभियान सराहनीय है यह बात आज जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष सरोजेश सिंह ने बैंक सभागार में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कही उन्होंने कहा कि सहकारिता पर आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास मॉडल को अपनाकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सहकार से समृद्धि सपने को साकार करने हेतु मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं सहकारिता राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार जे0पी0एस0 राठौर के कुशल मार्गदर्शन में सहकारिता आदोलन को गति प्रदान करने के उद्देश्य से सहकारिता विभाग द्वारा बी-पैक्स सदस्यता महाअभियान 01 सितम्बर, 2023 से 30 सितम्बर, 2023 तक आयोजित किया गया। इस सदस्यता अभियान के अंतर्गत जनपद की 165 बी-पैक्स 46200 सदस्य बनाये जाने का शासन द्वारा लक्ष्य निर्धारित किया गया जिसके सापेक्ष पैक्स पोर्टल पर 49090 सदस्य बनाकर 114.26 लाख शेयर कैपिटल जुटाने में बैंक कामयाब रहा जो कि लक्ष्य का 106.26 प्रतिशत है। जनपद प्रदेश में 58वें स्थान पर रहा इन बनाये गये सदस्यों में 2031 कुशल श्रमिक सदस्य 3851 अकुशल श्रमिक सदस्य 1129 पशुपालक सदस्य तथा 73 मत्स्य पालक सदस्य बनाये गये। अभी भी पोर्टल पर लगभग 2000 सदस्य फीड किया जाना बाकी है। इस सदस्यता अभियान से बैंक को इस वित्तीय वर्ष में 161.83 लाख की शेयर कैपिटल प्राप्त हुई जिससे बैंक की आर्थिक स्थिति सुदृढ हुई है। शासन के निदेर्शानुसार बैंक को इस वित्तीय वर्ष में 63.86 करोड़ का के0सी0सी0 ऋण वितरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है जिसके सापेक्ष अबतक 16.26 करोड़ रुपए का ऋण वितरण किया जा चुका है। भारत सरकार द्वारा किसान सम्मान निधि के अंतर्गत सभी सदस्यों को के0सी0सी0 ऋण वितरण उपलब्ध कराये जाने का अभियान माह 01 अक्टूबर, 2023 से 31 दिसम्बर, 2023 तक संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए जिला सहकारी बैंक लि0., गाजीपुर के समस्त संचालकगण, समस्त सहकारी संघ एवं क्रय-विक्रय समितियों के अध्यक्ष एवं संचालकगण, बी-पैक्स के संचालक एवं अध्यक्षगण, समस्त सहायक विकास अधिकारी (सह0), समस्त अपर जिला सहकारी अधिकारी, समस्त शाखा प्रबंधक एवं कर्मचारी गण, जनपद के समस्त जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के सहयोग से इस लक्ष्य की पूर्ति की जा सकी है।जो सभी धन्यवाद के पात्र हैं।इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील सिंह, प्रवीण सिंह,उप सभापति अच्छेलाल गुप्ता,जिला मीडिया प्रभारी शशिकान्त शर्मा आदि उपस्थित रहे।

Entertainment News

पर्सनल लाइफ को लेकर सबा आजाद का छलका दर्द

बॉलीवुड एक्टर की गर्लफ्रेंड सबा आजाद इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ और प्रोफोशनल लाइफ को लेकर अक्सर ही सुर्खियों में रहती हैं। इस वक्त वह अपनी बेब सीरीज हूज योर गायनिक के प्रमोशन के कारण व्यस्त चल रही हैं। इसी दौरान एक इंटरव्यू में सबा आजाद ने अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर कई खुलासे किए हैं। पर्सनल लाइफ को लेकर सबा आजाद का बयान- ऋतिक रोशन की गर्लफ्रेंड सबा आजाद ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि वह चार साल की उम्र से स्टेज पर परफॉर्म कर रही हैं लेकिन उन्हें अब तक वो क्रेडिट नहीं मिला जिसकी वह हकदार हैं। सबा को इस बात का भी मलाल है कि उनकी पर्सनल लाइफ शायद उनके काम को पूरी तरह से कही न कही घेर लेती है। सबा आजाद ने कहा,- बेशक ऐसा है क्योंकि लोगों के दिमाग में ये बातें घर कर चुकी हैं। मेरी पर्सनल लाइफ के कारण मुझे कई लोगों के सामने एक्सपोज किया गया है। लोग मुझे मेरी पर्सनल लाइफ के कारण जज करते हैं, मेरे बारे में धारणा बनाते हैं। अगर मैं ये सोचकर चिंता करने लग जाऊंगी कि कोई मेरे बारे में क्या सोच रहा है तो मैं ये काम कैसे करुंगी जो मैं कर रही हूं। जो लोग मुझे देखकर कुछ भी कह रहे हैं वो तो मेरे बारे में कुछ भी कहते ही रहेंगे।

रामचरण के साथ रोमांस करती नजर आयेंगी राशा थडानी

बॉलीवुड की चर्चित एक्ट्रेस रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी के फिल्म डेब्यू को लेकर कई खबरें सामने आ रही हैं। जहां राशा एक हिंदी फिल्म का ऐलान पहले ही किया जा चुका है, वहीं अब रिपोर्ट्स की मानें तो ये स्टारकिड साउथ की फिल्म से अभिनय की दुनिया में कदम रखने वाली हैं। फिल्मों में आने से पहले से ही राशा की जबरदस्त फैन फॉलोइंग है। वो सोशल मीडिया काफी एक्टिव हैं और अपने लुक्स और खूबसूरती को लेकर अक्सर चर्चा में रहती हैं। अब 18 वर्षीय राशा फिल्मों में कदम रखने को तैयार हैं।20 साल बड़े रामचरण के साथ रोमांस करेंगी राशा! खबरें हैं कि राशा अपनी पहली फिल्म में साउथ के सुपरस्टार राम चरण के साथ रोमांस करती नजर आएंगी। बता दें, राम चरण 38 साल के हैं, यानि की राशा से 20 साल बड़े। खैर, राशा ने इस फिल्म के लिए ऑडिशन भी दे दिया है और वह फिल्म की लीड एक्ट्रेस के तौर पर फाइनल हो चुकी हैं।

शाहरुख की फिल्में देखने के लिए बेताब हुई किम कार्दशियन

हॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान की दुनिया भर में तगड़ी फैन फॉलोइंग है। फिल्म इंडस्ट्री के किंग खान की फिल्में रिलीज होने के पहले ही लाइमलाइट में बटोरनी शुरू कर देती है। इस साल की शुरूआत में सुपर डुपर हिट फिल्म पठान देने वाले सबके चहेते शाहरुख खान इन दिनों इस साल की दूसरी फिल्म जवान को लेकर खूब चर्चा में बने हुए है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कलेक्शन करने में लगी हुई है। शाहरुख खान केवल उनकी एक्टिंग या फिल्मों की वजह से नहीं बल्कि दुनिया भर के लोगों के दिलों में दयालु भाव, बुद्धि और अच्छे काम के लिए भी जाने जाते हैं। वहीं 2011 के बाद एक बार फिर से किम कार्दशियन ने शाहरुख की फिल्मों को देखने के बारे में ट्वीट कर हलचल मचा दी है।

बड़ी फैन है कार्दशियन

किम कार्दशियन ने 2011 में ट्विटर पर खुलासा किया था कि वह शाहरुख खान की बहुचत बड़ी फैन है और वह उनकी सारी फिल्में देखना चाहती है। वहीं एक बार फिर किम कार्दशियन, शाहरुख खान की फिल्में देखना को लेकर ट्वीट किया है, जो देखते ही देखते सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। इस ट्वीट को देखने के बाद एसआरके फैंस खुशी से फूले नहीं समा रहे हैं। किम कार्दशियन ने ट्वीट कर बताया की उसके दोस्त ने किंग खान की कुछ फिल्में भेजी थीं, जिन्हें देखने के लिए मैं अब और इंतजार नहीं कर सकती।

Bollywood Update

वेट गेन पर ट्रोल करने वालों को बिपाशा ने दिया करारा जवाब

बॉलीवुड एक्ट्रेस बिपाशा बसु ने इन दिनों अपनी फिल्मों से ब्रेक लिया है। वह फिलहाल अपनी बेटी देवी की परवरिश में बिजी हैं। पिछले साल 12 नवंबर 2022 को उसका जन्म हुआ था। बिपाशा और उनके पति करण सिंह ग्रोवर अक्सर देवी के साथ स्पॉट किए जाते हैं। जब से बिपाशा बसु की बेटी देवी उनकी जिंदगी में आ हैं तब से एक्ट्रेस अपने बढ़ते वजन को लेकर ट्रोल होती रहती हैं। कई बार सोशल मीडिया पर नेटिजेन्स ने उन्हें इसके लिए खूब खरी खोटी भी सुनाई। अब इसको लेकर एक्ट्रेस ने अपना रिएक्शन दिया और ट्रोलर्स की बोलती बंद कर दी। वहीं करण सिंह ग्रोवर ने भी इस मामले में काफी कुछ कहा।

हाल ही में एक मीडिया को दिए इंटरव्यू में बिपाशा बसु ने अपने बढ़ते वजन को लेकर ट्रोल करने वालों को करारा जवाब दिया। एक्ट्रेस ने कहा कि, मैं ट्रोल करने वालों से यही कहना चाहूंगी कि प्लीज आप ट्रोलिंग करते रहें। यह एकदम सही है क्योंकि मैं जरा भी परेशान नहीं हूं। इसके अलावा उनके पति करण सिंह ग्रोवर ने कहा कि, जब तक वो झेल रहे हैं, तब तक यह ठीक है। बिपाशा बसु ने आगे कहा कि, जब भी देवी आंखे खोलती है या बंद करती है मैं सबसे पहले उसी को देखती हूं। क्योंकि मेरे लिए अब पहले नंबर पर वही है। मैं जब भी घर से बाहर निकलती हूं तो हमेशा घर तुरंत वापस जाने का मन करता हैं क्योंकि मैं ज्यादा से ज्यादा उसके साथ वक्त बीताना चाहती हूं। बता दें कि, प्रेग्नेंसी के बाद से बिपाशा के लुक में काफी बदलाव देखने को मिले। एक्ट्रेस का ट्रांसफॉर्मेशन देख फैंस काफी हैरान हैं। हमेशा से स्लिम दिखने वाली बिपाशा का यूं बढ़ता हुआ वजन फैंस को पसंद नहीं आ रहा।

करोड़पति बिजनेसमैन की दुल्हन हैं माहिरा खान

पाकिस्तानी अभिनेत्री माहिरा खान ने दूसरी बाह निकाह कर लिया है। वह करोड़पति बिजनेसमैन सलीम करीम की दुल्हनिया बन चुकी हैं। माहिरा पिछले काफी समय से सलीम करीम के साथ अपने रिश्ते को लेकर सुर्खियों में बनी हुई थीं। अब आखिरकार दोनों ने निकाह करके अपने रिश्ते को ऑफिशियल कर दिया है। शादी के जोड़े में माहिरा बेहद प्यारी लग रही हैं वहीं उनके शौहर भी किसी राजकुमार से कम नहीं लग रहे हैं। दोनों के निकाह की फोटोज और वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। कौन हैं सलीम करीम, जिनसे माहिरा ने निकाह किया। इसके साथ ही बिजनेस के अलावा एक्ट्रेस के शौहर और क्या काम करते हैं, चलिए आपको बताते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक सलीम सिम्पैसा नाम के फेमस स्टार्ट-अप कंपनी के सीईओ हैं। यह कंपनी 15 से ज्यादा देशों में विभिन्न क्षेत्रों के मर्चेंट्स सिम के जरिए पेमेंट की सुविधा देती है। हालांकि सलीम का काम भले ही शोबिज से जुड़ा हुआ न हो, लेकिन यह दावा किया जाता है कि वह एक प्रोफेशनल डीजे भी हैं। यानि कि वह बिजनेसमैन के साथ-साथ डीजे का शौक भी रखते हैं।

कंगना और आलिया के साथ फिल्म बनाएंगे विवेक अग्निहोत्री

कंगना रनोट और आलिया भट्ट हिंदी सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्रियां हैं। दोनों को साथ में किसी फिल्म में देखना फैंस के लिए किसी बड़े सपने के पूरा होने जैसा है। मगर क्या विवेक अग्निहोत्री कंगना और आलिया को एक फिल्म में कास्ट करके फैंस का सपना पूरा करेंगे या नहीं। इस बारे में खुद विवेक ने चुप्पी तोड़ी है।

अपनी हालिया रिलीज फिल्म द वैक्सीन वॉर को लेकर चर्चा बटोर रहे विवेक अग्निहोत्री ने एक लेटेस्ट इंटरव्यू में बताया है कि वह कंगना रनोट और आलिया भट्ट को एक साथ किसी फिल्म में कास्ट करने की सोच रहे हैं या नहीं।

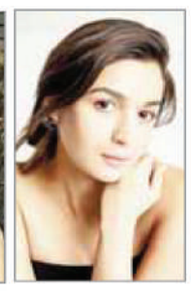

क्या बोले विवेक ?

विवेक अग्निहोत्री ने आलिया भट्ट और कंगना रनोट के साथ एक फिल्म साइन करने पर बात की है और कहा है कि वह इस बारे में सोच भी नहीं सकते हैं। बतौड़ डायरेक्टर, मैं अगर ऐसे सोचने लगूंगा तो मैं मर ही जाऊंगा। कौन सोचता है इस तरह से और कोई इस तरह कैसे सोच सकता है। आलिया भट्ट को नेशनल अवॉर्ड मिला। वह भारत की एक अभिनेत्री हैं, जिन्हें भारत सरकार द्वारा सम्मानित किया गया। उस समय मुझे भी नेशनल अवॉर्ड मिला था। इसलिए मैंने उन्हें बधाई दी। जब कंगना को ये सम्मान मिला था, तब मैंने उन्हें भी बधाई दी ती।

अगर मैं उन्हें एक साथ फिल्म में लाता हूं, मेरा उनकी जिंदगी से क्या लेना-देना है ? मेरा कोई ऐसा शौक नहीं है।

रैंप वॉक पर मामी ऐश को फेल कर छा गई श्वेता बच्चन की बेटी

बॉलीवुड के शहंशाह यानी अमिताभ बच्चना अपनी नातिन नव्या नवेली नंदा को बहुत प्यार करते हैं। दोनों के बीच अच्छा बॉन्ड है। नव्या नवेली की खूबसूरती को देखते ही फैंस जानना चाहते कि वो बॉलीवुड में कब एंट्री करेंगी ? फिलहाल, वो इस बार अपनी बॉलीवुड एंट्री को लेकर चर्चा में नहीं हैं, बल्कि अपनी मामी ऐश्वर्या के साथ पेरिस में जलवे बिखेरने के लिए चर्चा में हैं। जी हां, नव्या और ऐश्वर्या राय बच्चन दोनों ही पैरिस में फैशन का जलवा बिखेरते नजर आई हैं। दोनों की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं।

ऐश्वर्या का दिखा रैंप पर जलवा

ऐश्वर्या राय बच्चन ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऐश्वर्या कई बार अपनी मॉडलिंग स्किल्स दिखा चुकी हैं। उन्होंने मिस वर्ड का ब्यूटी पेजेंट भी अपने नाम किया था। अब कई सालों बाद एक्ट्रेस फिर से अपनी अदाओं से लोगों को दीवाना बनाती नजर आई हैं। ऐश्वर्या राय बच्चन ने हाल में ही गोल्डन कलर का गाउन पहनकर पेरिस फैशन वीक में बतौर शो स्टॉपर वॉक की। उनका स्टाइल और अंदाज पहले की तरह ही कॉन्फीडेंट और जरा हटके था। एक्ट्रेस का ग्लैमरस लुक और मेकअप ऑन पॉइंट था।

नव्या ने भी किया रैंप पर वॉक

इस बार ऐश्वर्या ने विदेश में अकेले ही अपनी खूबसूरती के जलवे नहीं बिखेरे, बल्कि इस बार उनकी भांजी यानी अमिताभ बच्चना की नातिन नव्या नवेली नंदा भी वहां मौजूद थीं। उन्होंने भी रेड शॉर्ट बॉडीकॉन ड्रेस में वॉक की। उनका स्टाइल अपनी मामी से बिल्कुल अलग जरूर था, लेकिन कॉन्फीडेंस ठीक वैसा ही नजर आया। जहां ऐश्वर्या दर्शकों को फ्लाइंग किस देती नजर आईं तो वहीं नव्या नवेली नंदा ने भी दर्शकों की ओर देखर हाथ वेव किए। अब दोनों के रैंप वॉक के वीडियो सोशल मीडिया पर धूम मचा रहे हैं। बता दें, नव्या नवेली नंदा ने इससे पहले भी एक तस्वीर पोस्ट की थी, जिसमें वो अपनी नानी जया बच्चन और मां श्वेता बच्चन के साथ नजर आई थीं।

बॉलीवुड सेलेब्स ने गांधी जयंती पर बापू को ऐसे दी श्रद्धांजलि

कल 2 अक्टूबर को देशभर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का जन्मदिवस मनाया गया। 2 अक्टूबर 1869 में बापू मोहनदास करमचंद गांधी का जन्म हुआ था। इस साल महात्मा गांधी की 154वीं जन्म जयंती मनाई जा रही है। इस खास दिन पर पूरा देश महात्मा गांधी को याद करता है। आपको बता दें कि भारत की आजादी में गांधी जी का अहम योगदान रहा था। आज भी जब बापू को याद किया जाता है तो लोगों के दिलों में देशभक्ति की लहर दौड़ पड़ती है।

बॉलीवुड सेलेब्स ने लोगों को दी गांधी जयंती की बधाई वहीं इस खास अवसर पर बॉलीवुड के कई सितारों ने भी राष्ट्रपिता को याद करते हुए अपने फैंस को खास संदेश दिए हैं। बॉलीवुड सेलेब्स ने सोशल मीडिया के जरिए गांधी जयंती पर अपने विचार लोगों के सामने रखे हैं। इस लिस्ट में बॉलीवुड एक्टर अनुपम खेर से लेकर सिद्धार्थ मल्होत्रा, अजय देवगन, एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा और अभिषेक बच्चन तक का नाम शामिल है। आइए आपको बताते हैं बॉलीवुड सेलेब्स ने गांधी जयंती पर लोगों को क्या संदेश दिए।

अनुपम खेर

अनुपम खेर ने लिखी ये बड़ी बात बॉलीवुड के दमदार एक्टरों में से एक अनुपम खेर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक खास पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने गांधी जयंती के साथ-साथ

लोगों को लाला बहादुर शास्त्री जयंती भी विश की है। अनुपन खेर ने दोनों महापुरुष की तस्वीरें शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है- आप सभी को गांधी जी और शास्त्री जी की जयंती पर हार्दिक शुभकामनाएं। दोनों ही महान नेताओं ने मेरे जीवन के अलग-अलग पहलुओं में महत्व योगदान किया है। जय भारत।

अनुष्का शर्मा ने ऐसे किया विश वहीं बॉलीवुड एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा ने भी अपनी इंस्टा स्टोरी पर आजादी के दौरान की कई सारी फोटो का कोलाज शेयर किया है। इसी के साथ उन्होंने अपने फैंस को गांधी जयंती की ढेर सारी शुभकामनाएं भी दी हैं।

अभिषेक बच्चन

अभिषेक बच्चन ने लिखे गांधी जी के शब्द अभिषेक बच्चन ने महात्मा गांधी की एक तस्वीर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की है जिस पर लिखा है- कुछ भी करते समय, इसे प्यार से करें या इसे कभी भी न करें। उन्होंने अपने इस पोस्ट के कैप्शन में लिखा है- उनके शब्द गूंजते रहते हैं, एक ज्ञान जो आज भी प्रासंगिक और गहरा है। गांधीजयंती।

अजय देवगन

अजय देवगन ने गाने से किया विश बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन ने महात्मा गांधी की एक तस्वीर अपनी इंस्टा स्टोरी पर पोस्ट की, जिसके बैकग्राउंड में आशा भोसले का गाना दे दी हमें आजादी बिना खड्ग बिना ढाल बज रहा है। इस खास अवसर पर माधुरी दीक्षित ने भी बापू के एक कोट का उपयोग करते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है और लिखा है- महात्मा गांधी के अनुसार ताकत शारीरिक क्षमता से नहीं आती है, ये अदम्य इच्छाशक्ति से आती है। हम सभी को अपने सपनों को हासिल करने की शक्ति और साहस मिले।

खबर संक्षेप

टीवीएस मोटर की बिक्री बढ़कर 4,02,553 इकाई

नई दिल्ली। टीवीएस मोटर कंपनी की कुल बिक्री सितंबर में सालाना आधार पर छह प्रतिशत बढ़कर 4,02,553 इकाई पर पहुंच गई। कंपनी ने सितंबर, 2022 में डीलरों को 3,79,011 वाहन भेजे थे। वाहनों की बिक्री पिछले महीने सात प्रतिशत बढ़कर 3,86,955 इकाई पर पहुंच गई, जो सितंबर, 2022 में 3,61,729 इकाई थी।

जेएसडब्ल्यू इन्फ्रा का शेयर आज होगा सूचीबद्ध

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू समूह की कंपनी जेएसडब्ल्यू इन्फ्रास्ट्रक्चर का शेयर आईपीओ बंद होने के दो दिन बाद मंगलवार को शेयर बाजार में सूचीबद्ध होगा। आईपीओ को बुधवार को बोली के आखिरी दिन 37.37 गुना अभिदान मिला था। जेएसडब्ल्यू इन्फ्रास्ट्रक्चर के 2,800 करोड़ रुपये के आईपीओ के तहत मूल्य दायरा 113-119 रुपये प्रति शेयर था।

हिंदुस्तान जिंक के उत्पादन में एक फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली। हिंदुस्तान जिंक का खनन धातु का उत्पादन चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में एक प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 2.52 लाख टन रहा है। वेदांता समूह की कंपनी ने सोमवार को यह जानकारी दी। पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (एचजेडएल) का खनन धातु उत्पादन 2.55 लाख टन था।

अगस्त में चाय का उत्पादन 4% घटकर 18 करोड़ किग्रा

कोलकाता। देश में चाय का उत्पादन इस साल अगस्त में करीब चार प्रतिशत घटकर 17.79 करोड़ किलोग्राम पर आ गया है। अगस्त, 2022 में चाय का उत्पादन 18.54 करोड़ किलोग्राम से अधिक रहा था। चाय बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, उत्तर भारत, मुख्य रूप से असम और प. बंगाल में चाय का उत्पादन घटकर 15.80 करोड़ किलोग्राम रह गया।

जापान की कारोबारी धारणा में सुधार

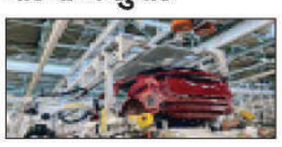

टोक्यो। जापान के बड़े विनिर्माताओं की कारोबारी धारणा में जुलाई-सितंबर की तिमाही में सुधार हुआ है। यह लगातार दूसरी तिमाही है जबकि विनिर्माता देश की अर्थव्यवस्था को लेकर आशान्वित दिख रहे हैं। बैंक ऑफ जापान के तिमाही सर्वे से पता चलता है कि सितंबर तिमाही में देश के प्रमुख विनिर्माताओं की कारोबारी धारणा प्लस 9 रही है।

संगम इंडिया को 4,000 करोड़ राजस्व की उम्मीद

मुंबई। टेक्सटाइल क्षेत्र की कंपनी संगम इंडिया को 2024-25 तक लगभग 4,000 करोड़ रुपये का राजस्व हासिल करने की उम्मीद है। संगम इंडिया के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि राजस्थान के भीलवाड़ा में स्थित कंपनी की सात उत्पादन इकाइयों की क्षमता बढ़ाई जाएगी। कंपनी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एस एन मोदानी ने बताया, 'हमने वित्त वर्ष 2022-23 में 2,730 करोड़ रुपये का राजस्व दर्ज किया है और चालू वित्त वर्ष में हम 3,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद कर रहे हैं।

होंडा ने उतारी 450 किलोमीटर की ड्राइविंग रेंज वाली इलेक्ट्रिक कार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जापानी कार निर्माता होंडा ने हाल ही में एक नई इलेक्ट्रिक एसयूवी प्रोलॉग को अंतरराष्ट्रीय बाजार में पेश किया है। यह इलेक्ट्रिक कार फ्रंट व्हील ड्राइव और ऑल व्हील ड्राइव कॉन्फ़िगरेशन में उपलब्ध होगी।

- फ्रंट व्हील ड्राइव और ऑल व्हील ड्राइव में उपलब्ध

कंपनी ने अमेरिकी बाजार में इसकी प्री-बुकिंग शुरू कर दी है, वहीं डिलीवरी के 2024 की शुरूआत में शुरू होने की उम्मीद है। होंडा की यह इलेक्ट्रिक एसयूवी कई एडवांस फीचर्स से लैस है। कंपनी इस नई इलेक्ट्रिक एसयूवी को तीन वैरिएंट में ऑफर करेगी, जिसमें ईएक्स, टूरिंग और एलीट शामिल हैं। इसे बेस ट्रिम ईएक्स और मिड ट्रिम टूरिंग के साथ ऑल व्हील ड्राइव सिस्टम विकल्प के तौर पर दिया गया है, जबकि टॉप ट्रिम एलीट में स्टैंडर्ड तौर पर ऑल व्हील ड्राइव सिस्टम के साथ आती है।

12 बोस स्पीकर और 11.3 इंच की बड़ी डिस्प्ले से लैस

नए डिजाइन लैंग्वेज पर है आधारित

होंडा की प्रोलॉग एसयूवी को नए डिजाइन लैंग्वेज पर तैयार किया गया है। इसमें कंपनी ने बेहद कम कट और क्रीज का इस्तेमाल किया है। इससे एसयूवी को क्लीन और प्रीमियम लुक मिलती है। इस कार की चौड़ाई इसकी ऊंचाई से अधिक है। इस वजह से इसकी हैंडलिंग और ड्राइविंग एक्सपीरियंस काफी बेहतरीन है। कार की स्टेबिलिटी और कंट्रोलिंग को बेहतर बनाने के लिए इसमें 21-इंच के एयरो अलॉय व्हील्स लगाए गए हैं।

इंटीरियर है शानदार

इस इलेक्ट्रिक एसयूवी का इंटीरियर बेहद खास है। केबिन में कार के डैशबोर्ड पर 11.3 इंच का बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया गया है। इसके साथ 11-इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, हेड्स अप डिस्प्ले, 12-स्पीकर बोस प्रीमियम साउंड सिस्टम, वेन्टिलेटेड फ्रंट सीट्स, हीटिड स्टीयरिंग व्हील, इलेक्ट्रिक सीट, पैनोरोमिक सनरूफ और सेफ्टी के लिए होंडा सेंसिंग एडीएएस सूट दिया गया है।

714 लीटर का बूट स्पेस

इस एसयूवी की लंबाई 4,877 एमएम और व्हीलबेस 3,094 एमएम का दिया गया है। इसमें 714 लीटर का बूट स्पेस दिया गया है जिसे बढ़ाकर 1,634 लीटर तक किया जा सकता है। डीआरएल, एलईडी प्रोजेक्टर फॉग लैंप और एलईडी टेललाइट मिलते हैं।

बैटरी और रेंज : इसके फ्रंट व्हील ड्राइव वैरिएंट में सिंगल इलेक्ट्रिक मोटर लगाया गया है जबकि ऑल व्हील ड्राइव वैरिएंट दो इलेक्ट्रिक मोटर से लैस है। ऑल व्हील ड्राइव वैरिएंट 288 बीएचपी पॉवर 451 एनएम टॉर्क जनरेट करता है। दोनों वैरिएंट 85 केडब्ल्यूएच क्षमता की बैटरी के साथ आते हैं।

कमजोर मांग व सुस्त औद्योगिक गतिविधियों का असर

डीजल की बिक्री तीन प्रतिशत घटी पेट्रोल की मांग 5.4 प्रतिशत बढ़ी

- सितंबर में तीनों पेट्रोलियम कंपनियों की डीजल बिक्री घटी
- डीजल की बिक्री घटकर 58 .1 लाख टन रह गई
- बारिश के कारण कृषि क्षेत्र में डीजल की मांग कम रहती है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कमजोर मांग और देश के कुछ हिस्सों में औद्योगिक गतिविधियां सुस्त पड़ने से डीजल की बिक्री सितंबर में तीन प्रतिशत घटी है। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों के शुरुआती आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। सितंबर में सार्वजनिक क्षेत्र की तीनों.. पेट्रोलियम कंपनियों की डीजल बिक्री घटी है।

पेट्रोल की बिक्री में बढ़ोतरी हुई है। देश में सबसे ज्यादा खपत वाले ईंधन डीजल की बिक्री सितंबर में घटकर 58.1 लाख टन रह गई, जो एक साल पहले की समान अवधि में 59.9 लाख टन थी।

सितंबर के पहले पखवाड़े में डीजल की मांग में पांच प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई, जबकि बारिश कम होने से दूसरे पखवाड़े में डीजल की मांग बढ़ी।

परिवहन क्षेत्र में भी डीजल की मांग कमजोर

मासिक आधार पर डीजल की बिक्री ढाई प्रतिशत अधिक रही है। अगस्त में डीजल की बिक्री 56.7 लाख टन रही थी। आमतौर पर मानसून के दौरान डीजल की बिक्री घट जाती है, क्योंकि बारिश के कारण कृषि क्षेत्र की मांग कम रहती है। कृषि क्षेत्र में सिंचाई, कटाई और परिवहन के लिए ईंधन के रूप में डीजल का इस्तेमाल होता है।

सितंबर में पेट्रोल की खपत अधिक रही

सितंबर में पेट्रोल की खपत कोविड-प्रभावित सितंबर, 2021 की तुलना में 19.3 प्रतिशत अधिक रही और महामारी-पूर्व की अवधि यानी सितंबर, 2019 की तुलना में 30 प्रतिशत अधिक रही। डीजल की खपत सितंबर, 2021 की तुलना में 19 प्रतिशत और सितंबर, 2019 की तुलना में 11.5 प्रतिशत अधिक रही।

मई में कृषि क्षेत्र में डीजल की मांग अच्छी रही

अप्रैल और मई में डीजल की खपत क्रमशः 6.7 प्रतिशत और 9.3 प्रतिशत बढ़ी थी, क्योंकि उस समय कृषि क्षेत्र की मांग अच्छी रही थी। इसके अलावा गर्मियों की वजह से कारों में एयर कंडीशनर का इस्तेमाल बढ़ा था। आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में पेट्रोल की बिक्री पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 5.4 प्रतिशत बढ़कर 28 लाख टन हो गई।

शेष माह में तेल की मांग ऊंची बनी रहेगी : अगस्त में पेट्रोल की मांग में वृद्धि लगभग स्थिर रही है। सितंबर में मासिक आधार पर पेट्रोल की मांग 5.6 प्रतिशत बढ़ी है। उद्योग सूत्रों का कहना है कि स्थिर और स्वस्थ आर्थिक गतिविधियों और हवाई यात्रा में सुधार के साथ साल के शेष महीनों में देश में तेल की मांग ऊंची बनी रहेगी।

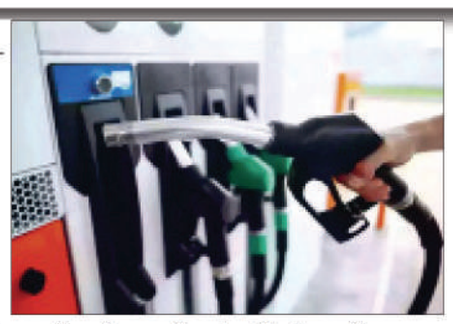

जेट ईंधन की मांग सितंबर में स्थिर रही

मासिक आधार पर जेट ईंधन की मांग सितंबर में स्थिर रही। अगस्त, 2023 में विमान ईंधन की मांग 5,99,100 टन रही थी। रसोई गैस यानी एलपीजी की बिक्री सितंबर में सालाना आधार पर छह प्रतिशत बढ़कर 26.7 लाख टन पर पहुंच गई। सितंबर, 2021 की तुलना में एलपीजी की खपत 11.4 प्रतिशत और कोविड-पूर्व की अवधि यानी सितंबर, 2019 की तुलना में 23.3 प्रतिशत अधिक रही।

यात्रियों के बढ़ने से एटीएफ की मांग बढ़ी: हवाई अड्डों पर यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ने के बीच विमान ईंधन एटीएफ की मांग सितंबर में 7.5 प्रतिशत बढ़कर 5,96,500 टन पर पहुंच गई। सितंबर, 2021 की तुलना में यह 55.2 प्रतिशत अधिक रही। वहीं कोविड-पूर्व यानी सितंबर, 2019 की तुलना में यह 3.55 प्रतिशत कम रही।

भारत की 5जी मोबाइल स्पीड रैंकिंग में 72 पायदान का जंप

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

- स्पीडटेस्ट ग्लोबल इंडेक्स में भारत 47वें स्थान पर
- भारत ने बांग्लादेश, श्रीलंका व पाकिस्तान को पीछे छोड़ा

भारत ने 5जी सेवाओं की शुरुआत कर मोबाइल डाउनलोड स्पीड में उल्लेखनीय वृद्धि हासिल की है। ब्रॉडबैंड और मोबाइल इंटरनेट नेटवर्क की गति की जानकारी देने वाली कंपनी ओकला के अनुसार देश 'स्पीडटेस्ट ग्लोबल इंडेक्स' में 72 पायदान चढ़कर 47वें स्थान पर पहुंच गया है।

इस तरह भारत ने केवल बांग्लादेश, श्रीलंका और पाकिस्तान जैसे अपने पड़ोसियों से आगे है, बल्कि कुछ जी20 देशों, जैसे मेक्सिको (90वां), तुर्की (68वां), ब्रिटेन (62वां), जापान (58वां), ब्राजील (50वां) और दक्षिण अफ्रीका (48वां स्थान) से भी आगे है। देश में 5जी की शुरुआत के बाद से मोबाइल स्पीड में 3.59 गुना वृद्धि देखी गई है। औसत डाउनलोड स्पीड सितंबर 2022 में 13.87 एमबीपीएस था, जो बढ़कर अगस्त 2023 में 50.21 एमबीपीएस हो गई।

ओकला की रिपोर्ट में कहा गया है, 'इस सुधार के कारण स्पीडटेस्ट ग्लोबल इंडेक्स में भारत 119वें स्थान से 72 पायदान ऊपर चढ़कर 47वें स्थान पर पहुंच गया है।'

बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ा

5जी सेवाओं की शुरुआत के साथ सभी दूरसंचार सर्किलों में समग्र उपयोगकर्ता अनुभव में सुधार हुआ है। इस दौरान परिचालकों ने बुनियादी ढांचे में भी उल्लेखनीय निवेश किया है।

पट्टे पर कार्यालय स्थल की मांग पांच फीसदी बढ़ी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वैश्विक स्तर पर प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद सात प्रमुख शहरों में जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान पट्टे पर कार्यालय स्थल की मांग शुद्ध रूप से पांच प्रतिशत बढ़कर 1.03 करोड़ वर्ग फुट हो गई। जेएलएल ने एक रिपोर्ट में यह अनुमान पेश किया है। रियल एस्टेट सलाहकार जेएलएल इंडिया ने सोमवार को पेश अपनी रिपोर्ट में कहा कि एक साल पहले की समान तिमाही में शुद्ध कार्यालय पट्टा 98.6 लाख वर्ग फुट का था। रिपोर्ट के मुताबिक, चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही कार्यालयों को पट्टे पर दिए जाने के मामले में पिछले डेढ़ साल में सबसे अच्छी रही है।

- जेएलएल ने एक रिपोर्ट में अनुमान पेश किया
- मांग शुद्ध रूप से पांच फीसदी बढ़कर 1.03 करोड़ वर्ग फुट

बेंगलुरु में पट्टे की मांग बढ़ी: आलोच्य तिमाही में बेंगलुरु में 23.8 लाख वर्ग फुट कार्यालय स्थल पट्टे पर दिए गए जबकि दिल्ली-एनसीआर में पट्टे पर कार्यालय स्थल की मांग 17 लाख वर्ग फुट रही। चेन्नई, पुणे और कोलकाता में भी पट्टे पर कार्यालय स्थल की मांग बढ़ी। हालांकि, हैदराबाद और मुंबई में किराये पर दिए गए कार्यालय क्षेत्र में शुद्ध रूप से गिरावट दर्ज की गई है।

सितंबर में कोल इंडिया के उत्पादन में वृद्धि

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया लि. (सीआईएल) का कोयला उत्पादन सितंबर में सालाना आधार पर 12.6 प्रतिशत बढ़कर 5.14 करोड़ टन पर पहुंच गया। इससे पिछले साल के समान महीने में कंपनी ने 4.57 करोड़ टन कोयले का उत्पादन किया था। बीएसई को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में उसका उत्पादन 11.3 प्रतिशत बढ़कर 33.29 करोड़ टन हो गया, जो एक साल पहले समान अवधि में 29.9 करोड़ टन था। सितंबर में सीआईएल का कोयला उठाव 12.6 प्रतिशत बढ़कर 5.51 करोड़ टन रहा, जो पिछले वित्त वर्ष के इसी महीने में 4.89 करोड़ टन था। अप्रैल-सितंबर की अवधि में महारत्न कंपनी का कोयला उठाव भी 8.6 प्रतिशत बढ़कर 36.07 करोड़ टन हो गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 33.2 करोड़ टन था।

सेबी ने अफवाह का खंडन या पुष्टि की समयसीमा बढ़ाई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

- सूचीबद्ध कंपनियों को अनिवार्य रूप से अफवाहों की पुष्टि करनी होगी
- 100 सूचीबद्ध कंपनियों के लिए समयसीमा फरवरी 2024 तक बढ़ी

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सूचीबद्ध कंपनियों के लिए बाजार अफवाहों की अनिवार्य रूप से पुष्टि या उनका खंडन करने की समयसीमा बढ़ा दी है। सेबी के ताजा परिपत्र के अनुसार, बाजार पूंजीकरण के लिहाज से शीर्ष 100 सूचीबद्ध कंपनियों के लिए यह समयसीमा बढ़ाकर एक फरवरी, 2024 तक कर दी गई है। पहले यह समयसीमा एक अक्टूबर, 2023 थी। इसी तरह बाजार पूंजीकरण के लिहाज से शीर्ष 250 कंपनियों के लिए यह समयसीमा अब एक अगस्त, 2024 से लागू होगी। पहले इसे एक अप्रैल, 2024 से लागू किया जाना था। इस नियम का मकसद सूचीबद्ध इकाइयों में कामकाज के संचालन को मजबूत करना है। सेबी ने कहा, बाजार पूंजीकरण के लिहाज से शीर्ष 100 सूचीबद्ध कंपनियों के लिए सूचीबद्धता दायित्व और खुलासा जरूरत (एलओडीआर) नियमों का कार्यान्वयन अब एक फरवरी, 2024 से होगा।

200 कंपनियों के लिए नियम अगस्त 2024 से

वहीं बाजार पूंजीकरण के लिहाज से शीर्ष 250 कंपनियों के लिए यह नियम एक अगस्त, 2024 से लागू होगा। इससे पहले जून में सेबी ने नियमों को अधिसूचित करते हुए बाजार पूंजीकरण के आधार पर इन सूचीबद्ध कंपनियों को मुख्यधारा के मीडिया में बाजार अफवाह का खंडन या पुष्टि करने को कहा था।

जीडीपी वृद्धि दर 2023-24 में 6.5 प्रतिशत रहेगी: राजीव कुमार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

- सरकार के सुधार योजना का आर्थिक स्थिति को हो रहा फायदा
- भारत को आठ फीसदी से अधिक की वृद्धि दर की जरूरत

नीति आयोग के पूर्व वाइस चेयरमैन राजीव कुमार ने सोमवार को चालू वित्त वर्ष में देश की आर्थिक वृद्धि दर लगभग 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने पिछले नौ साल में जो सुधार किए हैं, उससे देश की व्यापक आर्थिक स्थिति को फायदा हो रहा है।

कुमार ने यह भी कहा कि भारत को आठ प्रतिशत से अधिक की वृद्धि की जरूरत है और देश ऐसा करने में सक्षम है। देश की युवा आबादी की आकांक्षाओं को पूरा करने और अपने कार्यबल के लिए पर्याप्त नौकरियां पैदा करने के लिए आर्थिक वृद्धि को इस स्तर पर लाना जरूरी है।

पूर्व चेयरमैन ने कहा, 'मेरा अनुमान है कि वित्त वर्ष 2023-24 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहेगी। मुझे लगता है कि हम अगले कुछ साल इस वृद्धि दर को आसानी से बनाए रख सकते हैं।' भारत की जीडीपी वृदि दर 2022-23 में 7.2 फीसदी रही थी, जो 2021-22 के 9.1 फीसदी से कम है।

प्रत्यक्ष विदेशी निवेश जारी है

भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमान के मुताबिक चालू वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.5 फीसदी रह सकती है। कुमार ने आगे कहा कि भारत का चालू खाता घाटा संभाला जा सकता है और देश का विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 11 महीने के आयात को पूरा करने के लिए पर्याप्त है और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश जारी है।

दुनिया के 10 सबसे धीमे शहरों में भारत के तीन

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

यातायात गति के मामले में दुनिया के 10 सबसे धीमे शहरों में तीन भारत के हैं। अमेरिका स्थित एक गैर-सरकारी संगठन की रिपोर्ट में यह कहा गया है। रिपोर्ट के अनुसार ट्रैफिक गति सूचकांक में कोलकाता, महाराष्ट्र के भिवंडी और बिहार के आरा को दुनिया के 10 सबसे धीमे शहरों में शामिल किया गया है। नेशनल ब्यूरो ऑफ इकोनॉमिक रिसर्च (एनबीईआर) के इस अध्ययन में 152 देशों के 1,200 से अधिक शहरों को शामिल किया गया। इस रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका के फ्लिंट शहर में वाहनों की गति सबसे अधिक तथा बांग्लादेश की राजधानी ढाका में सबसे कम है। बोगोटा (कोलंबिया) को सबसे अधिक भीड़भाड़ वाला शहर बताया गया। सबसे कम गति वाले 10 शहरों में नौ बांग्लादेश, भारत और नाइजीरिया में हैं।

- भारत के तीन शहर भिवंडी, कोलकाता और आरा शामिल
- अमेरिका के फ्लिंट शहर में वाहनों की गति सबसे अधिक

भीड़ वाले शहरों में बेंगलुरु 8वें स्थान पर: दुनिया के सबसे अधिक भीड़भाड़ वाले शहरों में बेंगलुरु को 8वां स्थान मिला। इसके बाद मुंबई (13वां) और दिल्ली (20वां) का स्थान रहा। शोधकर्ताओं ने इस अध्ययन के लिए 12 जून से पांच नवंबर 2019 बीच के गूगल मैप के आंकड़ों का इस्तेमाल किया।

देश की इकोनॉमी को हिला रही बचत में आई कमी

कई दशकों के निचले स्तर पर आई आम लोगों की सेविंग

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पहले की पीढ़ी ने बैंकों से लेकर डाकघर की बचत स्कीमों तक कई तरह से सेविंग की। लेकिन मौजूदा समय में देश के आम घरों की सेविंग (हाउसहोल्ड सेविंग्स) कई दशकों के निचले स्तर पर चली गई है।

दूसरी ओर लोगों की देनदारियां बढ़ रही है, ऐसे में सेविंग्स में आई ये गिरावट देश की इकोनॉमी को हिला रही है। अगर बीते 10 साल का औसत देखें तो आम घरों की सेविंग देश की जीडीपी के अनुपात में 7.7 प्रतिशत पर बनी रही है। वहीं 2020-21 में जब कोविड के दौरान लोगों के खर्चे घटे, तब ये सेविंग्स 11.5 प्रतिशत पर चली गई। वहीं 2022-23 में ये घटकर महज 5.1 प्रतिशत पर आ गई हैं।

घटी सेविंग-बढ़ा कर्ज: एक तरफ आम लोगों की सेविंग घटी है, दूसरी ओर उन पर कर्ज का बोझ बढ़ा है। लोगों के एसेट्स में भी बढ़ोतरी हुई है, इसका मतलब लोगों की सेविंग का एक हिस्सा एसेट क्रिएशन में जा रहा है। आरबीआई के कई बार ब्याज दरों में बढ़ोतरी के बावजूद देश में कर्ज का बोझ 75 प्रतिशत बढ़ा है, इसमें बैंक लोन की ग्रोथ 56.65 प्रतिशत रही है।

क्यों जरूरी है आम लोगों का सेविंग करना?

भारत की नेशनल इनकम में उपभोग और निवेश दोनों का योगदान होता है। लोगों के सेविंग करने से निवेश के लिए फंड जेनरेट होता है, जो नेशनल इनकम में मदद करता है। बचत में आम लोग, प्राइवेट कॉरपोरेट और पब्लिक सेक्टर की भागीदारी होती है। इसलिए जब सरकार को अपना खर्च बढ़ाना होता है, तब उसे अपना रिवेन्यू बढ़ाना होता है और इस काम में ये आम लोगों की बचत ही काम आती है। इसकी गैर-मौजूदगी में सरकार को बाहर से लोन लेना पड़ता है।

ऐसे हिल रही देश की इकोनॉमी

आम लोगों की बचत गिरने से सरकार को अपनी वित्तीय स्थिति और राजकोषीय स्थिति सुधारने में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। दूसरी ओर लोगों का कर्ज बढ़ने से उन पर दबाव बढ़ा है जो देश में उपभोग यानी कंजप्शन को नुकसान पहुंचा रहा है, यानी नेशनल इनकम में एक और नुकसान। जीडीपी की तुलना में हाउसहोल्ड कर्ज 2022-23 में बढ़कर 37.6 प्रतिशत हो गया है।

आखिर क्यों घट रही आम घरों की सेविंग

2022-23 में आम घरों की सेविंग कई दशकों के निचले स्तर पर आई है। इसकी एक बड़ी वजह कोविड के बाद मार्केट में डिमांड बढ़ गई, लेकिन सप्लाई सीमित बनी रही। इसकी वजह से महंगाई दर में तेजी देखी गई। वहीं रूस-यूक्रेन युद्ध ने एनर्जी प्राइसेस को बढ़ाने का काम किया, जिसका नतीजा ग्लोबल सप्लाई चेन पर पड़ा और इससे भी महंगाई और बढ़ गई।

घट रही लोगों की क्रयशक्ति

भारत में रिटेल महंगाई दर 2022-23 में औसत 6.7 प्रतिशत पर रही, जबकि इससे पिछले एक दशक का औसत 5.4 प्रतिशत था। इस तरह ऊंची महंगाई और लोगों की घटती क्रयशक्ति ने आम घरों की सेविंग पर असर डाला है।

वर्ल्ड कप : भारत पहली बार अकेले करेगा मेजबानी, नए नियमों से मजा हो जाएगा दोगुना

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप 2023 का बिगुल जल्द ही बजने वाला है। क्रिकेट फैन्स को भी इसका बेसब्री से इंतजार है। टूर्नामेंट का आगाज 5 अक्टूबर को होगा। पहला मुकाबला डिफेंडिंग चैंपियन इंग्लैंड और पिछली बार की उपविजेता न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। फाइनल यानी खिताबी मुकाबला 19 नवंबर को होगा। बता दें कि इस बार का यह वर्ल्ड कप अपने आप में एक अलग ही इतिहास रचने जा रहा है। इस बार कुछ चीजें ऐसी होंगी जो पहले कभी नहीं हुई हैं। कई नियम बदले गए हैं, जिनसे फैन्स का मजा भी दोगुना होने वाला है। आइए जानते हैं पहली बार होने वाली उन चीजों के बारे में...

भारत करेगा मेजबानी

सबसे बड़ी बात तो यही होगी कि इस बार वर्ल्ड कप की मेजबानी अकेला भारत ही करेगा। ऐसा क्रिकेट इतिहास में ऐसा पहली बार हो रहा है, जब भारत अकेले ही वर्ल्ड कप की मेजबानी करने जा रहा है। इससे पहले भारत 1987, 1996 और 2011 के वनडे क्रिकेट वर्ल्ड कप की संयुक्त मेजबानी कर चुका है।

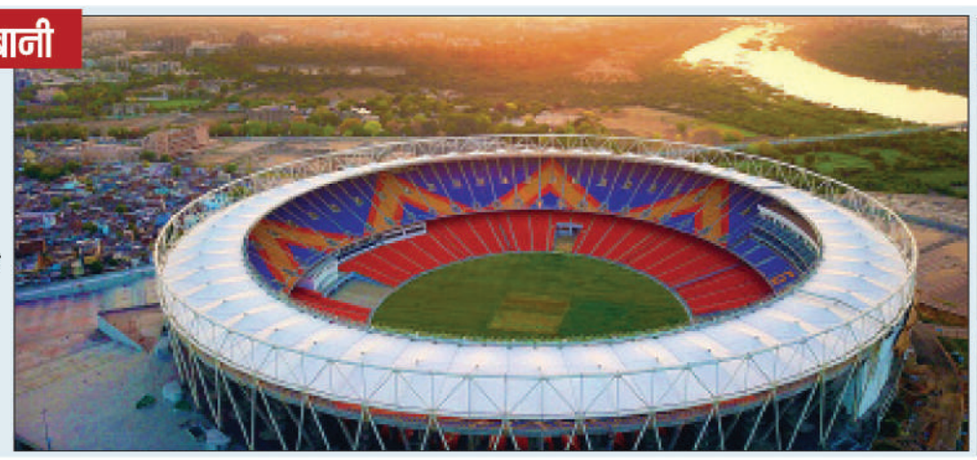

बाउंड्री काउंट नियम नहीं

बाउंड्री काउंट नियम ने पिछले यानी वर्ल्ड कप 2019 में काफी अहम भूमिका निभाई थी। उस टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच टाई हो गया था। इसके बाद सुपर ओवर खेला गया, वो भी टाई हुआ था। तब बाउंड्री काउंट नियम से नतीजा निकला था। तब मैच में सबसे ज्यादा बाउंड्री लगाने के चलते इंग्लैंड को चैंपियन घोषित किया गया था।

वेस्टइंडीज बाहर

क्रिकेट इतिहास में यह भी पहली बार हो रहा है कि वेस्टइंडीज टीम किसी वनडे वर्ल्ड कप का हिस्सा नहीं होगी। 1975 और 1979 के वर्ल्ड कप में तो विंडीज ने क्लाइव लॉयड की कप्तानी में वर्ल्ड कप खिताब भी जीता था। मगर इस बार वो वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकी है। बता दें कि इस बार वर्ल्ड कप में कुल 10 टीमें भाग ले रही हैं।

70 मीटर प्लस की बाउंड्री

इस बार वर्ल्ड कप के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने कई वेन्यू के पिच क्यूरेटरों के लिए एक 'प्रोटोकॉल' तैयार किया है। आईसीसी ने पिचों पर ज्यादा घास रखने के लिए कहा है। साथ ही कहा कि बाउंड्री का साइज 70 मीटर से कम नहीं होना चाहिए। इससे ज्यादा हो सकता है। बता दें कि यह बाउंड्री साइज वाली बात इससे पहले कभी वर्ल्ड कप में सामने नहीं आई है। इंटनरेशनल मैचों में बाउंड्री का मिनीमम साइज 65 मीटर होता है जबकि मैक्सिमम साइज 85 मीटर का होता है।

नहीं होगा सॉफ्ट सिग्नल

आईसीसी ने इसी साल जून से ही सॉफ्ट सिग्नल के नियम को खत्म कर दिया है। यानी इस बार वर्ल्ड कप में यह सॉफ्ट सिग्नल नियम देखने को नहीं मिलेगा। आखिर क्या है ये नियम? दरअसल, सॉफ्ट सिग्नल गेंदबाजी के छोर पर खड़े अम्पायर की ओर से थर्ड अम्पायर के लिए एक विजुअल कम्युनिकेशन है। जिसमें मैदानी अम्पायर अपना निर्णय देता है, फिर उसी निर्णय पर अम्पायर का रिव्यू (थर्ड अम्पायर रिव्यू) लेता है।

खबर संक्षेप

श्रीकांत, सात्विक-चिराग ने दूसरे दौर में बनाई जगह

हांगझोउ। भारत के किदाम्बी श्रीकांत एशियाई खेलों की बैडमिंटन स्पर्धा में वियतनाम के फाट ले डुक को हराकर पुरुष एकल वर्ग के दूसरे दौर में पहुंच गए। विश्व चैंपियनशिप 2021 के रजत पदक विजेता श्रीकांत ने 29 मिनट में 21-10, 21-10 से जीत दर्ज की। राष्ट्रमंडल खेल स्वर्ण पदक विजेता सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी पुरुष युगल प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए जिन्होने हांगकांग के चो हिन लॉग और लुइ चुन वेइ को 21-11, 21-16 से मात दी। मिश्रित युगल में के साइ प्रतीक और तनीषा क्रास्टो ने मकाउ के लियोंग लोग चोंग और वेंग चि एंग को 21-18, 21-14 से हराया।

कबड्डी टीम ने चीनी ताइपे से 34-34 से ड्रॉ खेला

हांगझोउ। भारतीय महिला कबड्डी टीम की एशियाई खेलों में शुरुआत अपेक्षित नहीं रही जब ग्रुप ए में चीनी ताइपे ने उसे 34-34 से बराबरी पर रोक दिया। चीनी ताइपे ने पूरे मुकाबले के दौरान भारतीय टीम को कड़ी टक्कर दी और अंतिम रेड पर बोनस अंक के साथ मुकाबले को ड्रॉ कराया। महिला टीम अपने अगले मैच में मंगलवार को दक्षिण कोरिया से भिड़ेगी जबकि पुरुष टीम ग्रुप ए में बांग्लादेश के खिलाफ उतरेगी। भारतीय महिला टीम ने धीमी शुरुआत की लेकिन वापसी करते हुए पहले हाफ के बाद बढ़त बनाने में सफल रही।

कप्तानी का मेरा अपना तरीका : गायकवाड़

हांगझोउ। महेंद्र सिंह धोनी से काफी कुछ सीखा है लेकिन पहली बार एशियाई खेलों की क्रिकेट स्पर्धा में भारतीय पुरुष टीम की कप्तानी कर रहे ऋतुराज गायकवाड़ ने कहा कि उनकी कप्तानी की अपनी शैली है। महिला टीम के बाद अब भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम भी स्वर्ण पदक की दावेदार होगी। भारतीय टीम मंगलवार को क्वार्टर फाइनल खेलेगी। भारतीय कोच वीवीएस लक्ष्मण ने कहा कि चीन में क्रिकेट खेलना अनोखा अनुभव होगा।

इंग्लैंड ने बांग्लादेश को चार विकेट से हराया

गुवाहाटी। इंग्लैंड ने विश्व कप के अभ्यास क्रिकेट मैच में सोमवार को यहां बांग्लादेश को 77 गेंद शेष रहते हुए चार विकेट से हराया। बांग्लादेश ने मेहदी हसन मिराज के 74 रन की मदद से जब 37 ओवर में 9 विकेट पर 188 रन बनाए थे तब बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा था। खेल शुरू होने पर इंग्लैंड को डकवर्थ लुईस पद्धति के आधार पर 37 ओवर में 197 रन बनाने का लक्ष्य मिला जो उसने 24.1 ओवर में छह विकेट खोकर हासिल कर दिया। मोईन अली ने 39 गेंद पर दो चौकों और छह छक्कों की मदद से 54 रन बनाए।

एशियाई खेल : 5 मैचों में दागे 58 गोल और सिर्फ खाए 5 गोल

भारत की 5वीं जीत, बांग्लादेश को 12-0 से रौंदकर अंतिम-4 में पहुंचा

एजेंसी ▶▶ हांगझोउ

कप्तान हरमनप्रीत सिंह और मनदीप सिंह की हैट्रिक की मदद से भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एशियाई खेलों में पूल ए के मैच में बांग्लादेश को 12-0 से हराकर पूल में शीर्ष पर रहकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। भारतीय टीम ने पूल चरण के पांच मैचों में 58 गोल किए और सिर्फ पांच गोल गंवाए। इससे पहले भारतीय टीम ने उज्बेकिस्तान को 16-0 से, सिंगापुर को 16-1 से, पाकिस्तान को 10-2 से और जापान को 4-2 से हराया था।

भारत के लिए कप्तान हरमनप्रीत (दूसरा, चौथा और 32वां मिनट) और मनदीप सिंह (18वां, 24वां और 46वां मिनट) ने तीन तीन गोल दागे। वहीं अभिषेक (41वां और 57वां) ने दो गोल किए जबकि अमित रोहिदास (28वां) , ललित उपाध्याय (23वां), गुरजंत सिंह (56वां) और नीलाकांता शर्मा (47वां) ने एक एक गोल किया। बांग्लादेश की टीम भारतीय गोल पर हमले नहीं कर सकी और एक बार फिर भारतीय गोलकीपर मूक दर्शक बने रहे। अब चार अक्टूबर को होने वाले सेमीफाइनल में भारत का सामना पूल बी की दूसरे नंबर की टीम से होगा।

भारत का सामना अब पूल बी की दूसरे नंबर की टीम से होगा

मध्यांतर तक स्कोर 6-0

हरमनप्रीत ने दूसरे ही मिनट में मैच के पहले पेनल्टी कॉर्नर पर भारत को बढ़त दिलाई। कप्तान ने दो मिनट बाद एक और पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दागा। युवा अभिषेक और मनदीप ने मिलकर मैदानी गोल किए। अभिषेक ने मनदीप और ललित के गोल में मदद भी की। भारत को इसके बाद तीसरा पेनल्टी कॉर्नर मिला। हरमनप्रीत के प्रयास को बांग्लादेश के गोलकीपर मोहम्मद नोयोन ने रोका लेकिन रिबाउंड पर मनदीप ने गोल दाग दिया। रोहिदास ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल किया जिससे भारत मध्यांतर तक 6-0 से आगे था।

पेनल्टी कॉर्नर गोल में बदले

दूसरे हाफ में भारत को लगातार पेनल्टी कॉर्नर मिले। हरमनप्रीत ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर हैट्रिक पूरी की। अभिषेक ने इसके बाद रिवर्स हिट से गोल दागे जबकि मनदीप और अभिषेक ने शानदार मूव बनाते हुए भारत को 9-0 से आगे किया। नीलाकांता ने एक मिनट बाद रिबाउंड पर गोल दागा। गुरजंत और अभिषेक ने अंतिम पांच मिनट में दो और गोल दागकर भारत की 12-0 से जीत

7 मैदानी गोल

भारत ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने में सफलता हासिल की जबकि मैदानी गोल भी दागे। भारतीय टीम ने सात मैदानी गोल दागने के अलावा 11 में से पांच पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। भारत ने पूरे मैच के दौरान लगातार हमले किए और दोनों हाफ में छह-छह गोल दागे।

ऑस्ट्रेलियाई टीम की तकदीर के लिए बेहद अहम साबित होंगे मैक्सवेल

वर्ल्ड कप 12 साल बाद भारत में आयोजित हो रहा है और अगले 7 हफ्ते हम उम्मीदें पूरी होने व टूटने के रोमांचक सफर पर रहेंगे। इस तरह के टूर्नामेंट में जहां सभी 10 टीमें एक-दूसरे से भिड़ती हैं तो उलटफेर की काफी ज्यादा आशंका रहती है। मगर फिर भी मैं अपने इस अनुमान पर कायम रहना चाहूंगा कि भारत, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की टीमें नॉकआउट चरण में जगह बनाने में कामयाब रहेंगी।

मेरे हिसाब से भारत और इंग्लैंड की टीमें मजबूत दावेदार के तौर पर शुरुआत करेंगी। भारतीय टीम ने सही समय पर रफ्तार पकड़ी है। टीम के सभी बल्लेबाजों ने फॉर्म हासिल कर ली है और जसप्रीत बुमराह व मोहम्मद सिराज की अगुआई में टीम का गेंदबाजी आक्रमण भी लय पकड़ चुका है। चोटिल अक्षर पटेल की जगह रविचंद्रन अश्विन को टीम में शामिल किया जाना फायदे का सौदा कहा जा सकता है। मुझे अक्षर के लिए अफसोस है लेकिन विराट कोहली की तरह ही अश्विन भी वर्ल्ड कप विजेता टीम का हिस्सा रह चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया को पता है कि छोटे-छोटे मौके और बड़े-बड़े मैच कैसे जीते जाते हैं, तभी ये टीम पांच बार विश्व खिताब अपने नाम कर चुकी है। आईपीएल के कई सीजन खेलने के चलते उनके खिलाड़ी भारतीय हालात से भी अच्छी तरह वाकिफ हैं। मुझे लगता है कि अपनी ऑलराउंड क्षमता के चलते ग्लेन मैक्सवेल ऑस्ट्रेलिया की तकदीर के लिए बेहद अहम साबित होंगे। हालांकि चोट के चलते एश्टन एगर को खोना टीम के लिए झटका है। वनडे क्रिकेट में एक बाएं हाथ का स्पिनर काफी बड़ी पूंजी होती है।

क्रिस श्रीकांत
की कलम से

16 को कोलकाता आएंगे रोनाल्डिन्हो

कोलकाता। *ब्राजील के विश्व कप विजेता फुटबॉलर रोनाल्डिन्हो दुर्गापूजा से पहले कोलकाता आएंगे। तीन बार के बलोन डिओर विजेता रोनाल्डिन्हो से पहले पेले, डिएगो माराडोना और लियोनेल मेसी भारत आ चुके हैं। रोनाल्डिन्हो ने अपने आधिकारिक फेसबुक पेज पर लिखा, 'मैं इस साल अक्टूबर के बीच में पहली बार कोलकाता आऊंगा। कोलकाता में ब्राजील के बड़े प्रशंसक हैं और मैं उनसे मिलने को बेकरार हूं।' वह पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से भी मिलकर उन्हें जर्सी भेंट करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वह बंगाल के दादा (सौरव गांगुली) से क्रिकेट भी सीखना चाहेंगे।*

वित्या ने की पीटी उषा के राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी

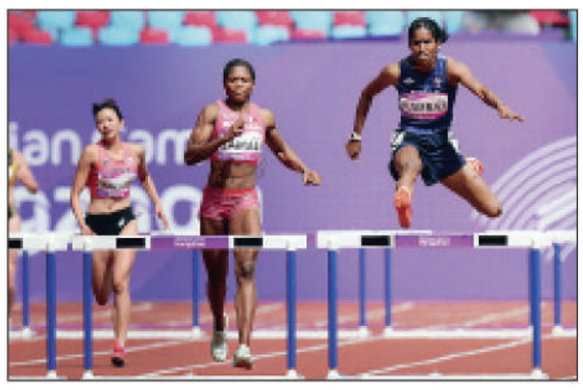

एजेंसी ▶▶ हांगझोउ

भारत की वित्या रामराज ने 400 मीटर बाधा दौड़ में पी टी उषा के राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी की। उसने अपनी हीट में 55.42 सेकंड का समय निकालकर सीधे फाइनल में जगह बनाई। उषा ने 1984 में यह रिकॉर्ड बनाया था। पुरुषों की 400 मीटर बाधा दौड़ में संतोष कुमार टी और यशास पलक्षा ने 49.28 और 49.61 सेकंड का समय निकालकर फाइनल में जगह बनाई।

पुरुषों की ऊंची कूद में संदेश जेस्से और सर्वेश अनिल कुशारे ने 2.10 मीटर की कूद लगाकर नौवें स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई। संदेश पूल ए में छठे और सर्वेश पूल बी में चौथे स्थान पर रहे। भारत के तेजस्विन शंकर शॉटपुट में सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए एशियाई खेलों में सोमवार को पुरुषों की डेकाथलन स्पर्धा में पांचवें स्थान पर पहुंच गए जबकि दो स्पर्धाएं अभी बाकी हैं। पिछले साल राष्ट्रमंडल खेलों में ऊंची कूद में कांस्य पदक जीतने वाले शंकर ने शॉटपुट में 13.39 मीटर का थ्रो फेंका। उन्होंने 100 मीटर दौड़ में 11.12 मीटर के साथ चौथा स्थान हासिल किया और लंबी कूद में 7.37 मीटर के साथ शीर्ष रहे। अब उनके कुल 2428 अंक है। उन्हें लंबी कूद में 903, 100 मीटर रेस में 834 और शॉटपुट में 691 अंक मिले। अब वह ऊंची कूद और 400 मीटर रेस मे भाग लेंगे।

घोषाल जीते, जोशना उलटफेर की शिकार

हांगझोउ। स्टार भारतीय खिलाड़ी जोशना चिनप्पा सोमवार को यहां एशियाई खेलों की स्क्वाश स्पर्धा के महिला एकल प्री क्वार्टर फाइनल में हार के साथ प्रतियोगिता से बाहर हो गई। सबसे पहले कोर्ट पर उतरी जोशना (70वें) को 37 मिनट में दक्षिण कोरिया की 158वें रैंकिंग वाली खिलाड़ी हियो मिंगयिओंग के खिलाफ 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। जोशना की हार को बड़ा उलटफेर माना जा रहा है क्योंकि वह पदक की दावेदार थी। एक अन्य भारतीय तन्वी खन्ना ने थाईलैंड की अरिचिया चुजित के खिलाफ 11-1 11-3 11-2 की आसान जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। घोषाल ने अलतमीमी को 11-4, 11-4, 11-6 से हराया जबकि मनगांवकर ने सुकयु को 11-6 11-2 11-6 से शिकस्त दी।

तीरंदाजी में सभी टीमों ने दर्ज की जीत

एजेंसी ▶▶ हांगझोउ

भारतीय तीरंदाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सोमवार को एशियाई खेलों में सभी टीम स्पर्धाओं में क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। पांचवीं वरीयता प्राप्त अतनु दास और अंकिता भकत ने मलेशिया के स्याकिरा बिंटी एम और मुहम्मद जरीफ स्याहिर बिन जोकेपेली को 39-38, 37-36, 39-33 से हराया।

कंपाउंड मिश्रित वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त ओजस देवताले और ज्योति सुरेखा वेन्नम ने संयुक्त अरब अमीरात के मोहम्मद बिनामरो और आमना अलावाधी को 159-151 से मात दी। कंपाउंड टीम वर्ग में दूसरी वरीयता प्राप्त ओजस, अभिषेक वर्मा और प्रथमेश जावकर ने 15वीं वरीयता प्राप्त सिंगापुर (चून तेंग एंग, ली चुंग ही एलेन और जुन हुइ गोह) को 235-219 से हराया। शीर्ष वरीयता प्राप्त महिला कंपाउंड टीम (ज्योति, अदिति स्वामी और परनीत कौर) क्वार्टर फाइनल में नौवीं वरीयता प्राप्त हांगकांग से खेलेगी जिसने बांग्लादेश को 225-218 से हराया। दास, धीरज और तुषार शेल्के की पुरुष रिकर्व टीम ने हांगकांग के क्वोक यिन चाइ, लॉ क्वुन पोक लूसियेन और चुन किट को 58-47, 57-49, 57-55 से हराया।

ओपनिंग सेरेमनी में धूम मचाएंगी तमन्ना

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आईसीसी वनडे विश्व कप 2023 का बिगुल बज चुका है। 5 अक्टूबर से डिफेंडिंग चैंपियन इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबले से इसकी आधिकारिक शुरुआत हो जाएगी। हालांकि उससे पहले 4 अक्टूबर को विश्व कप के ओपनिंग सेरेमनी का आयोजन किया जाएगा। इस ओपनिंग सेरेमनी में बॉलीवुड के कई बड़े कलाकार अपनी प्रस्तुति देने वाले है। रिपोर्ट के मुताबिक ओपनिंग सेरेमनी में बॉलीवुड स्टार रणवीर सिंह परफॉर्मेंस देंगे। इसके अलावा एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया भी अपनी डांस परफॉर्मेंस से क्रिकेट फैंस का मनोरंजन करेंगी। ओपनिंग सेरेमनी का आयोजन अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में किया जा रहा है जिसकी शुरुआत शाम के 7 बजे से होगी। क्रिकेट फैंस इसका लाइव स्ट्रीमिंग डिज्नी हॉटस्टार पर देख सकते हैं। रणवीर सिंह और तमन्ना भाटिया के अलावा मशहूर सिंगर आशा भोसले भी अपनी प्रस्तुती देंगे। इसके अलावा अरिजीत सिंह और श्रेया घोषाल भी परफॉर्म करेंगी। वहीं संगीतकार और सिंगर शंकर महादेवन भी अपने बैंड के साथ धमाल मचाने के लिए तैयार हैं।

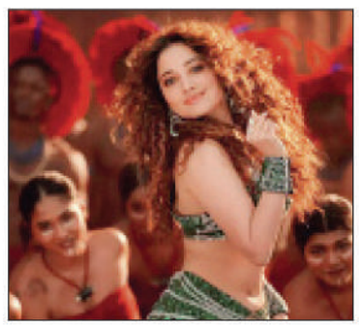

ईरानी ट्रॉफी

करिअप्पा और सौरभ ने चटकाए तीन-तीन विकेट

शेष भारत पहली पारी में बड़ी बढ़त के करीब

एजेंसी ▶▶ राजकोट

विद्युत करिअप्पा और सौरभ कुमार के तीन-तीन विकेट की मदद से शेष भारत ने सोमवार को यहां चेतेश्वर पुजारा की अगुवाई वाले सौराष्ट्र के बल्लेबाजी क्रम को झकझोर कर ईरानी ट्रॉफी क्रिकेट मैच में पहली पारी में बड़ी बढ़त हासिल करने की तरफ कदम बढ़ाए।

सौराष्ट्र ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी पहली पारी में नौ विकेट पर 212 रन बनाए हैं और वह शेष भारत से 96 रन पीछे है। शेष भारत ने सुबह अपनी पहली पारी आठ विकेट पर 298 रन से आगे बढ़ाई और उसकी टीम इस स्कोर में केवल 10 रन जोड़कर 308 रन पर आउट हो गई। इसके बाद हालांकि शेष भारत के गेंदबाजों ने सौराष्ट्र के बल्लेबाजों को भी नहीं टिकने दिया। भारतीय टेस्ट टीम में वापसी की कवायद में लगे पुजारा ने केवल 29 रन बनाए। उनके अलावा समर्थ व्यास (29), प्रेरक मांकड़ (29) और पार्थ भुत (20) ने भी 20 रन की संख्या को छुआ लेकिन कोई भी बड़ी पारी नहीं खेल पाया। सौराष्ट्र यदि 200 रन के पार पहुंच पाया तो उसका श्रेय अर्पित वासवदा को जाता है जिन्होंने 54 रन की पारी खेली। स्टंप उखड़ने के समय कप्तान जयदेव उनादकट 17 रन पर खेल रहे थे जबकि युवराज सिंह डोढ़िया को अभी अपना खाता खोलना है। शेष भारत की तरफ से करिअप्पा और सौरभ के अलावा शम्स मुलानी ने दो जबकि पुलकित नारंग ने एक विकेट लिया है।

अफगानिस्तान क्रिकेट ने अजय जडेजा को बनाया मेंटॉर, विश्व कप के लिए लिया अहम फैसला

आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप 2023 के लिए अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पूर्व भारतीय खिलाड़ी अजय जडेजा को अफगानिस्तान क्रिकेट टीम का मेंटॉर बनाया है। 2015 और 2019 के वर्ल्ड कप में अफगान टीम ने खराब प्रदर्शन किया था। जिसके चलते इस वर्ल्ड कप के लिए बोर्ड ने ये फैसला किया है। बता दें कि, अफगानिस्तान ने 2019 के वनडे वर्ल्ड कप में सभी मैच गंवा दिए थे। टीम ने 9 मुकाबले खेले थे। जिसमें टीम को किसी भी मुकाबले में जीत हासिल नहीं हुई। वहीं इससे पहले 2015 के वनडे वर्ल्ड कप में अफगानिस्तान ने कुल 6 मुकाबले खेले थे। जिसमें टीम ने 5 गंवाए थे और महज 1 में ही जीत दर्ज की थी। ऐसे में इस बार टीम आगामी वर्ल्ड कप में अच्छा प्रदर्शन जरूर करना चाहेगी। बहरहाल, भारत की मेजबानी में होने वाले वर्ल्ड कप की शुरूआत 5 अक्टूबर से होगी। जबकि अफगान टीम अपना पहला मुकाबला 7 अक्टूबर को बांग्लादेश के खिलाफ धर्मशाला में खेलेगी। फिर अफगानी टीम की दूसरी भिड़ंत भारत से 11 अक्टूबर को दिल्ली में होगी। वहीं अजय जडेजा की बात करें तो उन्होंने 1996 के वर्ल्ड कप में भारत के लिए खेला था। ऐसे में वे वर्ल्ड कप में अफगान टीम के लिए काफी कारगर साबित हो सकते हैं। अजय ने भारत के लिए 15 टेस्ट और 196 वनडे खेले हैं। जिनमें उन्होंने 179 वनडे पारियों में 5359 रन बनाए हैं। साथ ही उन्होंने 1992 से 2000 तक भारत के लिए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेला है।

बच्चों के कार्यक्रम ने अधिकारियों का मन मोहा

प्रखर पूर्वांचल, सहजनवां। 2 अक्टूबर गांधी जयंती और लाल बहादुर शास्त्री जयंती के अवसर पर ब्लूमिंग बड्स स्कूल के नौनिहालों ने सहजनवां तहसील में एसडीएम कुंवर सचिन सिंह और तहसीलदार राकेश कनौजिया की उपस्थिति में रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये, बच्चों की मनमोहक प्रस्तुति ने अधिकारियों का मन मोह लिया। इसके बाद विद्यालय के शिक्षकों और कर्मचारियों ने सहजनवां सीएचसी पर फलाहार भी विवरण किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक वैभव चतुवेर्दी, प्रधानाचार्य पूर्णिमा राय ,संगीता सिंह सिसौदिया,शिल्पी सिंह सोलंकी ,साक्षी गुप्ता ,ऋचा वर्मा, सुरभि मिश्रा, सौम्या पाठक, शालिनी राजभर, हिमांशु श्रीवास्तव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

गांधी जी ने सत्य और अहिंसा का दिया बढ़ावा: अजय सिंह

प्रखर खेतासराय जौनपुर। राष्ट्र पिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती विविध स्थानों पर धूम धाम से मनाई गई । सभी स्थानों पर बाबू-शास्त्री की बखान की गई । उनके पदचिन्हों पर चलने की शपथ दिलाई गई । विकास खण्ड सोंधी में ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अजय सिंह और बीडीओ जितेंद्र सिंह ने सँयुक्त रूप से दोनों महान हस्तियों को पुष्पांजलि अर्पित की । इस मौके पर बोलते हुए प्रमुख प्रतिनिधि अजय सिंह ने कहा कि महात्मा गांधी ने पूरे जीवन अहिंसा को बढ़ावा दिया । उन्होंने लोगों से सत्य अहिंसा पर चलने को कहा । श्री सिंह उनके इतिहास पर चर्चा करते हुए कहा कि साल1930 में महात्मा गांधी को टाइम्स मैगजीन के 'पर्सन ऑफ द ईयर' में शामिल किया गया था। उनका नाम 'बापू' शब्द बिहार के चंपारण जिले के एक किसान दिया था । श्री सिंह शास्त्री की भी स्मृतियों का वर्णन किया । कार्यक्रम के पश्चात श्रमदान भी किया गया । शाहगंज स्तिथ खादी आश्रम में अधिकारियों व कर्मियों ने विजिट किया । खेतासराय थाना में एसओ चंदन रॉय, खुदौली स्तिथ सर्वोदय इंटर कालेज में अनिल उपाध्याय, नेशनल चिल्ड्रन स्कूल में राममूर्ति यादव, जेडी कान्वेंट स्कूल में इंद्रजीत सिंह ने दोनों लोगों की जयंती मनाई । यहाँ ब्लॉक पर बीडीओ के एलावा अजय यादव, विजय कश्यप, उजागिर यादव, मन्नू नेता समेत अन्य लोग शामिल रहे।

आईजीएल ने नगर निगम के सफाईकर्मियों को किया सम्मानित, निकली स्वच्छता जागरूकता रैली

प्रखर गीडा,गोरखपुर। इंडिया ग्लाईकॉल्स लिमिटेड के बिजनेस हेड एस के शुक्ल के नेतृत्व में सम्मान समारोह तथा स्वच्छता रैली आयोजित किया गया। सबसे पहले स्वच्छता जागरूकता रैली को सुबह 6बजे ही गोरखपुर रेलवे स्टेशन से टाउन हॉल तक हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि माननीय सांसद राधा मोहन दास अग्रवाल रहे।और सह मुख्य अतिथि लोकप्रिय सांसद रवि किशन शुक्ल रहे।और विशिष्ट अतिथि , महापौर डॉ मंगलेश श्रीवास्तव , प्रदीप शुक्ल विधायक सहजनवा रहे।और अति विशिष्ट अतिथि श्री एस के अग्रवाल,डॉ चारु शीला सिंह एवं अपर नगर आयुक्त दुर्गेश मिश्र,शिव पूजन यादव रहे। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि,सह मुख्य अतिथि को पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर बिजनेस हेड ने स्वागत किया ततपश्चात सभी विशिष्ट अतिथि ,अति विशिष्ट अतिथियों को पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर स्वागत किया गया। लोकप्रिय सांसद रवि किशन जी ने बताया की माननीय मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश की तस्वीर बदल रही है,और आप सभी के साथ आईजीएल सदैव खड़ी रहेगी, राज्य सभा सांसद डॉ राधा मोहन दास अग्रवाल जी ने कहा की प्रधानमंत्री के नेतृत्व में शसक्त भारत का निर्माण हो रहा है । महापौर डॉ मंगलेश श्रीवास्तव ने कहा की निसंदेह सफाई कर्मी गोरखपुर को स्वच्छ और स्वस्थ बनायेगे। जनप्रिय विधायक सहजनवा प्रदीप शुक्ल ने कहा की आईजीएल क्षेत्र के विकास में अभूतपूर्व योगदान दे रही है। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों ने नगर निगम में कार्यरत चार सौ से अधिक सफाईकर्मियों (पुरुष /महिलायो) को भारतीय परिधान पैंट-शर्ट,साड़ी,टिफिन बॉक्स तथा मिष्ठान देकर सम्मानित किया। एस के शुक्ल ने कहा की यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में आज उतर प्रदेश-स्वस्छ,स्वस्थ,समृद्ध शिक्षित और सर्वोत्तम प्रदेश बनने की राह पर अग्रसर है। देश के प्रधानमंत्री ने सफाईकर्मियों को एक नई पहचान दिया और आप लोग जिस तरह से गोरखपुर में साफ-सफाई कर जनपद को साफ स्वस्थ बनाने में अपनी भूमिका निभा रहे है वह अपने आप में अद्भुत है। तथा महापौर एवं नगर आयुक्त एवं उनकी टीम के नेतृत्व में गोरखपुर को सुंदर बनाने में आप सभी सफाई कर्मियों का विशेष योगदान है।

रोवर पर्सीवरेंस ने भेजी तस्वीरें

मंगल ग्रह पर दिखा धूल का शैतान!

नई दिल्ली। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा का रोवर पर्सीवरेंस फिलहाल मंगल की सतह पर खोज कर रहा है। रोवर पर्सीवरेंस ने मंगल ग्रह से हैरान कर देने वाली तस्वीर भेजी है। दरअसल रोवर पर्सीवरेंस ने मंगल ग्रह से धूल के शैतान की तस्वीरें भेजी है। नासा के रोवर ने मंगल ग्रह पर 'धूल के शैतान' को घूमते हुए देखा है। यह घटना वैसी ही है जैसी पृथ्वी पर रेगिस्तानी इलाकों में होती है।

कार के आकार के रोवर ने 30 अगस्त, 2023 को मंगल ग्रह के जेजेरो क्रेटर के पश्चिमी रिम पर धूल के शैतान को कैद किया था। अंतरिक्ष एजेंसी ने आगे कहा कि इसे पर्सीवरेंस के एक नेवकैम द्वारा चार सेकंड के अंतराल पर लिए गए 24 फ्रेम का उपयोग करके कैद किया गया था। धूल के शैतान आमतौर पर पृथ्वी पर

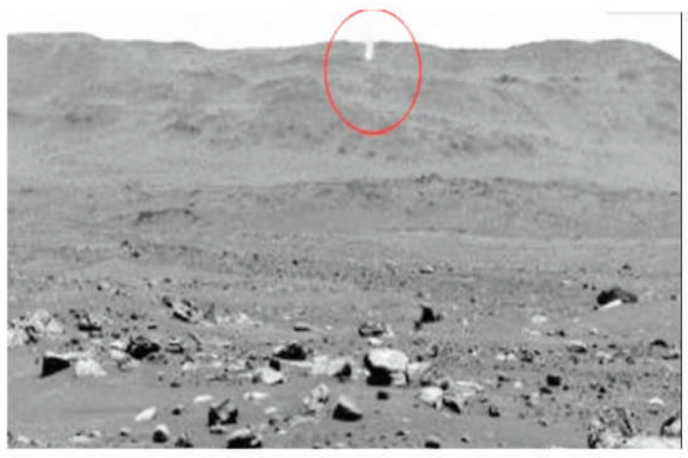

बवंडर की तुलना में कमजोर और छोटे होते हैं। लेकिन यह वैज्ञानिकों को मंगल ग्रह के वातावरण को समझने और उनके मौसम मॉडल को बेहतर बनाने में मदद करते हैं।

मिशन टीम के सदस्यों ने कैलकुलेट किया कि छोटा ट्विस्टर उस समय रोवर से लगभग 2.5 मील (4 किलोमीटर) दूर था और लगभग 19 किमी प्रति घंटे की गति से पूर्व से पश्चिम की ओर बढ़ रहा था। नासा ने आगे कहा कि यह लगभग 200 फीट (60 मीटर) चौड़ा था और कैमरे के फ्रेम में केवल नीचे 387 फीट (118 मीटर) घूमता हुआ दिखाई देने के बावजूद इसकी पूरी ऊंचाई का अनुमान लगाया गया था। पर्सीवरेंस साइंस टीम के सदस्य मार्क लेमन ने कहा कि इसकी छाया को देखकर इसकी ऊंचाई का भी अनुमान लगाया। मिशन टीम ने रोवर द्वारा कैप्चर की गई धूल के शैतान की अलग-अलग तस्वीरें को एक साथ जोड़कर एक वीडियो बनाया जो 20 गुना तेज था।

राहुल गांधी ने लंगर सेवा में धोए जूठे बर्तन

कांग्रेसी सांसद राहुल गांधी ने अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में सोमवार को माथा टेका और यहां लंगर हाल में बर्तनों और जोड़ों में सेवा दी।

राष्ट्रपिता, शास्त्री जी को कृतज्ञ राष्ट्र ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कृतज्ञ राष्ट्र ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर सोमवार को उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्य श्रद्धांजलि समारोह राजघाट और विजयघाट तथा संसद भवन परिसर में आयोजित किये गये। इसके अलावा राजधानी दिल्ली और देश के अन्य स्थानों पर भी दिवंगत विभूतियों की याद में श्रद्धांजलि समारोह, सभायें तथा अन्य कार्यक्रम आयोजित किये गये।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी,केन्द्रीय मंत्री, कई राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने महात्मा गांधी और शास्त्री जी को इस अवसर पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रीमती मुर्मु ने कहा कि गांधी जी ने केवल अहिंसा के लिए ही लड़ाई नहीं लड़ी बल्कि उन्होंने स्वच्छता, महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और किसानों के अधिकारों के लिए भी समर्पित भाव से कार्य किया। वह केन्द्रीय संस्कृति मंत्रालय द्वारा 154वीं गांधी जयंती पर गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति के कार्यक्रम में शामिल हुई।

राष्ट्रपति ने अपने एक संदेश में कहा कि विश्व के कई बड़े नेता गांधी जी के विचारों से प्रभावित हुए जिनमें मार्टिन लूथर किंग जूनियर, नेल्सन मंडेला और बराक ओबामा भी शामिल हैं।

भाजपा सीईसी बैठक में राजस्थान छत्तीसगढ़ के 50-50 नामों पर मुहर

रमन सिंह राजनांदगांव से तो संपत अग्रवाल बसना से लड़ेंगे, राजस्थान में कभी भी जारी हो सकती है पहली लिस्ट

नई दिल्ली। भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में छत्तीसगढ़ और राजस्थान के 50-50 उम्मीदवारों के नाम पर मुहर लग गई है। पार्टी के सूत्रों के मुताबिक, राजस्थान में 50 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट कभी भी जारी हो सकती है। उधर छत्तीसगढ़ में पूर्व सीएम रमन सिंह का राजनांदगांव से, तो बसना से संपत अग्रवाल का नाम लगभग तय है।

देश के 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति की तीसरी बैठक रविवार 1 अक्टूबर को दिल्ली मुख्यालय में हुई। मीटिंग रात 9 बजे से शुरू होकर देर रात 11.45 पर खत्म हुई। इस बैठक में पीएम मोदी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृहमंत्री अमित शाह समेत पार्टी के सीनियर नेता शामिल हुए। बैठक में मध्य प्रदेश की 151, छत्तीसगढ़ की 69 और राजस्थान की सभी 200 सीटों पर उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा हुई। पार्टी मध्यप्रदेश की 230 सीटों में 79 और छत्तीसगढ़ की 90 सीटों में से 21 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा पहले ही कर चुकी है। छत्तीसगढ़ में प्रत्याशियों को मैदान में उतारने में भाजपा कई तरह के प्रयोग कर रही है। नए चेहरों को शामिल किया जा रहा है। अभी लगभग 50 नामों पर मुहर लग चुकी है। इसमें राजनांदगांव से डॉ. रमन सिंह, धरसीवां से अनुज शर्मा और बसना से संपत अग्रवाल का नाम लगभग तय माना जा रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, जब नाम तय किए जा रहे थे तो केंद्रीय नेताओं को प्रत्याशियों की तस्वीर दिखाई गई।

राजस्थान में छह सांसदों को भी चुनाव लड़ाया जा सकता

राजस्थान में 50 सीटों के नाम ए, बी, सी और डी कैटेगरी के आधार पर छांटे गए बैठक में बीजेपी की पहली लिस्ट पर चर्चा के बाद अंतिम मुहर लगी। बैठक में 50 प्रत्याशियों के नाम तय हो गए हैं। ये सूची अब कभी भी जारी हो सकती है। इसमें सांसदों को भी चुनाव लड़ाया जा सकता है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि राजस्थान में 50 सीटों के नाम ए, बी, सी और डी कैटेगरी के आधार पर छांटे गए हैं। पहली लिस्ट में भाजपा ए और डी कैटेगरी की सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा कर सकती है। ये वे सीटें हैं, जहां भाजपा सबसे मजबूत और सबसे कमजोर है। ए में 29 और डी कैटेगरी में 19 सीटें शामिल हैं।

सोनीपत में लॉरेंस गैंग के गुर्गों से पुलिस मुठभेड़

सोनीपत, (एजेंसी)। हरियाणा के सोनीपत में बंबीहा गैंग के शूटर मान जैतो का कत्ल करने वाले चार बदमाशों को पुलिस ने एनकाउंटर के बाद पकड़ लिया है। ये तीनों बदमाश लॉरेंस बिश्नोई के गैंग से जुड़े हैं। जख्मी शूटर मंजीत, चेतन, ओजस्वी और जगबीर लॉरेंस गैंग के शूटर प्रियवर्त फौजी के गांव गड़ी सिसाना के हैं।

तीनों के पैर में गोली लगी

फौजी ने लॉरेंस गैंग के गोल्डी बराड़ के कहने पर पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला को गोलियां मारी थी। सोनीपत की स्पेशल एंटी गैंगस्टर यूनिट ने मुठभेड़ के बाद इन चारों को पकड़ा। जब पुलिस वहां पहुंची तो इन लोगों ने फायरिंग कर दी। क्रॉस फायरिंग के बाद मंजीत, चेतन और ओजस्वी को पुलिस की गोली लगी, जबकि चौथे को भी पुलिस ने दबोच लिया। जिन्हें इलाज के लिए खरखौंदा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनसे 3 हथियार भी बरामद किए गए हैं।

स्वच्छ भारत मिशन के नौ साल पूरे अभियान को बनाए सामाजिक आंदोलन

नई दिल्ली। स्वच्छ भारत मिशन को गांधी जयंती पर नौ साल पूरे हो गए हैं। इस बीच एक नए सर्वे में यह सामने आया है कि ज्यादातर भारतीयों का यह मानना है इस बीच सार्वजनिक शौचालयों की स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है। इसलिए वे पब्लिक टॉयलेट की जगह किसी कमर्शियल टॉयलेट में जाना पसंद करेंगे। उधर, सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा कि स्वच्छता अभियान को सामाजिक आंदोलन के रूप में अपनाना चाहिए ताकि भारत स्वस्थ और खुशहाल रहे। जस्टिस खन्ना सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के एक समारोह में बोल रहे थे।

जस्टिस खन्ना ने की लोगों से अपील

341 जिलों के 39 हजार लोगों ने लिया सर्वे में हिस्सा: यह सर्वे कम्युनिटी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म लोकल सर्कल्स ने किया था। जिसमें यह भी सामने आया कि मुंबई, दिल्ली या बेंगलुरु जैसे शहरों में भी पब्लिक टॉयलेट में जाना किसी बुरे सपने की तरह है, जब तक कि उन्हें सुलभ इंटरनेशनल जैसे संगठन मैनेज नहीं करते।

राजस्थान: एजेंसियों से संविदा कार्मिक लेने की प्रथा समाप्त

कैबिनेट बैठक में अहम निर्णय

जयपुर, (ब्यूरो)। राजस्थान में अब प्लेसमेंट एजेंसियों के जरिए राजकीय विभागों में संविदा पर कार्मिक लगाने की प्रथा बंद हो जाएगी। अब राज्य सरकार द्वारा सरकारी कम्पनी के रूप में राजस्थान लॉजिस्टिकल सर्विस डिलिवरी कॉर्पोरेशन (आरएलएसडीसी) का गठन करने का मंत्रिमंडल में बड़ा निर्णय लिया है।

मंत्रिमंडल बैठक में लिए इस निर्णय से विभिन्न राजकीय विभागों, संस्थानों में कुशल-अकुशल अभ्यर्थियों का पंजीकरण/चयन पारदर्शी तरीके से किया जा सकेगा। संविदा कार्मिकों को शोषण से मुक्त करते हुए उचित पारिश्रमिक उपलब्ध करवाया जाएगा। विभिन्न विभागों में प्रशिक्षित कार्मिक उपलब्ध होंगे। राज्य को कार्मिकों के कौशल का लाभ मिलेगा। इसमें एक जनवरी 2021 से पूर्व के कार्यरत ठेका कर्मियों को नवगठित सरकारी कंपनी के माध्यम से आवश्यकतानुसार सीधे ही लिया जाएगा, जिससे उन्हें बिना किसी कटौती के पूर्ण पारिश्रामिक मिलेगा। अभी तक एजेंसियों द्वारा विभिन्न कटौतियां कर कार्मिकों का शोषण जारी था। आरएलएसडीसी को कम्पनी अधिनियम-2013 के अंतर्गत पंजीकृत किया जाएगा। यह राज्य सरकार के पूर्ण स्वामित्व की कम्पनी होगी।

लंदन में भारतीय उच्चायोग के बाहर खालिस्तान समर्थकों का प्रदर्शन

ब्रिटिश सुरक्षा बल तैनात

लंदन। ब्रिटेन में खालिस्तान के समर्थकों ने एक बार फिर दुस्साहस करने का प्रयास किया है। लंदन में भारतीय उच्चायोग के बाहर सोमवार को भारी संख्या में खालिस्तान समर्थक इकट्ठा हुए। उन्होंने काफी देर तक वहां विरोध-प्रदर्शन किया।

उच्चायोग में ब्रिटिश सुरक्षा बलों की भारी मौजूदगी है। प्रदर्शनकारियों को उच्चायोग के विपरीत दिशा तक ही सीमित करने की कोशिश की जा रही है। लंदन में बीते दिनों में कई बार खालिस्तान समर्थक ऐसा कर चुके हैं।

इससे जुलाई में भारतीय उच्चायोग के बाहर 30-40 खालिस्तानी समर्थकों के इकट्ठा होने की खबर आई थी। बीते दिनों ब्रिटेन ही नहीं, बल्कि अगल-अलग देशों में खालिस्तानी समर्थक भारतीय उच्चायोग को निशाना बना चुके हैं। **निज्जर की हत्या के बाद बढ़ा दुस्साहस:** विदेशों में ऐसी घटनाएं जून में खालिस्तान टाइगर फोर्स के प्रमुख

हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद बढ़ गई हैं। वह भारत में वांछित था और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने उसकी गिरफ्तारी के लिए इनाम की घोषणा की थी। निज्जर की हत्या के बाद से खालिस्तानी कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया में भारतीय राजनयिकों को निशाना बना रहे हैं।

अमेरिका में भारत के राजदूत तरनजीत सिंह संधू और सैन फ्रांसिस्को में भारत के महावाणिज्य दूतावास में कार्उसिल जनरल डॉ. टीवी नागेंद्र प्रसाद को धमकी दी गई थी। और पोस्टरों के जरिए निशाना बनाया गया था। इससे पहले खालिस्तान समर्थकों ने ऑस्ट्रेलिया में भारतीय राजनयिकों को धमकी दी थी।

जालंधर में पिता ने तीन बेटियों की हत्या की

ट्रंक में लाशें मिलीं, पिता को शराब की लत थी, पुलिस से बोला- गरीबी के चलते मारा

जालंधर, (एजेंसी)। पंजाब के जालंधर में शराबी पिता ने 3 बेटियों की हत्या कर दी। इसके बाद तीनों के शव लोहे के ट्रंक में डाल दिए और फिर उसे घर के बाहर फेंक दिया। तीनों बहनें रविवार 1 अक्टूबर रात 8 बजे से लापता थीं।

सोमवार सुबह लोगों ने तीनों बहनों के शव देखे। इस मामले की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी पिता को 2 अक्टूबर की सुबह हिरासत में ले लिया। आरोपी पिता की पहचान सुनील मंडल निवासी गांव काहनपुर (जालंधर) के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि सुनील मंडल ने कस्टडी में पूछताछ के दौरान अपना गुनाह कबूल करते हुए कहा कि उसने गरीबी से तंग आकर 3 बेटियों अमृता कुमारी (9), कंचन कुमारी (7) और वासु (3) को मौत के घाट उतारा था। सुनील मंडल नशे का आदी है और अक्सर शराब के नशे में रहता है। सुनील मंडल के 5 बच्चे हैं। एसएसपी देहात मुखविंदर सिंह भुल्लीलर ने कहा कि तीनों सगी बहनों के शरीर पर कोई मारपीट का निशान नहीं मिला है। पुलिस मेडिकल बोर्ड से तीनों का पोस्टमॉर्टम करवा रही है। मौत के कारण का पता लगाने के लिए बोर्ड से मेडिकल करवाया जा रहा है।

1951 में आखिरी बार हुई थी जातिगत जनगणना, फिर क्यों हुई बंद

पटना। बिहार सरकार ने जातिगत जनगणना के आंकड़े सार्वजनिक कर दिए हैं। लेकिन भारत में साल 1872 में ब्रिटिश हुकूमत ने पहली बार जनगणना की शुरुआत की थी। 1872 से लेकर 1931 तक जितनी जनगणना हुई, उसमें जातिवार आंकड़े भी दर्ज किए गए। आजादी के बाद 1951 में जब पहली जनगणना हुई तो इसमें जातिगत आंकड़ों को सिर्फ अजा और अजजा तक सीमित कर दिया गया। इसके बाद साल 1961, 1971, 1981, 1991, 2001 और 2011 में जो भी जनगणना हुई, उसमें भी सरकार ने जातिगत जनगणना से दूरी बनाए रखी। यह भी कहा गया कि डॉ. मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री रहते साल 2011 में जो आखिरी जनगणना हुई थी, उसमें जातिगत आंकड़े भी दर्ज किये गए थे, लेकिन यह डाटा सार्वजनिक नहीं किया गया। साल 2021 में जनगणना होनी थी, लेकिन कोरोना महामारी के चलते इसे टाल दिया गया था। पिछले 150 सालों में ऐसा पहली बार हुआ जब समय पर जनगणना नहीं हो पाई। अब कोरोना महामारी लगभग खत्म हो चुकी है, लेकिन अब तक सरकार जनगणना को लेकर सरकार को फैसला नहीं ले पाई है और न तो कोई टाइमलाइन तय की है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 246 में जनगणना से जुड़ा प्रावधान है।

पुतिन की गर्लफ्रेंड बोलीं, मैं उनसे बहुत प्यार करतीं हूं

मास्को। यूक्रेन युद्ध के बाद से रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को पश्चिमी मीडिया द्वारा एक क्रूर तानाशाह के रूप में पेश किया गया। बताया गया कि वो एक निर्दयी इंसान है, जिसके चलते यूक्रेन में हजारों लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। इसी बीच सोशल मीडिया पर एक ऐसा वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें पुतिन की दीवानी महिला अलीना काबेवा खुले तौर पर रूस के राष्ट्रपति के प्रति अपने प्रेम का खुलासा कर रही है। पुतिन की प्रेमी मानी माने जाने वाली पूर्व रूसी जिमनास्ट अलीना काबेवा का साल 2008 का एक इंटरव्यू इंटरनेट पर घूम रहा है, जिसमें उन्होंने पुतिन को अपना आदर्श पुरुष बताया। मॉस्को के एक अखबार ने इस इंटरव्यू को पब्लिश किया था। हालांकि पुतिन और काबेवा दोनों ने कभी भी एक-दूसरे के साथ रोमांटिक रिश्ते होने की बात स्वीकार नहीं की।

निदेशक खादी और ग्रामोद्योग आयोग और मंत्री संदीप सिंह कृषक विकास ग्रामोद्योग संस्थान ने विशाल खादी यात्रा कों हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। मंत्री संदीप सिंह कृषक विकास ग्रामोद्योग संस्थान सिरिहिरा सेवापुरी वाराणसी के द्वारा देश के दो अनमोल रतन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं देश के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जन्म जयंती के अवसर पर विशाल खादी यात्रा निकाली गई सेवापुरी से होते हुए तक्खु की बौली,अर्जुनपुर, परमहंस आश्रम गेट, से खादी बगिया लवायनडीह भीषमपुर,महादेव के दरबार में जन्मदिन की उपलक्ष्य में विशाल भंडारा का आयोजन भी किया गया जिसमें सेवापुरी की क्षेत्रवासियों ने प्रसाद ग्रहण किया खादी यात्रा को झंडी निदेशक खादी और ग्रामोद्योग आयोग तेलियाबाग वाराणसी के साथ मंत्री संदीप सिंह ने रवाना किया` ग्राम प्रधान भीषमपुर राकेश कुमार सिंह जिलाध्यक्ष प्रधान संगठन वाराणसी गांधी जयंती की शुभकामना के अवसर पर स्वच्छता का अभियान चलाकर जिलाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ने कहा कि जब गांव साफ सुथरा रहेगा तो मेरा देश साफ रहेगा जब गांव साफ रहेगा उत्तर प्रदेश साफ रहेगा तब भारत देश हमारा साफ रहेगा` जिलाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ने की माननीय प्रधानमंत्री जी का उद्देश्य वोकल फार लोकल बने। संस्था के मंत्री संदीप कुमार सिंह ने क्षेत्र के कई हजार महिलाओं को रोजगार दिए हैं जिससे इनके परिवार का भरण पोषण होता है सरस के मंत्री ने कहा कि हम अपनी कतिनो को शासन द्वारा आवास उपलब्ध कराते हैं उनके खाते में बोनस भिजवाते हैं कृषक विकास ग्राम उद्योग संस्थान के मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के द्वारा उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री जी के द्वारा संस्था को जो अनुदान दिया जाता है गरीबों के लिए जो उनकी सोच रहती है उसके लिए मंत्री होने के नाते और कतिनो के तरफ से बहुत-बहुत आभार प्रकट करता प्रधान संघ जिलाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ने एक-एक कारीगरों से बातचीत की सारे कारीगरों ने कहा कि मन्त्रों ने हम लोगों को घर दिये मैं बहुत ही खुश हु की संस्था के मंत्री द्वारा हम लोगों को घर बनवा दिया गया है।

दुनियां में महात्मा गांधी जैसा कोई ऐसा जन नायक पैदा नहीं हुआ जिसके चिन्तन के आगे पूरा विश्व श्रध्दानत होता हो

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। दो अक्टूबर महात्मा गांधी जैसा चिंतक विचारक और सत्य का अन्वेषक मानवता का पुजारी जननायक दुनिया के किसी देश में पैदा नहीं हुआ जिसके आगे पूरा विश्व नतमस्तक होता हो` आज के ही दिन जन्मे भारत माता के महान सपूत पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री सादगी शुचिता के साथ आदर्श की राजनीति के सहारे देश सेवा का उच्च मापदंड स्थापित करने वाले ऐसे महान राजनेता थे जो मूल्यों और सिद्धांतों के लिए आजीवन समर्पित रहे` उक्त विचार आज इंग्लिश या लाइन स्थित पंडित कमलापति त्रिपाठी फाउंडेशन के कार्यालय में महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती पर आयोजित विचार गोष्ठी में बक्ताओं द्वारा व्यक्त किया गया` वरिष्ठ नेता और उत्तर प्रदेश राज्य सिंचाई आयोग के पूर्व अध्यक्ष विजय शंकर पांडे की अध्यक्षता में संपन्न विचार गोष्ठी में वक्ताओं द्वारा आगे कहा गया कि महात्मा गांधी का सिद्धांत और चिंतन चिरकाल तक दुनिया को राह दिखाता रहेगा, सत्य, अहिंसा और प्रेम पर आधारित उनका जीवन दर्शन अपने आप में खुली किताब की तरह था वे अपने ही उपर सत्य का अन्वेषण किया करते थे जिसकी मिसाल दुनिया भर में ढूंढने पर भी नहीं मिलती, यही कारण है कि आज दुनिया की सारी हस्तियां भले ही वो कितनी भी शक्तिशाली क्यों न हों पर वे सभी महात्मा गांधी के चिंतन और आदर्श के आगे झुक करके प्रणाम करते हैं` महात्मा गांधी अपने आप में विचार एक संस्था और आदर्श की एक ऐसी प्रतिमूर्ति थे जो जिस तरह कल प्रासंगिक थे वैसे ही आज भी प्रासंगिक हैं और आने वाली सदियों तक इसी तरह से प्रासंगिक बने रहेंगे`भारत माता की गोद में आज के ही दिन पैदा हुये स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री का जीवन भी देश और समाज के लिए एक अद्भुत मिशाल प्रस्तुत करता है जो लोगों को सादगी, सुचिता, सिद्धांत, आदर्श और उत्कट देश प्रेम की प्रेरक शिक्षा देता रहता है, उन्होंने भी जीवन में राजनीति का ऐसा मापदंड स्थापित किया जिस पर चलने को कौन कहे उनकी छाया के बराबर भी अब कोई नहीं दिखता` देश का दुर्भाग्य है कि गांधी जी और शास्त्री जी जैसे महान लोगों के विचारों को मानने, समझने और उसपर चलने वालों की आज भारी कमी होती जा रही है ,कम से कम राजनीति का क्षेत्र तो एक तरह से सिद्धांत विहीन होकर रह गया है बावजूद इसके भारत धरा की पावन भूमि से उत्पन्न हुए इन दोनों महान सपूतों का जीवन और उनका व्यक्तित्व तथा कृतित्व आने वाली पीढियों को हमेशा हमेशा रास्ता दिखाता रहेगा यह और बात है कि हमलोग उसपर पर चलते कितना है और उसका अनुसरण कितना करते हैं`गोष्ठी से पूर्व महात्मा गांधी और लालबहादुर शास्त्री के चित्र पर पुष्पान्जलि अर्पित की गयी` विचार गोष्ठी में प्रमुख रूप से विजय शंकर पांडे राधेश्याम सिंह ,बैजनाथ सिंह ,भूपेंद्र प्रताप सिंह राधे लाल श्रीवास्तव, प्रभूनाथ पान्डेय, डाक्टर प्रेम शंकर पाण्डेय, ब्रह्मदेव मिश्रा, महेन्द्र चौहान, ज्वाला मिश्रा, मनोज चौबे, आनंद मिश्रा, पुनीत मिश्रा, पंकज मिश्रा, सुशील सोनकर, अशोक कुमार पांडे, निशांत ओझा , कमलाकांत पांडे, डाक्टर रमेश चौहान, युवराज पांडे मोहम्मद अरशद, पिंटू शेख आदि लोगों ने विचार प्रकट किया।

जिलाधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर मच्छर जनित रोगों के रोकथाम अभियान का किया शुभारंभ

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। संचारी व मच्छर जनित रोगों की रोकथाम व नियंत्रण के लिए जिलाधिकारी आर्यका अखौरी ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट से विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान का शुभारंभ हरी झंडी दिखाकर किया। इस दौरान जन जागरूकता रैली का भी आयोजन किया गया। जिसमें स्वास्थ्य समेत सभी विभिन्न विभागों के अधिकारियों, स्वास्थ्यकर्मियों, आशा-आंगनबाड़ी कार्यकताओं, स्कूली छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़ कर प्रतिभाग किया। इसके साथ ही मुख्य विकास अधिकारी संतोष कुमार वैश्य ने राइफल क्लब सभागार में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ देश दीपक पाल एवं स्वास्थ्य कर्मियों समेत सभी 10 विभागों के मुख्य अधिकारियों, आशा-आंगनबाड़ी कार्याताओं के संग संचारी रोगों के नियंत्रण व रोकथाम के लिए शपथ ली। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि संचारी व मच्छर जनित

रोगों जैसे डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, फाइलेरिया, कालाजार आदि बीमारियों की रोकथाम व नियंत्रण के लिए प्रदेश सरकार निरंतर प्रयास कर रही है। इन्हीं बीमारियों की रोकथाम के लिए विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान की शुरूआत की गई है। यह अभियान 31 अक्टूबर तक चलेगा। इसी बीच 16 से 31 अक्टूबर तक दस्तक अभियान चलाया जाएगा। अभियान के सफल संचालन के लिए स्वास्थ्य विभाग, नगर निगम, पंचायती राज विभाग समेत 10 विभागों की टीम तैनात की गईं हैं जो घर-घर जाकर बीमारियों की रोकथाम और समुदाय को जागरूक करेंगी। ऐसे में जन समुदाय का भी दायित्व है कि अभियान में सहयोग करे, सतर्क और जागरूक रहें। जिलाधिकारी ने अपील की कि डेंगू का मच्छर दिन में ही काटता है तथा इससे बचाव के लिए पूरे शरीर को ढकने वाले कपड़े पहनें। मच्छर रोधी क्रीम का इस्तेमाल करें। सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग करें।

मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि जनपद प्रशासन व विभिन्न विभागों के साथ ही जन प्रतिनिधि भी इस अभियान को सफल बनाने में सहयोग करेंगे। इन बीमारियों की रोकथाम के लिए एंटी लार्वा छिड़काव, फोगिंग, स्वच्छता, साफ-सफाई आदि का कार्य किया जाएगा। जांच व उपचार के साथ आवश्यक दवा भी प्रदान की जाएगी। इस अभियान में स्वास्थ्य विभाग, नोडल विभाग रहेगा। नगर निगम, पंचायती राज, पशुपालन विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग, दिव्यांग जन कल्याण विभाग, कृषि एवं सिंचाई विभाग सहित 10 विभाग आपसी समन्वय बनाकर अभियान को सफल बनाएंगे। सीएमओ डॉ देश दीपक पाल ने कहा कि विशेष संचारी रोग नियंत्रण व दस्तक अभियान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री का बेहद महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है। डेंगू, मलेरिया, फाइलेरिया, कालाजार आदि रोगों को विशेष अभियान चलाकर काबू कर लिया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग के आपसी समन्वय से नगर पालिका व नगर पंचायत की टीमें शहरी क्षेत्र तथा पंचायती राज विभाग की टीमें ग्रामीण क्षेत्रों में बीमारियों की रोकथाम व नियंत्रण कार्य के साथ ही समुदाय को जागरूक करेंगी। सीएमओ ने कहा कि अभियान में अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। इसमें जन प्रतिनिधियों, प्रभावशाली व्यक्तियों, विभिन्न संस्थाओं के साथ ही जनमानस का भी सहयोग लिया जाएगा। इस मौके पर डिप्टी सीएमओ, एसीएमओ, चिकित्सा अधीक्षक, जिला मलेरिया अधिकारी, नगर पालिका, नगर पंचायत, पंचायती राज, आईसीडीएस, बेसिक व माध्यमिक शिक्षा विभाग समेत सभी विभागों के प्रमुख अधिकारी व सहकर्मी, सहायक मलेरिया अधिकारी, मलेरिया निरीक्षक एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

पितरों के श्राद्ध से घर में शांति धन और वंश की वृद्धि होती है : भवानीनंदन

प्रखर जखनियां गाजीपुर। अर्पण, तर्पण, समर्पण का भाव रखने वाला ही संस्कारिक व्यक्ति हो सकता है। अपने पितरों के श्राद्धय से घर में शांति, धन ,वैभव, संतान की प्राप्ति होती है। उक्त बातें क्षेत्र के सिद्ध पीठ हथियाराम मठ के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर महंथ श्री भवानी नंदन यति महाराज ने सिद्ध पीठ में शिष्यो को कहा कि पित्र की शांति करने के लिए पिंडदान करना जीवन में शांति लाता है। भगवान राम ने माता सीता के साथ 14 वर्षों तक जंगलों में तमाम प्रकार की लीलाएं करते रहे। परंतु मयार्दा का उल्लंघन कभी नहीं किया। जब इन्होंने गया में पितरों का श्राद्ध करके घर वापस आए तो माता सीता को बन भेज दिया गया। उस समय गया मे श्राद्ध कर्म से एक नहीं बल्कि दो पुत्र लव ,कुश हुए। जिसके पास वंश वृद्धि न हो तो श्राद्ध कर्म अवश्य करें। परिवार में शांति अवश्य मिलेगी। बताया कि पिंडदान होने तक मृत आत्मा प्रतीक्षा करती है। इसलिए पिंडदान करना सर्वोत्तम है। इस कार्य को सभी को अपने पितरों के लिए करना चाहिए। मौके पर डॉक्टर संतोष यादव, रणजीत सिंह, एडवोकेट शिवानंद सिंह, पंकज दुबे, गौरी शंकर पांडे सहित काफी संख्या में लोग रहे।

थानाध्यक्ष ने अपनी टीम के साथ बैंक शाखाओं में पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्थाओं का लिया जायजा

प्रखर मनिहारी (गाजीपुर)। शादियाबाद थाना क्षेत्र में संचालित बैंक शाखाओं में अप्रिय घटनाओं को रोकने की मंशा से मंगलवार को थानाध्यक्ष सत्येन्द्र कुमार राय ने अपनी टीम के साथ बैंक शाखाओं में पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया, इस दौरान थानाध्यक्ष ने सीसीटीवी कैमरो की बारीकी से पड़ताल की। वहीं सिक्योरिटी गार्डों से बैंक में आने वाले उपभोक्ताओं पर निगरानी के बारे में चर्चा की है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया शादियाबाद, कटघरा, धावा, जिला सहकारी बैंक हंसराजपुर व क्षेत्र में स्थित अन्य बैंक शाखाओं में पहुंचकर बैंक प्रबंधक और स्टॉफ से जानकारी ली। साथ ही शाखाओं में सायरन, सहित अन्य सुरक्षा उपकरणों की जांच की है। पुलिस टीम ने इस दौरान बैंक प्रबंधकों से यह भी जानने की कोशिश की कि बैंक में आने वाले संदिग्ध लोगों पर निगरानी रखने के लिए क्या करते है। पुलिस टीम ने बैंक प्रबंधकों को वार्ताकर किसी भी तरह की घटना के बाद पुलिस को तत्काल सूचना देने की बात कही और गेट पर आने वाले सभी लोगों का रजिस्टर में नाम व मोबाईल नम्बर दर्ज करने का आदेश दिया। वहीं थानाध्यक्ष ने बैंक कर्मियों को अपना निजी नंबर दिया। तथा अपातकालीन नंबरों का बैंकों में प्रदर्शित करने की हिदायत दी।

पीजी कॉलेज व सत्यदेव ग्रुप ऑफ कालेजेस ने मनाई शास्त्री एवं गांधी जयंती

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। सोमवार को गांधी और शास्त्री जी की जयंती के क्रम में गाजीपुर के पीजी कॉलेज में भी कुशलपाल सभागार में महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर माल्यार्पण किया गया। इस मौके पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं, कर्मचारीयों के साथ ही छात्र छात्राएं भी मौजूद रही। माल्यार्पण कार्यक्रम के बाद महाविद्यालय के प्राचार्य डा0 राघवेंद्र कुमार पांडेय ने कहा कि महात्मा गांधी का सिखाया अहिंसा का सबक ऐसा है जिससे स्वतंत्रता संग्राम में उन्होंने शांतिपूर्ण तरीके से आजादी हासिल करने के लिए इस्तेमाल किया। बल्कि वैश्विक स्तर पर भी उनके अहिंसा की नीति को सराहा गया। दक्षिण अफ्रीका के नेल्सन मंडेला ,गांधी के अहिंसा को ही अपना कर रंगभेद के खिलाफ एक बड़ी मुहिम चलाने में सफल रहे। वहीं उन्होंने कहा कि देश को हरित क्रांति के पथ पर ले जाने में लाल बहादुर शास्त्री का बहुत बड़ा योगदान था। उन्होंने जय जवान, जय किसान का नारा देकर भारत को प्रगति पर ले जाने का काम किया था। सत्यदेव ग्रुप ऑफ कॉलेजेस के अंतर्गत सत्यदेव इंटरनेशनल स्कूल में गांधी जयंती और लाल बहादुर शास्त्री जयंती को पूर्ण आदर व उत्साह के साथ मनाया गया । इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में ख्यातिलब्ध लेखक, हिंदी साहित्य को नई दिशा प्रदान करने वाली कृति 'अथर्वा' के जनक एवं सत्यदेव ग्रूप ऑफ कॉलेजेस के मुख्य प्रबंध निदेशक डॉक्टर आनंद सिंह थे। सर्वप्रथम आदरणीय मुख्य अतिथि द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और भारत के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण कर ध्वजारोहण का कार्यक्रम किया गया तत्पश्चात उन्होंने सत्यदेव इंटरनेशनल स्कूल के छात्र प्रतिनिधि कंदर्प तिवारी के जन्मदिन पर उनको आशीर्वाद देते हुए अपने भाषण में गांधी जी के जीवन के बारे में विस्तार से बताया तथा उनके जन्म से लेकर मैट्रिक परीक्षा के बाद उनकी बैरिस्टर बनने तक के सफर को साझा किया। अंत में सत्यदेव इंटरनेशनल स्कूल के प्रधानाचार्य चंद्रसेन तिवारी ने आदरणीय मुख्य अतिथि प्रोफेसर आनंद सिंह, विशिष्ट अतिथि के रूप में सत्यदेव ग्रुप आफ कॉलेजेस के काउंसलर दिग्विजय उपाध्याय, सत्यदेव डिग्री कॉलेज के निदेशक अमित रघुवंशी का हृदय से धन्यवाद व्यापित किये।

घटना के दो वर्ष बाद भी न्याय न मिलने पर किया धरना प्रदर्शन

प्रखर पिंडरा वाराणसी। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी घटना के दो वर्ष बीत जाने के बाद भी किसानों को न्याय न मिलने पर मंगलवार को संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले किसानों ने राष्ट्रपति को सम्बोधित पत्रक एसडीएम को सौपा। इसके पूर्व सुबह 11 बजे जुलूस के रूप में केंद्र व प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए तहसील पहुचे। एसडीएम पिंडरा प्रतिभा मिश्रा को दिए पत्रक में आरोप लगाया कि दो वर्ष पहले आज ही के दिन केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी के बेटे आशीष मिश्र टेनी ने लखीमपुर खीरी जिले के तिकोनिया में तीन काले कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन से लौट रहे किसानों के ऊपर गाड़ी चढ़ा कर उन्हें रौंद दिया था। इस पूर्वनियोजित हत्याकांड में पांच किसान शहीद हो गए। इसके साथ

एक निर्दोष पत्रकार की भी जान चली गई। इस घटना के आरोपी आशीष मिश्र टेनी अंतरिम जमानत पर बाहर घूम रहे हैं। वहीं कई निर्दोष किसानों पर झूठा मुकदमा दर्ज कर उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है। अखिल भारतीय मजदूर किसान संयुक्त मोर्चा के आह्वान पर पिंडरा तहसील पर धरना प्रदर्शन किया गया। जिसमे केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री के बर्खास्तगी तथा जेल में बन्द किसानों को तुरन्त रिहा करने, फर्जी मामले तुरन्त वापस लिए लेने तथा शहीद किसान परिवारों एवं घायल किसानों को मुआवजा देने की मांग की। इस दौरान सीपीआईएमएल के जिला प्रभारी अमरनाथ राजभर, किसान सभा के प्रदेश सचिव नंदराम शास्त्री, फतेहनारायन सिंह, संतोष पटेल समेत अनेक किसान नेता रहे।

तैलिक साहू वैश्य ने गांधी जयंती पर हाई स्कूल की छात्रा अनन्या गुप्ता 85.1% अंक पाई तो गांधी जी का मोमेंटो व माला से सम्मानित किया गया

प्रखर वाराणसी। तैलिक साहू वैश्य सभा ने स्वजाति बन्धुओं के साथ मनाया धूमधाम से गांधी जयंती पिछले 27 वर्षो से तैलिक साहू वैश्य सभा ने अहिंसा के पुजारी का जयंती मनाता आ रहा है ' तथा समाज के पार्षद गण का मोमेंटो देकर सम्मान किया, एव हाई स्कूल में 85.01%अंक पाई अनन्या गुप्ता को भी गांधी जी का मोमेंटो और माला से मुख्य अतिथि कन्हैया लाल गुप्ता पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा सम्मानित किया गया आशिर्वाद देकर उज्जवल भविष्य की कामना की भक्त कर्मा बाई विद्यालय के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम, की प्रस्तुति जिसमें शिव तांडव जय गणेशा, राधाकृष्णन, गांधी जी की डण्डी यात्रा प्रमुख प्रस्तुति रही ' एवं बीच बीच मे नमः पार्वती पतये हर हर महादेव के नारो से अतिथियों का स्वागत होता रहा तथा नव नियुक्त पदाधिकारी गण को प्रमाण

पत्र वितरण हुआ सुबह से झंमा झम बारिश मे भी यूवाओ द्वारा मैदा गिन टाउन हॉल गांधी जी एवं माँ कस्तूरबा को माल्यार्पण कर बाईक जुलूस निकाल कर विभिन्न क्षेत्रों से सभा में पहुंचे प्रबुद्ध जनों द्वारा गांधी जी की जीवनी, आत्मकथा, पर प्रकाश डाला गया तथा राजनीति भागीदारी, मध्यप्रदेश छत्तीसगढ़ की तरह तेल घानी बोर्ड की स्थापना करने और तेलीया बाग तेलीया नारा जैसा आशब्द प्रदेश भर से बदलने के लिए आन्दोलन करने को बात हुई ' मुख्य रूप से उपस्थित कन्हैया लाल गुप्ता पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष वरिष्ट भाजपा नेता देव कुमार राजू गोविन्द गुप्ता, बाबूलाल गुप्ता, विनोद गुप्ता विजय गुप्ता ओम प्रकाश गुप्ता कैलाश नाथ साहू मीडिया प्रभारी एवं प्रवक्ता सुरेश गुप्ता बबलू जी, कार्यक्रम की अध्यक्षता सुदर्शन गुप्ता धन्यावाद ज्ञापित महामंत्री विनोद गुप्ता संचलन पी सी यूराज ने किया।

देवता देवी महिला महाविद्यालय की छात्राओं ने निकाली स्वच्छता अभियान रैली

प्रखर बघौचघाट कुशीनगर। विकास खंड पथरदेवा के देवता देवी महिला महाविद्यालय बाघौचघाट में महात्मा गांधी के जयंती पर स्वच्छता अभियान की रैली निकाली गई। जिसमें छात्राएं तख्तियों पर स्लोगन लिखी हुई स्वच्छता संबंधी नारे लगा रही थी। उक्त महाविद्यालय में पहले तय कार्यक्रम के अनुसार छात्राएं दिन के 10 बजे के करीब स्वच्छता अभियान की रैली निकाली। इस दौरान स्लोगन में लिखी हुई थी स्वच्छता ही सेवा है गंदगी जान लेवा है, सभी रोगी की एक दवाई हर घर में रखो साफ सफाई, जन जन का नारा है भारत को स्वच्छ बनाना है, 2 अक्तूबर का दिवस आया स्वच्छता अभियान का गूंजा नारा, हवा पानी रखो साफ वरना आने वाली पीढ़ी नही करेगी माफ, हम सब ने ठाना है भारत को स्वच्छ बनाना है। साथ ही छात्राएं देश भक्ति संबंधी नारे भी लगा रही थी। यह रैली महाविद्यालय गेट से निकलकर अहिरौली ग्रामसभा होते हुए बाघौचघाट पकहा मोड तक गया। इस दौरान थाने गेट पर बीए प्रथम सेमेस्टर की छात्राएं चांदनी कुमारी, खुशी मौर्य, मनीषा कुशवाहा, प्रीति कुशवाहा, बबिता कुशवाहा, निभा यादव, पुनीता पटेल, प्रियंका यादव आदि ने नुक्कड़ सभा प्रस्तुत कर सबको सोचने पर मजबूर कर दिया। उसके बाद छात्राएं पकहा मोड़ पर पहुंची जहां बीए पांचवा सेमेस्टर की छ्त्राए मनीषा पटेल, सकुंतला गौड़, कृति शर्मा, ब्यूटी, हर्षिता राय, अन्नू, सिंपी, प्रीति, रंजू, अमीना आदि ने नुक्कड़ सभा प्रस्तुत की। उसके बाद रैली पुनः महाविद्यालय पर पहुंचा जहां सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रबंधक नीलेश्वर राय ने कहा की महात्मा गांधी ने सत्य और अहिंसा पर चलते हुए हमे आजादी दिलाई उन्होंने पूरी दुनिया को प्रभावित किया इसलिए आज 70 से ऊपर देशों में उनके नाम का डाक टिकट जारी किया गया है। स्वच्छता रैली में

बाघौचघाट थाने के प्रभारी मृत्युंजय राय ने मयफोर्स पहुंचकर छात्राओं का हौसला बढ़ाया। कार्यक्रम को प्राचार्य डॉ आशुतोष कुमार, प्रवक्ता विजय कुमार राव, दिनेश सिंह, आशुतोष कुशवाहा, रामप्रित कुशवाहा, दिनेश कुशवाहा, सतेंद्र राय, डा बीआर ठाकुर, डा शाकिर अली, रेनू राय, कवि ईश्वर देव सिंह, मुकेश राय आदि ने भी संबोधित किया। इस दौरान, छात्राएं रोशनी गिरी, शोभा राय, प्रीति सिंह, रंजन कुशवाहा, छोटी पाण्डेय, पूजा, हिरांती मद्धेशिया, साधु यादव सहित ढेरों की संख्या में छात्राएं और प्रवक्ता मौजूद रहे।

लखनऊ जैसे हाईटेक शहर के मरीज को जौनपुर में मिली राहत

ढाई महीने तक आपरेशन के लिये टालते रहे राजधानी के चिकित्सक, लैप्रोस्कोपिक सर्जन डा. विकास यादव ने आपरेशन करके पहुंचाई राहत

प्रखर जौनपुर। किसी भी बीमारी के समुचित उपचार हेतु अमूमन लोग छोटे शहरों से निकलकर वाराणसी, इलाहाबाद, लखनऊ जैसे बड़े शहरों की ओर जाते हैं, क्योंकि छोटे की अपेक्षा बड़े शहरों में व्यवस्था सुदृढ़ मिलती है। वहीं एकाध बार ऐसा मामला सामने आ जाता है कि बड़े शहरों को छोड़कर लोग छोटे की ओर इसलिये चल देते हैं, क्योंकि उन्हें अच्छी सलाह, उपचार, व्यवहार के साथ अच्छे ढंग से आपरेशन की व्यवस्था मिल जाती है। ऐसा ही एक मामला नगर के नईगंज में स्थित वासुदेव अस्पताल में सामने आया है जहां सूबे की राजधानी लखनऊ जैसे हाईटेक शहर से एक मरीज आकर अपना आपरेशन कराये जो पूरी तरह से सफल रहा। इस बाबत पूछे जाने पर अस्पताल के संचालक सर्जन डा. विकास यादव ने बताया कि राजीव जायसवाल नामक एक मरीज लखनऊ से उनके यहां आये। पूछताछ एवं जांचोपरांत में पता चला कि उनकी पिथ की रैली में पथरी है जो पूरी तरह से चिपकी हुई है। इतना ही नहीं, अब वह सड़न की ओर बढ़ रही थी। डा. यादव ने बताया कि बीते 18 जुलाई को राजीव जायसवाल के पेट में दर्द शुरू हुआ जिस पर परिजन लखनऊ के एक बड़े सरकारी अस्पताल ले गये जहां पता चला कि पिथ की थैली में पथरी है। अस्पताल में भर्ती होने के बाद शूगर की समस्या आयी तो आपरेशन टाल दिया गया जिसके बाद पेट में सूजन होने पर आपरेशन टाला गया। कुछ दिन बाद पुनः भर्ती होने पर पथरी चिपकी हुई है, कहकर टाला गया जिसके कुछ दिन बाद पुनः परिजन अस्पताल में भर्ती कराये जहां 3 दिन भर्ती करने के बाद आपरेशन की तिथि तय हुई लेकिन आपरेशन थिएटर तक जाने के बाद चिकित्सकों ने आपरेशन से मना कर दिया। सर्जन डा. यादव ने बताया कि राजीव जायसवाल के एक रिश्तेदार उन्हें जौनपुर लाये जहां मुझसे मिलने पर जांचोपरांत परिजन की संस्तुति पर उनका आपरेशन हुआ जो पूरी तरह से सफल रहा। शूगर को नियंत्रित करते हुये पिथ की थैली में चिपकी पथरी को दूरबीन के माध्यम से निकाला गया। मरीज अब पूरी तरह से स्वस्थ हैं। उन्होंने बताया कि वह लैप्रोस्कोपिक मिनिमल इनवासिव सर्जन हैं। वह नायर अस्पताल मुम्बई, संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल दिल्ली, वर्ल्ड लैप्रोस्कोपिक अस्पताल गुरूग्राम जैसे संस्थान में सेवा देने के बाद अब जौनपुरवासियों की सेवा करने के लिये यहां आ गया हूं।

श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन 24 अवतार व समुद्र मंथन की कथा सुन मंत्रमुग्ध हुए लोग

प्रखर जलालपुर जौनपुर। क्षेत्र के त्रिलोचन महादेव बाजार निवासी फिल्म अभिनेता चन्दन सेठ के पैतृक निवास स्थान पर चल रहे संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन बनारस के सुप्रसिद्ध कथा वाचक बाल व्यास शशिकान्त महाराज (श्री काशी) ने भगवान के चौबीस अवतारों की कथा के साथ-साथ समुद्र मंथन की बहुत ही रोचक एवं सारगर्भित कथा सुनाते हुए कहा कि यह संसार भगवान का एक सुंदर बगीचा है।यहां चौरासी लाख योनियों के रूप में भिन्न-भिन्न प्रकार के फूल खिले हुए हैं।जब-जब कोई अपने गलत कर्मो द्वारा इस संसार रूपी भगवान के बगीचे को नुकसान पहुंचाने की चेष्टा करता है तब-तब भगवान इस धरा धाम पर अवतार लेकर सजनों का उद्धार और दुर्जनों का संघार किया करते हैं

।समुद्र मंथन की कथा सुनाते हुए कहा कि मानव हृदय ही संसार सागर है।मनुष्य के अच्छे और बुरे विचार ही देवता और दानव के द्वारा किया जाने वाला मंथन है।कभी हमारे अंदर अच्छे विचारों का चितन मंथन चलता रहता है और कभी हमारे ही अंदर बुरे विचारों का चितन मंथन चलता रहता महाराज श्री ने बताया कि जिसके अंदर के दानव जीत गया उसका जीवन दुःखी, परेशान और कष्ट कठिनाइयों से भरा होगा और जिसके अंदर के देवता जीत गया उसका जीवन सुखी,संतुष्ट और भगवत प्रेम से भरा हुआ होगा । इसलिए हमेशा अपने विचारों पर पैनी नजर रखते हुए बुरे विचारों को अच्छे विचारों से जीतते हुए अपने मानव जीवन को सुखमय एवं आनंद मय बनाना चाहिए ।कथा के प्रारंभ में कीर्ति कुन्ज के अधिष्ठाता नन्हे लाल वर्मा व डीवाईएसपी विपीन रॉय ने द्वीप प्रज्जवलित कर कथा का शुरूआत किया।मुख्य यजमान अशर्फी सेठ व फूलपत्ती देवी ने श्री भागवत भगवान का पूजन कर आरती उतारी।कथा के बीच बीच में महाराज श्री ने भागवत भजन के द्वारा माहौल को भागवत मय एवं भक्ति मय बना दिया। कथा सुनने के लिए आस पास के लोगों की भारी भीड़ उमड़ रही है। इस अवसर पर सत्यनारायण सेठ प्रदेश अध्यक्ष स्वर्णकार संघ, यतींद्र चतुवेर्दी राज्यभाषा सदस्य भारत सरकार, राजेश तिवारी रत्न, सतीष वर्मा, गुरू गोपाल सिंह, विनीत सिंह, विश्वजीत सेठ, जुगल सेठ, सुशील मिश्रा, अजय यादव, गीता मिश्रा, बबलू वर्मा समेत सैकड़ो लोग शामिल थे।

प्रधान की सूझबूझ से खुला वर्षों से बंद पड़ा रास्ता

प्रखर सहजनवां गोरखपुर। सहजनवां तहसील क्षेत्र के पाली विकास खंड अंतर्गत ग्राम सभा टंडवा कला में वर्षों से बंद पड़े रास्ते को प्रधान ने ग्रामीणों से बातचीत कर उपजिलाधिकारी सहजनवां को शिकायती-पत्र देने के बाद राजस्व विभाग की मदद से खुलवाया। मिली जानकारी के अनुसार-ग्राम सभा टंडवाकला के मुख्य मार्ग से गांव कि तरफ जाने वाले रास्ते पर संतोष शर्मा के घर से गिरिजा के घर के पिछे तक रास्ता था जिस रास्ते से गांव के दर्जनों घरों का आवागमन था। लेकिन विगत कुछ सालों पहले आपसी देश के कारण गांव के ही एक परिवार के द्वारा इस रास्ते को अवरुद्ध कर दिया गया था जिसके कारण गांव के दर्जनों घरों के लोगों को वैकल्पिक रास्ते से आना जाना मजबूरी बन चुकी थी ग्रामीणों की मांग पर निवर्तमान ग्राम प्रधान मुनीश यादव के द्वारा रास्ते का चिन्हाकन करवाने के तदोउपरांत निर्माण कार्य सोमवार को शुरू कर दिया गया। जिससे ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान के इस कार्य को सराहा तथा साथ ही खुशी जाहिर की है।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं